RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

बोकारो, सोमवार

10.8.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 289

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली सरकार पर लगाया घोटाले की साजिश का आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आआप) के नेता एवं दिल्ली के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने रविवार को दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर घोटाले की साजिश का आरोप लगाया है। भारद्वाज का कहना है कि सरकार की योजना गरीबों के लिए सस्ता चावल खरीद उसे आगे बेचकर कमाने की थी।

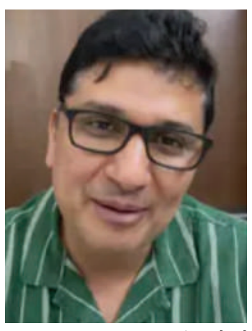

सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर साझा एक वीडियो में दावा किया कि दिल्ली सरकार और असम की एक संस्था ने मिलकर फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) से सब्सिडी वाला चावल हासिल कर उसे निजी हाथों में बेचने की सुनियोजित योजना बनाई थी। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत दिल्ली के गरीबों के बीच बांटने के नाम पर एफसीआई से हर सप्ताह 31 हजार मीट्रिक टन रियायती चावल की मांग की गई थी। आरोप है कि यह भारी-भरकम चावल दिल्ली के किसी भी जरूरतमंद नागरिक तक पहुंचने के बजाय सीधे हरियाणा की एक निजी कंपनी को भारी मुनाफे पर बेचा जाना था। भारद्वाज ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि इस फर्जीवाड़े से हर सप्ताह लगभग 143 करोड़ रुपये के घोटाले का खाका तैयार किया गया था। यदि यह तंत्र लगातार 3 वर्षों तक सक्रिय रहता, तो यह कुल 22 हजार करोड़ रुपये का एक विशाल संस्थागत घोटाला साबित होता।

राष्ट्रीय हितों और संप्रभुता की रक्षा के लिए सभी को तत्पर रहना चाहिए: उप राष्ट्रपति

एजेंसी, श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर)

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने रविवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि भारत की शांति और उदारता को उसकी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने नागरिकों का आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्रीय हितों और संप्रभुता की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। तिरंगे से प्रेरणा लेकर साहस, एकता और आशा का संचार करें और एक मजबूत एवं विकसित भारत के निर्माण में स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को आगे बढ़ाएं।

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने आज अंडमान-निकोबार द्वीप समूह की राजधानी श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर) के ऐतिहासिक फ्लैग पॉइंट पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा अभियान' की शुरुआत की। श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर) के ऐतिहासिक फ्लैग पॉइंट पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने 30 दिसंबर 1943 को तिरंगा फहराया था। उपराष्ट्रपति ने इस अवसर पर 'हर घर तिरंगा' के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया यह अभियान एक राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन में बदल चुका है। प्रत्येक नागरिक तिरंगे को गर्व से फहराने, देशभक्ति, एकता और सामूहिक जिम्मेदारी के मूल्यों को आत्मसात करें।"

महान तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती के अमर शब्दों को याद करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि भारती द्वारा मनाया जाने वाला 'मणि कोडी' उत्सव भारतीय भावना के शाश्वत साहस और भारत माता के ध्वज की महिमा को दर्शाता है। 'हर घर तिरंगा' अभियान इस भावना को आगे बढ़ाते हुए सभी नागरिकों को एक राष्ट्रीय ध्वज, एक मातृभूमि और एक साझा भविष्य के अंतर्गत एकजुट करता है। उन्होंने कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह भारत का सिर्फ एक भौगोलिक हिस्सा नहीं है यह बलिदानों की पवित्र भूमि है। उन्होंने वीर सावरकर और सेलुलर जेल में कैद रहे अनगिनत अन्य देशभक्तों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका साहस, देशभक्ति और बलिदान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सभी द्वीप 'विविधता में एकता' और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का जीवंत उदाहरण है और यहां समृद्ध आदिवासी विरासत और कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में भी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना भारत की समुद्री क्षमताओं, कनेक्टिविटी और आर्थिक अवसरों को और मजबूत करेगी, साथ ही विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखेगी। भारत की शांति और उदारता की परंपरा के साथ-साथ राष्ट्रीय शक्ति की आवश्यकता पर जोर देते हुए राधाकृष्णन ने कहा, "भारत हमेशा से उदार रहा है लेकिन हमारी उदारता को कभी कमजोरी नहीं समझना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी भाग लिया और 'हर घर तिरंगा' प्रदर्शनी का दौरा किया। इस कार्यक्रम में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल एडमिरल डीके जोशी (सेवानिवृत्त), मुख्य सचिव चंचल यादव, विजयपुरम नगर परिषद की अध्यक्ष एम. वसंत और जिला परिषद के अध्यक्ष पी. उमर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मप्र के धार में गुजरात के श्रद्धालुओं की वैन को ट्रॉले ने मारी टक्कर, 6 की मौत

एजेंसी, धार

मध्य प्रदेश के धार जिले में बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर रविवार दोपहर भीषण हादसे में गुजरात के छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई। सभी श्रद्धालु मारुति ईको वैन में सवार होकर उज्जैन में महाकाल के दर्शन करने के बाद गुजरात लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनकी वैन को गलत दिशा से आ रहे अनियंत्रित ट्रॉले ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे यह दुर्घटना घटी। पुलिस के अनुसार गुजरात के वड़ोदरा से कुछ श्रद्धालु ईको वैन से उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन करने के लिए आए थे। यहां से लौटते समय रविवार दोपहर करीब एक बजे पंचकवासा गांव के पास उज्जैन फोरलेन पर गलत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रॉले ने वैन को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। हादसे की सूचना मिलते ही बदनावर थाना प्रभारी अमित सिंह कुशवाह और तहसीलदार सुरेश नागर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से वैन में फंसे शवों को बाहर निकाला गया।

बदनावर थाना प्रभारी कुशवाह ने बताया कि हादसे में वैन में सवार छह युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हादसा इतना भीषण था कि दो शवों को ग्राइंडर मशीन से वैन को काटकर निकाला गया। सभी महाकाल के दर्शन कर उज्जैन से वड़ोदरा लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद फोरलेन पर कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ, जिसे पुलिस ने सुचारु कराया। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। शवों का पंचनामा बनाकर उन्हें बदनावर सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है, जहां उनका पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। ग्रामीणों के मुताबिक ट्रॉला बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर गलत साइड से उज्जैन की ओर जा रहा था। ट्रॉले में लोहे का सामान भरा था। वहीं, मारुति ईको स्पोर्ट्स वैन उज्जैन से गुजरात की ओर जा रही थी। इसी दौरान दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई।

हादसे के बाद ट्रॉले का ड्राइवर भाग गया। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस करीब 10 मिनट में मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने कार की खिड़की का कांच तोड़कर अंदर से शवों को बाहर निकाला। हादसे की जानकारी पर धार कलेक्टर राजीव रंजन मीणा, पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा, एडिशनल एसपी पारुल बेलापुरकर ने घटनास्थल पर पहुंचकर जायजा लिया। कलेक्टर मीणा ने बताया कि हादसे के बाद ट्रॉले का ड्राइवर भाग गया। पुलिस ने मृतकों के परिजन को सूचना दे दी है। शवों का पंचनामा बनाकर उन्हें बदनावर सिविल अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवाया गया है।

महाराष्ट्र के बारामती एयरपोर्ट पर ट्रेनिंग विमान रनवे से फिसलकर क्षतिग्रस्त, दोनों पायलट सुरक्षित

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र के बारामती एयरपोर्ट पर रविवार को एक ट्रेनिंग विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसलकर क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना में विमान में सवार इंस्ट्रक्टर और ट्रेनी पायलट दोनों सुरक्षित हैं। इस घटना की गहन छानबीन जारी है।

पुणे के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने बताया कि कार्वर एविएशन का सेसना-172 विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसल गया, जिससे वह विमान मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। विमान में सवार दोनों लोग सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस और संबंधित एजेंसियां हादसे की जांच कर रही हैं और यह पता लगाया जा रहा है कि दुर्घटना तकनीकी खराबी के कारण हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी। बारामती पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया निजी फ्लाइट ट्रेनिंग संस्थान कार्वर एविएशन का सेसना-172 ट्रेनिंग विमान रविवार दोपहर बारामती एयरपोर्ट पर लैंड कर रहा था। इसी दौरान विमान रनवे से फिसल गया।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, विमान का एक हिस्सा पास के लाइट पोल से टकराया और इसके बाद विमान रनवे की सीमा से बाहर चला गया। हादसे के समय विमान में दो लोग सवार थे। दोनों पायलट सुरक्षित हैं और किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और एयरपोर्ट प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और जांच कार्य शुरु कर दिया है।

जवाबदेही से नहीं भाग सकती सरकार: राहुल गांधी

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रयागराज में एक छात्र ने उनसे कहा कि अब उसके पास कोई रास्ता नहीं बचा है। वर्षों की तैयारी, परिवार की जमीन बेचने और माता-पिता पर कर्ज के बावजूद रोजगार नहीं मिलना उस छात्र की नहीं बल्कि ऐसी व्यवस्था की हार है जो युवाओं की मेहनत का उचित मूल्य देने में विफल है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर रविवार को कहा कि प्रयागराज में एक छात्र ने उनसे कहा कि उसने सालों तक तैयारी की, परिवार की जमीन बेच दी और उसके माता-पिता पर कर्ज है लेकिन इसके बावजूद उसके हाथ में कुछ नहीं है। यह हार उस छात्र की नहीं है बल्कि उस व्यवस्था की है जिसने उसकी मेहनत का दाम देने से इनकार कर दिया। उन्होंने केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर छात्रों के मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों पर कार्रवाई की घटना को 13 दिन हो चुके हैं लेकिन गृह मंत्री की ओर से अब तक कोई बयान नहीं आया है। माफी मांगने के बजाय क्षमा बांटी जा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार को यह नहीं समझना चाहिए कि विपक्ष जवाबदेही की मांग करना बंद कर देगा।

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था अगले कुछ सालों में 40-45 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान: डॉ. जितेंद्र सिंह

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था अगले 8-9 वर्षों में 40-45 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज यहां ललित होटल में आयोजित डिजिटल उपकरण पुरस्कार कार्यक्रम में मीडिया से कहा, भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था, जो पहले लगभग शून्य थी अब लगभग 9 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गई है और तेजी से विस्तार कर रही है। अगले आठ से नौ वर्षों में इसके 40-45 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि साल 2047 के लिए एक ऐसे देश के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करनी होगी जिसकी क्षमताओं और नवाचारों को अन्य देश अपना सकें।

मंत्री ने कहा कि अगली औद्योगिक क्रांति जैव प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित होगी। भारत अब दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल है जिनके पास जैव प्रौद्योगिकी के लिए समर्पित नीति है। हमारे पास राष्ट्रीय क्वांटम मिशन, भारतीय एआई मिशन भी हैं और हमने अंतरिक्ष और अन्य अग्रणी क्षेत्रों में तेजी से प्रगति की है। परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस कदम से नए अवसर तो पैदा होते हैं लेकिन उद्योग जगत को उभरते क्षेत्रों के लिए खुद को तैयार करने और आवश्यक क्षमताएं विकसित करने की भी आवश्यकता है। भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम का विकास यह दर्शाता है कि नवाचार अब केवल बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है बल्कि कई युवा उद्यमी छोटे शहरों से भी उभर रहे हैं। डॉ. सिंह ने अप्रचलित कानूनों और प्रक्रियाओं को हटाने के लिए सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताते हुए कहा कि लगभग 2,000 अप्रचलित कानूनों को हटा दिया गया है, जिनमें समाज और शासन में बदलाव के बावजूद पूर्ववर्ती युग से चले आ रहे प्रावधान शामिल थे।

मणिपुर में बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद, तीन गिरफ्तार

एजेंसी, इंफाल। मणिपुर में रविवार को सुरक्षा बलों और पुलिस द्वारा चलाए गए अलग-अलग अभियानों में अवैध रूप से स्थानीय शराब की आपूर्ति करने के आरोप में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया, जबकि बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और हथगोले बरामद किए गए। इंफाल पूर्वी जिले में इरिलबुंग थाना क्षेत्र के लांगडुम लामखाई में तलाशी और जांच के दौरान सीडीओ/इंफाल ईस्ट ने अवैध रूप से स्थानीय शराब के परिवहन और आपूर्ति में कथित रूप से शामिल तीन लोगों को हिरासत में लिया। उनकी पहचान युमखैबाम जीनेन सिंह उर्फ मेकोला (28), युमखैबाम सुनील सिंह उर्फ नाओतोम्बा (23) और चिंगाखाम रोमियो सिंह (23) के रूप में हुई है। उनके पास से 810 लीटर स्थानीय शराब और तीन कारें जब्त की गईं। एक अन्य अभियान में 9 अगस्त को इंफाल वेस्ट कमांडो, पटसोई थाना और 33 असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने पटसोई थाना क्षेत्र के खैरुम सबल में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान आठ एसबीबीएल बंदूकें, एक मैगजीन सहित 9 एमएम पिस्तौल, एक एंटी-रायट गन, डेटोनेटर के बिना तीन नंबर-36 एचई ग्रेनेड और एक डब्ल्यूपी ग्रेनेड बरामद किया गया।

गृहमंत्री अमित शाह ने पुडुचेरी पुलिस को प्रतिष्ठित 'राष्ट्रपति पुलिस कलर' सौंपा

एजेंसी, पुडुचेरी

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को पुडुचेरी पुलिस को प्रतिष्ठित 'राष्ट्रपति पुलिस कलर' सौंपा।इस मौके पर उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार पुडुचेरी के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार में साल 2014 से 2026 तक पुडुचेरी के विकास के लिए 13,762 करोड़ रुपये दिए गए हैं जबकि साल 1950 से 2014 तक की सरकारों में सिर्फ 3,500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जो अब लगभग चार गुना अधिक है। अमित शाह ने पुडुचेरी के गोरिमेडु स्थित पुलिस ट्रेनिंग ग्राउंड में आयोजित समारोह में पुडुचेरी पुलिस को प्रतिष्ठित 'राष्ट्रपति पुलिस कलर' से सम्मानित किया।उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन और मुख्यमंत्री एन. रंगासामी समेत अन्य गणमान्य समारोह में उपस्थित रहे। किसी पुलिस बल को राष्ट्रपति पुलिस कलर मिलना उसकी पेशेवर क्षमता, साहस, अनुशासन और जनसेवा की प्रतिबद्धता को मिली राष्ट्रीय मान्यता है। पुलिस संगठनों के लिए इसे प्रमुख संस्थागत सम्मानों में शामिल किया जाता है। इस अवसर पर अमित शाह ने कहा, "आज पुडुचेरी पुलिस देश के उन चुनिंदा पुलिस बलों की सूची में शामिल हो गई है, जिन्हें इस सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया है। पुडुचेरी पुलिस को राष्ट्रपति पुलिस कलर से सम्मानित किया जाना बल की बहादुरी, परिश्रम और समर्पण का प्रमाण है। यह उनके सबसे गौरवपूर्ण क्षणों में से एक है। पुडुचेरी दक्षिण भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक है।" उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में केन्द्र सरकार ने पुडुचेरी में 39 हजार करोड़ रुपये के औद्योगिक निवेश को बढ़ावा दिया है। लखपति दीदी, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत, शौचालयों का निर्माण, मुफ्त अनाज योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) जैसी पहलों से पुडुचेरी के नागरिकों को लाभ मिला है।

अमेरिका से तनाव के बीच ईरान बीच का रास्ता निकालने की कोशिश में

एजेंसी, तेहरान/वाशिंगटन

ईरान इस साल फरवरी से अमेरिका के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य पर छिड़ी जंग के मध्य बीच का रास्ता निकालने की कोशिश में है। इस संबंध में ईरान ने कहा कि ओमान के साथ बातचीत में ऐसी उम्मीद है। इससे इतर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने जलमार्ग खोलने के लिए पूर्व की शर्त दोहराई है। अमेरिका ने कहा कि हर हाल में ईरान पर दबाव जारी रखेगा। अल जजीरा, फॉक्स न्यूज और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने उम्मीद जताई है कि ओमान के साथ बातचीत से होर्मुज जलडमरूमध्य में परिणाम निकलेंगे। उन्होंने बातचीत के दौरान न युद्ध और न ही शांति की स्थिति से आगे बढ़ने का आह्वान किया आईआरजीसी ने कहा कि जलमार्ग खुल सकता है, बशर्ते अमेरिका की नौसैनिक नाकाबंदी समाप्त हो युद्ध के नुकसान के लिए मुआवजा दिया जाए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने खुला आरोप लगाया है कि ईरान संबंधों में सुधार करने के लिए तैयार नहीं है। वाशिंगटन उस पर दबाव बनाना जारी रखेगा। ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अरागची ने शनिवार को पत्रकारों से कहा कि ओमान से बातचीत में होर्मुज में अस्थायी रास्ता बनाने पर सहमति लगभग तय हो गई है। मगर जलडमरूमध्य को फिर से खोलने से पहले उसकी शर्तें पूरी होनी चाहिए। युद्ध से हुए नुकसान के लिए अमेरिका को मुआवजा देना देगा। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने तो इसके लिए कुछ शर्तें रखीं। वे हैं- अमेरिका ईरान को धमकाना बंद करे। ईरान और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकी जाए। अमेरिका नौसैनिक नाकाबंदी हटाए। संघर्ष में हुए नुकसान के लिए ईरान को मुआवजा दे। प्रतिबंध हटाने के साथ ईरान की फ्रीज की गई संपत्ति को बहाल किया जाए। ईरान से हो रही वार्ता के दौरान ओमान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों की निंदा की है। ओमान ने इसके लिए किसी पर दोष नहीं मढ़ा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने से पहले ईरान ने अमेरिका के सामने रखीं शर्तें, युद्ध खत्म करने की मांग

एजेंसी, तेहरान

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने से पहले अमेरिका के सामने कई शर्तें रखी हैं। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहम्मद बाकर जुलघद्र ने कहा है कि जब तक अमेरिका अपनी नीतियों में बदलाव नहीं करता, तब तक जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का फैसला नहीं किया जाएगा। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, जुलघद्र की मांगों में अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी हटाना, क्षेत्र से अमेरिकी सैन्य बलों की वापसी और युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करना शामिल है। उन्होंने संघर्ष के दौरान हुए नुकसान की भरपाई करने और विदेशों में जमा ईरानी संपत्तियों को मुक्त करने की मांग भी की है। जुलघद्र ने कहा कि ये ईरानी जनता की मांगें हैं और अमेरिका के अपने व्यवहार में सुधार किए बिना होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा नहीं खोला जाएगा। हालांकि जहाजों के आवागमन और उनसे टैक्स वसूले जाने संबंधी मुद्दों पर उन्होंने कोई बात नहीं की।

हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 10 अगस्त, 2026

संक्षिप्त समाचार

कुजू में शहीद निर्मल महतो का 39वां शहादत दिवस श्रद्धापूर्वक मना

कुजू। कुजू नयामोड़ स्थित शहीद निर्मल महतो स्मृति भवन में शहीद निर्मल महतो का 39वां शहादत दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। झामुमो मांडू प्रखंड समिति एवं झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन कुजू क्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के दर्जा प्राप्त मंत्री सह यूनियन जोनल अध्यक्ष फागू बेसरा उपस्थित हुए। इस दौरान उपस्थित लोगों ने शहीद निर्मल महतो के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए नमन किया। मुख्य अतिथि फागू बेसरा ने कहा कि शहीद निर्मल झारखंडी अस्मिता की रक्षा, जल-जंगल-जमीन व आमलोगों के अधिकारों के लिए अपना जीवन न्योच्छावर कर दिया। कहा उनके सपनों का झारखंड बनाने के लिए सभी को एकजुट होकर काम करना होगा। कार्यक्रम में झाकोमयू कुजू क्षेत्रीय सचिव रामकुमार सिंह, सुरेशचंद्र पटेल, राजनाथ महतो, मोहरलाल महतो, मंगू मांझी, चंदन कपूर, रामनाथ महतो, सुरेंद्र ठाकुर, बासुदेव गंझू, सावन मांझी समेत अन्य कई प्रमुख लोग शामिल हुए।

'दामोदर बचाओ आंदोलन' को बदनाम करने की साजिश, थाने में शिकायत दर्ज

बोकारो थर्मल: सोशल मीडिया पर 'दामोदर बचाओ आंदोलन' और इसके अधिकारियों की छवि धूमिल करने के आरोप में संगठन के जिला सह संयोजक श्रवण सिंह ने पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। रविवार को उन्होंने बोकारो थर्मल थाना प्रभारी को आवेदन देकर 'झारखंड बचाओ अभियान' से जुड़े कुछ लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई।

थाना प्रभारी को दिए आवेदन में श्रवण सिंह ने बताया कि उनका संगठन डीवीसी बोकारो थर्मल में जारी अवैध छाई (फ्लाई एश) परिवहन के खिलाफ लगातार आंदोलन चला रहा है। इसी आंदोलन की आड़ में कुछ लोग फेसबुक व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके व संगठन के खिलाफ आपत्तिजनक व अमर्यादित पोस्ट शेयर कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सुनियोजित तरीके से किए जा रहे इन पोस्टों से समाज में उनकी और संगठन की छवि खराब हुई है। श्रवण सिंह ने पुलिस को आपत्तिजनक पोस्ट के स्क्रीनशॉट भी सौंपे हैं और दोषियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुट गई है।

एसएम स्टील की जमीन खरीद पर ग्रामीणों का विरोध, जांच की मांग

चांडिल : नीमडीह प्रखंड के आदरडीह मौजा में प्रस्तावित एसएम स्टील एंड पावर लिमिटेड की जमीन खरीद को लेकर ग्रामीणों ने आपत्ति जताई है। विजय कुमार, अगस्त्य कुमार, गणेश कुमार, रौल देवी, आकाश कुमार एवं शुधेनंदू कुमार समेत अन्य रैयतदारों ने नीमडीह अंचलाधिकारी को आवेदन देकर जमीन खरीद की जांच और विवादित भूमि की दाखिल-खारिज एवं नामांतरण प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार, आदरडीह मौजा के खाता संख्या 132 और प्लॉट संख्या 1749 में कुल 58 डिसमिल जमीन है, जिसमें करीब 20 डिसमिल भूमि की कंपनी द्वारा खरीद की गई है। उनका दावा है कि यह संयुक्त खाते की जमीन है और सभी खाताधारकों की सहमति के बिना लेन-देन किया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वे लंबे समय से उक्त जमीन पर खेती और भौतिक कब्जे में हैं।

आवेदन में जमीन के स्वामित्व, कब्जे और खरीद प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। ग्रामीणों ने कहा कि जांच पूरी होने तक दाखिल-खारिज पर रोक लगाई जाए और सभी संयुक्त खाताधारकों को अपना पक्ष रखने का अवसर मिले। उन्होंने चेतावनी दी कि उचित कार्रवाई नहीं होने पर वे न्यायालय की शरण लेंगे। हालांकि, ग्रामीणों के आरोपों पर कंपनी प्रबंधन का पक्ष सामने नहीं आया है।

बुंडू के मठ टोला से कांवरियों का जत्था बाबा धाम रवाना

पेटरवार। पेटरवार प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बुंडू पंचायत के गागी मठ टोला स्थित दुर्गा मंदिर से रविवार को 18 कांवरियों का जत्था बाबा धाम के लिए रवाना हुआ। बुंडू पंचायत की मुखिया निहारिका सुकृति ने विधिवत पूजा-अर्चना के बाद कांवरियों को रवाना किया।

इस दौरान कांवरियों ने बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारे लगाए, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। कांवरियों ने बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना करने की बात कही।

उधवा बाजार में फैशन किंग गारमेंट्स दुकान का उद्घाटन

साहिबगंज : विधायक प्रतिनिधि सह नपं उपाध्यक्ष मो मारूफ उर्फ गुड्डू एवं नपं अध्यक्ष केताबुददीन शेख ने संयुक्त उधवा बाजार में फैशन किंग गारमेंट्स दुकान का फीता काटकर उद्घाटन किए। सोशल मीडिया में क्रिएटर की भूमिका निभाकर नाम कमाए रिंटू स्पीकर के गारमेंट प्रतिष्ठा का उद्घाटन किया गया। उनके व्यवसाय की तरक्की की दुआ मांगी गई। दोनों ही अतिथियों ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से सफलता हासिल कर नए व्यवसाय की ओर आगे बढ़ रहे हैं इसमें भी उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं है। मौके पर मो आलम, मो दिलावर सहित अन्य मौजूद थे।

पारस एचईसी हॉस्पिटल में झारखंड का पहला रोबोटिक असिस्टेड सर्जरी प्रोग्राम शुरू

» राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची: पारस एचईसी हॉस्पिटल रांची ने झारखंड में पहली बार रोबोटिक असिस्टेड सर्जरी प्रोग्राम की शुरुआत की है। इस नई तकनीक के जरिए अब राज्य के मरीजों को रोबोटिक सर्जरी के लिए दूसरे राज्यों में जाने की जरूरत नहीं होगी। इसका उद्घाटन झारखंड के माननीय राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया। इस अवसर पर उन्होंने इसे झारखण्ड में आधुनिक एवं उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक का समावेश मरीजों को अधिक सटीक, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने में सहायक है।

राज्यपाल ने कहा कि रोबोटिक सर्जरी चिकित्सा विज्ञान में तकनीकी प्रगति का उत्कृष्ट उदाहरण है। इससे जटिल शल्य-चिकित्साओं में चिकित्सकों को अधिक सटीकता के साथ कार्य करने में सहायता मिलती है तथा मरीजों को अपेक्षाकृत कम चीरा, कम पीड़ा एवं शीघ्र रिकवरी जैसे लाभ मिल सकते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस सुविधा से झारखण्ड के मरीजों को उन्नत शल्य-चिकित्सा सेवाएं राज्य में ही उपलब्ध होंगी।

राज्यपाल ने कहा वे चाहते हैं कि झारखण्ड में स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐसा वातावरण एवं ऐसी अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं विकसित हों कि राज्य के लोगों को बेहतर उपचार के लिए दूसरे राज्यों में जाने की आवश्यकता न पड़े। साथ ही, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को इस स्तर तक पहुंचाया जाए कि देश के अन्य राज्यों से भी लोग उन्नत एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार के लिए झारखण्ड आएं। उन्होंने कहा कि झारखण्ड को चिकित्सा के क्षेत्र में एक प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में सभी संबंधित संस्थानों को मिलकर कार्य करना चाहिए।

राज्यवासियों को अब रांची में विश्व स्तरीय रोबोटिक सर्जरी की सुविधा मिलेगी हॉस्पिटल में रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत स्वास्थ सेवा में एक बड़ा कदम है। इससे इलाज सटीक और सुरक्षित तरीके से होगा। मरीज को अगर समय पर इलाज मिल जाए तो वह जल्द ठीक हो जाता है। पारस हॉस्पिटल इस दिशा में आगे बढ़ चुका है। मरीजों को रांची में विश्व स्तरीय इलाज मिल रहा है। अब मरीजों को राज्य के बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

पारस हेल्थ के मैनेजिंग डायरेक्टर धर्मेंद्र नागर ने कहा कि यह झारखंड का पहला रोबोटिक असिस्टेड सर्जरी प्रोग्राम है। इस अत्याधुनिक रोबोटिक सिस्टम के माध्यम से जनरल सर्जरी, गायनेकोलॉजी, यूरोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और ऑर्थोपेडिक्स समेत अधिकांश विभागों में रोबोटिक असिस्टेड सर्जरी की जा सकेगी। मशीन इन सभी प्रकार की जटिल सर्जरी करने में सक्षम है, जहां रोबोटिक तकनीक की आवश्यकता होती है। यह तकनीक कम चीरे के साथ अधिक सटीक ऑपरेशन करने में सक्षम है, जिससे मरीजों को कम दर्द, कम रक्तस्राव, संक्रमण का कम खतरा और तेजी से रिकवरी जैसे लाभ मिलेंगे। यह पहल झारखंड में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे राज्य के मरीजों को अत्याधुनिक, सुरक्षित एवं बेहतर उपचार का लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि अब तक झारखंड के मरीजों को रोबोटिक सर्जरी के लिए दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद और अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था। इस सुविधा के शुरू होने से अब मरीजों को अपने ही राज्य में विश्वस्तरीय रोबोटिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी।

पारस एचईसी हॉस्पिटल के फैसेलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि पारस हेल्थ हमेशा से झारखंड के लोगों तक अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। रोबोटिक असिस्टेड सर्जरी प्रोग्राम की शुरुआत इसी दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। अब राज्य के मरीजों को अत्याधुनिक सर्जरी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा, बल्कि विश्वस्तरीय तकनीक और विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं रांची में ही उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि इस तकनीक से जटिल सर्जरी अधिक सटीकता के साथ की जा सकेगी, जिससे मरीजों की रिकवरी तेज होगी, हॉस्पिटल में भर्ती रहने की अवधि कम होगी और इलाज का अनुभव पहले से कहीं बेहतर होगा।

इस अवसर पर डॉ अमरेंद्र कुमार, डॉ अभिनव शेखर, डॉ प्रीति सिंह, डॉ अमित कुमार समेत हॉस्पिटल के कई डॉक्टर्स उपस्थित थे।

कुजू के श्रीराम पावर प्लांट में फर्नेस भट्ठी ब्लास्ट में नौ से अधिक मजदूर घायल

» गंभीर हालत में दो मजदूर रांची रेफर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। कुजू के हीरक रोड स्थित श्रीराम पावर एंड स्टील प्लांट लिमिटेड में रविवार दोपहर फर्नेस भट्ठी सफाई के दौरान ब्लास्ट होने से

नौ से अधिक मजदूर घायल हो गए। इसमें दो मजदूर रितेश राणा और रमेश ठाकुर की हालत चिंताजनक बनी हुई है। दोनों लोगों को रांची रेफर किया गया है। इन्हें देवकामल अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना के बाद प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। तत्काल प्लांट प्रबंधन ने सभी घायलों को कंपनी के निजी वाहनों से तत्काल इलाज के लिए रांची रोड के होप हॉस्पिटल पहुंचाया। यहां डॉ सौरभ कुमार के देखरेख में नौ घायल मजदूर इलाज किया जा रहा है।

घायलों में राजेंद्र महतो हजारीबाग, कुंजलाल रविदास अराकांटा, रामगढ़, धनंजय सिंह पटना, परमेश्वर कुमार महतो नवाटांड़ रामगढ़, संजय प्रसाद रांची रोड, रामगढ़, विजय यादव दरभंगा, बिहार, राजेंद्र महतो चटाक रामगढ़, रितेश राणा शिवपुरी, हजारीबाग और रमेश ठाकुर नईसराय, रामगढ़ शामिल हैं। घटना की

सूचना मिलने के बाद घायल मजदूरों के परिजन बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंचे। घटना को लेकर परिजनों और मजदूरों में आक्रोश देखा गया। मजदूरों ने कंपनी प्रबंधन पर सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

मजदूरों ने सुरक्षा इंतजाम नहीं किए जाने का आरोप लगाया है।

ज्वेलरी लूट के हथियार बरामद, जिरवाबाड़ी से एक युवक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज। कल्याणचक ज्वेलरी लूट कांड के अनुसंधान में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। लूट में इस्तेमाल हुए हथियारों को पुलिस ने बरामद कर लिया है और इस मामले में एक युवक को गिरफ्तार भी किया गया है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार राजमहल थाना में दर्ज कांड संख्या 174/25 के अभियुक्त विष्णु मंडल से पूछताछ के क्रम में यह खुलासा हुआ था कि लूट में प्रयुक्त 2 देशी कट्टा और गोलियां उसने सुबोध मंडल को सौंप दी थीं। विष्णु मंडल जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के चानन गांव का रहने वाला है।

इस सूचना के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी साहिबगंज के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल बनाया गया। 8 अगस्त 2026 को जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह और राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी के नेतृत्व वाली टीम ने जिरवाबाड़ी के शांतिनगर लोहंडा में छापेमारी कर 23 वर्षीय सुबोध मंडल पिता सीताराम मंडल को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने छिपाकर रखे गए 2 अवैध देशी कट्टे और 2 जिंदा कारतूस बरामद किए।

बरामद हथियारों को जप्त कर जिरवाबाड़ी थाना में कांड संख्या 146/26 दर्ज किया गया है। इस पर आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-B)a/26/35 लगाई गई है। पुलिस का कहना है कि इस लूट कांड में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

इस अभियान में जिरवाबाड़ी और राजमहल थाना के पुलिस अवर निरीक्षक कार्तिक उरांव, ओम प्रकाश चौहान, शिवानन्द प्रसाद के अलावा आरक्षी दीपक कुमार सिंह और राम बिहारी ओझा भी शामिल थे।

पुलिस अधिकारियों का मानना है कि हथियारों की बरामदगी से लूट कांड की कड़ियां जल्द जुड़ जाएंगी।

आदिवासी महोत्सव में संस्कृति, अधिकार और प्रकृति संरक्षण का संदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : झारखंड आदिवासी महोत्सव 2026 के तहत नगर भवन, दुलाडीह में जिला स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, उपायुक्त आलोक कुमार दुबे, एसपी शम्भू कुमार सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष दीपिका बेसरा, डीडीसी असीम किस्पोट्टा और परियोजना निदेशक आईटीडीए जुगनू मिंज ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अतिथियों ने भगवान बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि आदिवासी दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के इतिहास, पहचान, संस्कृति, भाषा, परंपरा और अधिकारों को याद करने का दिन है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज भारत की आत्मा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार सभी वर्गों के हित में काम कर रही है। उन्होंने जामताड़ा में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने और मेडिकल कॉलेज की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास की बात कही।

उपायुक्त आलोक कुमार दुबे ने युवाओं से शिक्षा, तकनीक और कौशल के साथ अपनी संस्कृति और पहचान को संरक्षित रखने की अपील की। उन्होंने महिला सशक्तीकरण और स्थानीय पारंपरिक ज्ञान को रोजगार से जोड़ने पर जोर दिया।

एसपी शम्भू कुमार सिंह ने आदिवासी समाज की प्रकृति के साथ संतुलित जीवनशैली को अनुकरणीय बताया। उन्होंने जल, जंगल और जमीन के संरक्षण को आने वाली पीढ़ियों के लिए जरूरी बताया। समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ विभिन्न विभागों ने योजनाओं और आदिवासी उत्पादों से संबंधित स्टॉल लगाए। अतिथियों ने पांच सामुदायिक वन पट्टों का वितरण किया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों और स्टॉल संचालकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

पूर्व झारखंड भाजपा अध्यक्ष मिले केंद्रीय कानून मंत्री से

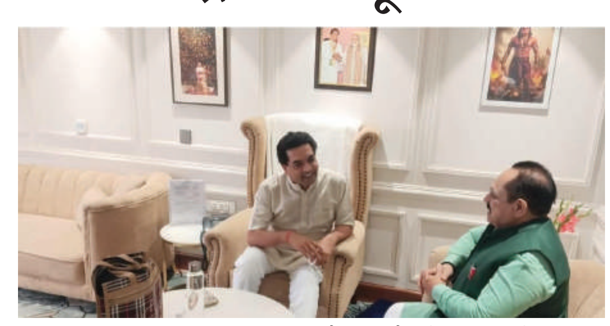

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। झारखंड प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सह हजारीबाग के पूर्व सांसद डॉ यदुनाथ पांडेय ने रविवार को दिल्ली प्रवास के क्रम में दिल्ली सरकार के कानून एवं न्याय मंत्री एवं भाजपा नेता कपिल मिश्रा से मिले। इस

आत्मीय भेंट में डॉ पांडेय ने मंत्रीजी को कुशलता पूर्वक कार्यशैली को जनहित में संचालित करने पर साधुवाद दिया। साथ ही दिल्ली की जनता के आकांक्षाओं पर खरा उतरते हुए मां भारती की सच्ची सेवा करने की कामना की गई। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक एवं समसामयिक विषयों पर भी सार्थक चर्चा हुई। युवा नेतृत्व के रूप में मंत्री कपिल मिश्रा की सक्रियता, ऊर्जा एवं जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। वहीं ईश्वर से कामना की गई कि वे निरंतर जनसेवा के पथ पर आगे बढ़ें और राष्ट्रहित में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहें। बाद में मंत्री कपिल मिश्रा ने झारखंड प्रदेश के सरकार के क्रिया कलाप के साथ ही पार्टी संगठन के बारे में जानकारी हासिल किया।

आदिवासी महोत्सव में संस्कृति संरक्षण के साथ समेकित विकास का संदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़ : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को टाउन हॉल, रामगढ़ में जिला स्तरीय आदिवासी महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक ममता देवी, उपायुक्त ऋतुराज, वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार, उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग शामिल हुए। अतिथियों ने भगवान बिरसा मुंडा, सिदो मुर्मू, कान्हू मुर्मू, फूलो मुर्मू, झानो मुर्मू, चांद मुर्मू और भैरव मुर्मू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

विधायक ममता देवी ने कहा कि आदिवासी समाज की भाषा,

संस्कृति, परंपरा, कला और जीवनशैली झारखंड की समृद्ध विरासत का हिस्सा हैं। इनके संरक्षण के साथ समुदाय के बच्चों को शिक्षा तथा युवाओं को कौशल और रोजगार से जोड़ना जरूरी है।

महोत्सव में रामगढ़ जिले के पीवीटीजी और अनुसूचित जनजाति समुदाय के समेकित विकास के लिए चयनित 34

गांवों में 'प्रोजेक्ट समर्थ' का शुभारंभ किया गया। उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि परियोजना के तहत विभिन्न विभागों की योजनाओं का समन्वय कर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आजीविका और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकास का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार ने जल, जंगल और जमीन के संरक्षण में आदिवासी समाज की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। महोत्सव में पारंपरिक व्यंजन, पेंटिंग, रंगोली और रील मेकिंग प्रतियोगिताओं के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं।

इस दौरान सामुदायिक वन पट्टा के छह लाभुकों, निशुल्क साइकिल योजना के 17 विद्यार्थियों और प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के दो लाभुकों सहित जेएसएलपीएस के लाभुकों को योजनाओं का लाभ दिया गया। मैट्रिक और इंटर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आदिवासी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 10 अगस्त, 2026

संक्षिप्त समाचार

विश्व आदिवासी दिवस पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कसमार (बोकारो) : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को सहयोगिनी संस्था की ओर से कसमार के कूरको एवं धधकिया गांव में किशोरियों के बीच विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी की उत्प्रेरक विनीता देवी एवं रेखा देवी ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर हमें यह याद रखना है कि आदिवासियत के कारण ही हमारा जल, ।जंगल व जमीन सुरक्षित है। इनके बीच होने वाले हिंसा को समाप्त करने के लिए हमें संकल्प लेने की जरूरत है। बाल विवाह बाल तस्करी, बाल यौन हिंसा जैसे मुद्दे को समाप्त करने के लिए हमें सब के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना है। उन्होंने बताया कि सहयोगिनी संस्था द्वारा प्रखंड के 30 गांव में बच्चों के अधिकार को लेकर आदिवासी समुदाय के बीच में विशेष जन जागरूकता कार्यक्रम किया जा रहा है।

इस दौरान धधकिया गांव में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी की समन्वयक कुमारी किरण ने कहा कि किशोरियों के नेतृत्व विकास का कार्यक्रम विगत 5 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर हमारे द्वारा उनके बीच में विशेष जागरूकता एवं गीत संगीत का कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के दौरान स्वाति कुमारी, निधि कुमारी, पायल, अनिता कुमारी, सुरभि कुमारी आदि उपस्थित थी।

विश्व आदिवासी दिवस पर सज उठीं खुशियां, दो हजार महिलाओं में बांटीं साड़ियां

तुपकाडीह (बोकारो) : विश्व आदिवासी दिवस के पावन अवसर पर जरीडीह प्रखंड सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में उत्साह और उमंग का माहौल रहा। इस खास मौके पर 'आदिवासी विकास मंच' की ओर से सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश करते हुए खूंटरी, बारू, कल्याणपुर, सिमलडीह, जैना, बालीडीह, बाराडीह और बांधडीह समेत विभिन्न गांवों की लगभग दो हजार जरूरतमंद महिलाओं के बीच साड़ियों का वितरण किया गया।

लाहीगजार गांव में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झामुमो के जिला उपाध्यक्ष मोहन मुर्मू ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस का मुख्य उद्देश्य आदिवासी समाज को वैश्विक पहचान दिलाना है, ताकि भावी पीढ़ी अपनी समृद्ध भाषा, अनूठी संस्कृति, लोक परंपराओं और त्योहारों पर गर्व महसूस कर सके।

वहीं, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमित सोरेन ने कहा कि यह दिन हर आदिवासी के लिए स्वाभिमान और उल्लास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमें जल, जंगल और जमीन तथा देश-राज्य की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर आदिवासी अमर शहीदों को नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर अजय किस्कू, उपेंद्र हेम्ब्रम, सोहन मुर्मू, अजीत मुर्मू, तुलसी मरांडी, महेश सोरेन सहित 'आदिवासी विकास मंच' के अनेक सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कांवरियों की सेवा में तत्पर रहा 'बम बम ग्रुप', बांटी शर्बत

तुपकाडीह (बोकारो) : तुपकाडीह चौक पर 'बम बम ग्रुप' द्वारा दामोदर नदी से जल लेकर भष्की पंचायत के जिलिंगटांड स्थित प्राचीन शिव मंदिर जा रहे सैकड़ों कांवरियों का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान कांवरियों के बीच शर्बत, गुड़, चना और फलों का वितरण किया गया। लगभग दो घंटे तक पूरा चौक परिसर कांवरियों के 'बोल बम' और 'हर हर महादेव' के जयकारों से गुंजायमान रहा। लगभग 35 किमी की पदयात्रा करने वाले इन श्रद्धालुओं में बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और युवा शामिल थे। इस मौके पर ग्रुप के सावंत उर्फ गोलू, साहिल, बीरेंद्र महतो, नागेश्वर अग्रवाल, बिनोद मिश्रा, आदित्य, विजय, निखिल, पीयूष, हिमांशु, साहिब, विनीत अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

आदिवासी दिवस पर दिवंगत समाजसेवी अफरोज राणा की याद में रोपे गए 300 पौधे

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति प्रेम और मानवीय संवेदनाओं का एक बेहद भावुक संगम रविवार को विश्व आदिवासी दिवस पर देखने को मिला। बोकारो इस्पात नगर को हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा 5000 वृक्षारोपण का महाभियान आज सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस महाभियान के समापन को शहर के प्रसिद्ध समाजसेवी सह फैमिली काउंसलिंग सेंटर के पूर्व सम्मानित सदस्य स्वर्गीय सैयद अफरोज राणा की स्मृतियों ने और भी खास बना दिया। उनकी पावन याद में कर्बला मैदान परिसर में सुबह 9 से 10 बजे के बीच लगभग 300 फलदार एवं छायादार पौधे रोपे गए।

समारोह का सबसे हृदयस्पर्शी क्षण वह था जब स्वर्गीय अफरोज राणा की बेटी सय्यदा महेलाका ने अपने हाथों से पिता की याद में पहला पौधा रोपा। अपने पिता की यादों को नमन करते हुए जब बेटी ने पौधे को रोपा, तो वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं।

यह महाभियान 'मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च सेंटर', 'बोकारो डिस्टलरी प्रा. लि.' तथा 'बोकारो स्पिरिट एंड एलाइड प्रोडक्ट्स प्रा. लि.' के संयुक्त सौजन्य से संचालित किया गया। कर्बला मैदान में समापन से पूर्व इस अभियान के तहत पूरे शहर में हरियाली का विस्तार किया गया। इसके अंतर्गत बिरसा वासा सेक्टर-12 फुटबॉल ग्राउंड, आरबीएस कॉलेज प्रांगण, डीएवी इस्पात विद्यालय सेक्टर-8, डीएवी सेक्टर-4, सेक्टर-3 हायर सेकेंडरी व सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-3 क्लब ग्राउंड, सेक्टर-2D हाई स्कूल, सेक्टर-2A मिडिल स्कूल, एकलव्य इंटरनेशनल स्कूल बोडरो, सेक्टर-12 हायर सेकेंडरी स्कूल और सेक्टर-12 स्थित बिरसा मुंडा निःशुल्क विद्यालय परिसर सहित कई प्रमुख स्थानों पर बड़े पैमाने पर पौधे लगाए गए।

समारोह में फैमिली काउंसलिंग सेंटर की अध्यक्ष शीला प्रसाद, सेक्रेटरी पूर्णिमा सिंह, मैनेजमेंट स्टडीज के अध्यक्ष शशि भूषण, कंपनी प्रतिनिधि विशाल सिंह शेखावत और स्थानीय क्रिकेट क्लब के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर बोकारो महिला समिति की अध्यक्ष अनीता सिंह, समाजसेवी शकील अहमद अंसारी, सैयद राशिद आलम, सिवानडीह मुखिया रौनक अंसारी, पूर्व मुखिया मुख्तार अंसारी, आलम अंसारी, सैयद जावेद आलम, यूथ क्लब अध्यक्ष शहंशाह मलिक, मिथुन कुमार, संजय कुमार, अब्दुल मलिक, अबूजर रहमान, रविकांत ठाकुर और सुफल सहित भारी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी ने पौधे रोपकर उनकी सुरक्षा और संवर्धन का अटूट संकल्प लिया।

बिरसा मुंडा निःशुल्क विद्यालय का 32वां स्थापना दिवस संपन्न

» गरीब बच्चों को शिक्षा देना सबसे बड़ा पुण्य : अक्षय

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: जन कल्याण सामाजिक संस्था द्वारा संचालित बिरसा मुंडा निःशुल्क विद्यालय का 32वां स्थापना दिवस समारोह बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद अक्षय कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि गरीब और लाचार बच्चों को शिक्षा मुहैया कराना सबसे महान और पुण्य का कार्य है। ऐसा कठिन कार्य करने के लिए अत्यंत निष्ठा और कठिन तपस्या की आवश्यकता होती है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1997 से बोकारो के सेक्टर 12 स्थित झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र में स्थापित इस विद्यालय का सफल संचालन समाजसेवी परशुराम राम द्वारा किया जा रहा है। विद्यालय के संस्थापक सह सचिव परशुराम राम ने बताया कि यह संस्थान आसपास की बस्तियों में रहने वाले निहायत ही गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करता है।

बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से विद्यालय में समय-समय पर निःशुल्क ड्रेस, कॉपियां और लेखन सामग्री भी बांटी जाती हैं। इस पुनीत कार्य में क्षेत्र के कई समाजसेवियों, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का निरंतर सहयोग मिलता रहा है। स्थापना दिवस समारोह के दौरान बोकारो क्लब के विक्रम और नरेश की ओर से सभी बच्चों व अभिभावकों के बीच भोजन का वितरण किया गया। वहीं योगेंद्र प्रसाद कुशवाहा और परशुराम सिंह द्वारा बच्चों को कॉपी, पेंसिल आदि पठन सामग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान संस्था के सचिव परशुराम राम, अखिलेश्वर पांडेय, अक्षय कुमार, योगेंद्र प्रसाद कुशवाहा, वेद प्रेम सिंह, हरिशंकर प्रसाद सोनी, विजय कुमार, ममता सिंह, बबीता कुमारी और अजय कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बोकारो आदिवासी महोत्सव में जल-जंगल और जमीन पर ग्रामीणों का हक हुआ मजबूत

छह गांवों को मिला 4,300 एकड़ का सामुदायिक वन पट्टा; वन सुरक्षा के लिए 5 गश्ती वाहन रवाना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित 'बोकारो आदिवासी महोत्सव-2026' न केवल आदिवासी संस्कृति, परंपरा और समृद्ध विरासत के अनूठे उत्सव का साक्षी बना, बल्कि इसने वन अधिकार व पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक नया इतिहास भी रच दिया।

कार्यक्रम में झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के माननीय मंत्री श्री योगेंद्र प्रसाद, चंदनकियारी के माननीय विधायक श्री उमाकांत रजक और बोकारो की माननीय विधायिका श्रीमती श्वेता सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। महोत्सव के दौरान मंत्री व विधायकों के कर-कमलों से गोमिया और पेटरवार प्रखंड के 6 गांवों के ग्रामीणों को कुल 4,300 एकड़ रिकॉर्ड वन क्षेत्र का 'सामुदायिक वन अधिकार पट्टा' सौंपा गया। इसके तहत अकेले चोरगावां गांव के निवासियों को 2,800 एकड़ और गांगपुर गांव के ग्रामीणों को 900 एकड़ भूमि का अधिकार मिला।

इस ऐतिहासिक कदम से सदियों से जंगलों की रक्षा करते आ रहे ग्रामीणों और ग्राम सभाओं को वन संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन, प्रबंधन एवं न्यायसंगत उपयोग का पूर्ण कानूनी अधिकार प्राप्त हो गया है। जंगलों की सुरक्षा और वन्यजीवों के संरक्षण को और अधिक पुख्ता बनाने के लिए बोकारो वन प्रमंडल के वन रक्षकों (फॉरेस्ट गाड्र्स) को 5 नए आधुनिक गश्ती वाहन सौंपे गए। इन नए वाहनों के मिलने से वन क्षेत्रों में गश्ती अभियान को रफ्तार मिलेगी, जिससे वनों की अवैध कटाई, तस्करों की गतिविधियों और वन्यजीव अपराधों पर नकेल कसने में बड़ी मदद मिलेगी।

मिथिला महिला समिति ने भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ मनाया सावन महोत्सव, पूनम बनीं सिया सुंदरी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद् की इकाई मिथिला महिला समिति द्वारा शनिवार की शाम सेक्टर 4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में सावन महोत्सव भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा की धर्मपत्नी डॉ प्रतिमा झा, मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा, सचिव आभा झा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि डॉ प्रतिमा झा ने सभी को सावन महोत्सव की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यूं तो भारतीय संस्कृति में सावन का महीना धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता ही है, लेकिन मिथिलांचल में सावन मास का खास महत्व है। भगवान शिव की आराधना, प्रकृति के उत्सव के साथ ही नवविवाहित स्त्रीगण बहुत ही श्रद्धा व उल्लास के साथ मधुश्रावणी त्यौहार मनाती हैं। डॉ प्रतिमा झा ने कहा कि मिथिला महिला समिति के इस कार्यक्रम में आकर उन्हें काफी प्रसन्नता का अनुभव हुआ है। मिथिला की सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण रखने में समिति का योगदान प्रशंसनीय है। इस मौके पर समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा व सचिव आभा झा ने मुख्य अतिथि को सम्मानित किया।

इस अवसर पर संगीत-नृत्य के साथ ही विविध प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत महाकवि विद्यापति रचित भगवती वंदना जय जय भैरवि असुर भयाउनि... के सुमधुर गायन से हुई। इसके बाद समिति की सदस्याओं ने सावन पर आधारित मैथिली गीतों व नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति से सभी को आनंदित किया। सावन मिलन कार्यक्रम में आयोजित सिया सुंदरी प्रतियोगिता में पूनम झा (शैव्या) ने प्रथम, बीना झा ने द्वितीय व विनीता राय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डाला सजाओ प्रतियोगिता में ऋतु मिश्रा को प्रथम, बीनू चौधरी को द्वितीय व सीमा झा को तृतीय स्थान मिला। बेस्ट डांसर का पुरस्कार प्रीति प्रिया को मिला जबकि बेस्ट पर्सनेलिटी का पुरस्कार मीरा रॉय को मिला। प्रतियोगिताओं की जज के रूप में पूनम झा उपस्थित रहीं। मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा ने कहा कि समिति द्वारा समय-समय पर मिथिला की संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं साथ ही समाज उत्थान व गरीबों के सहायतार्थ कार्यक्रम भी चलाये जाते हैं। कार्यक्रम में मंच संचालन बबीता झा ने किया। इस अवसर पर शीला मिश्रा, किरण मिश्रा, नमिता झा, रुबी ठाकुर, आशा झा, इंदिरा झा, जयंती पाठक, चंदा झा, लीला झा, आशा पाठक, डॉ मंजु झा, ऋतु मिश्रा, अर्पणा झा, प्रेरणा ओझा, रंजना भगत, अलका झा, राज कुमारी झा, सविता मिश्रा, किरण झा आदि उपस्थित थीं।

बोल बम के जयघोष के साथ देवघर रवाना हुआ कांवरियों का जत्था

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार। कसमार प्रखंड के जामकुदर से दिनेश प्रसाद महतो के नेतृत्व में कांवरियों का जत्था रविवार को बैद्यनाथ धाम, देवघर के लिए रवाना हुआ। स्थानीय पंचायत समिति सदस्य सह पूर्व उपप्रमुख ज्योत्सना झा एवं समाजसेवी तपन कुमार झा ने कांवरियों को शुभकामनाएं देकर रवाना किया। रवानगी से पूर्व सभी कांवरियों ने स्थानीय शिवालय में पूजा-अर्चना की और 'बोल बम' के जयघोष के साथ यात्रा शुरू की। कांवरिये सोमवार को सुल्तानगंज से गंगाजल उठाकर मंगलवार को बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक करेंगे। ज्योत्सना झा ने कांवरियों की मंगलमय यात्रा की कामना की, जबकि तपन कुमार झा ने बाबा बैद्यनाथ से सभी की मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की।

कांवरियों के लिए निशुल्क भोजन की व्यवस्था ममता देवी की ओर से की जाएगी। जत्थे में दिनेश प्रसाद महतो, पुष्पा देवी, ममता देवी, सोनू कुमार, रेखा कुमारी, प्रकाश नायक, महादेव साव, प्रकाश गोराई, आशीष तुरी, रिंकी देवी, सुमित्रा देवी, जेठू साव, बेबी देवी सहित अन्य कांवरिये शामिल हैं।

प्लस टू शिक्षक संघ की बैठक में वरीय वेतनमान शीघ्र प्राप्ति हेतु प्रस्ताव पारित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : झारखण्ड प्लस टू शिक्षक संघ, बोकारो जिला कार्यकारिणी समिति की बैठक रविवार को सेक्टर पांच स्थित पुस्तकालय मैदान में सम्पन्न हुई। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित इस बैठक में कार्यकारिणी समिति ने एक स्वर से आदिवासी समाज की उन्नति एवं मान-सम्मान की कामना करते हुए उनको शुभकामनाएं दीं तथा जल, जंगल जमीन एवं जमीर की रक्षा का संकल्प लिया। मौके पर टीजीटी से पीजीटी में आए शिक्षकों के वेतन संरक्षण के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। संगठन ने उन सभी शिक्षकों से जिनकी अबतक सेवा संपुष्टि नहीं हुई है, आह्वान किया कि वे शीघ्रातिशीघ्र अपनी-अपनी सेवा पुस्तिका संबंधित अभिलेखों के साथ जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय भिजवाएं ताकि ससमय उनकी सेवा संपुष्टि, सेवा निरंतरता आदि की कार्यवाही पूरी की जा सके।

समिति ने सभी सदस्यों से एकजुटता का महत्व समझने की अपील की, ताकि संगठित रहकर कुशल नेतृत्व प्रदान करते हुए समस्याओं का शीघ्र निदान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में वरीय वेतनमान प्राप्ति हेतु सभी योग्यताधारी पीजीटी शिक्षकों को वरीय वेतनमान शीघ्र प्राप्त हो इसके लिए निदेशक माध्यमिक शिक्षा, झारखण्ड सरकार एवं शिक्षा मंत्री से एक स्वर से आग्रह करते हुए प्रस्ताव पारित किया गया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह, सचिव डॉ अवनीश कुमार झा, उपाध्यक्ष कौशल कुमार मुखर्जी एवं दीपा पंकज लाटा, संगठन मंत्री ब्रजेश कुमार, उप संगठन मंत्री मुकेश कुमार यादव, विद्यालय प्रतिनिधि जितेन्द्र कुमार समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

संस्कृत में हुई अंतर विद्यालय समूहगान और समूह भावनृत्य प्रतियोगिताएं

स्वर्गीय राम प्रताप दुबे की स्मृति में गूंजे वैदिक मंत्र; 255 से अधिक छात्र-छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : संस्कृत भारती, बोकारो के तत्वावधान में स्वर्गीय राम प्रताप दुबे की पावन स्मृति में भव्य जिला स्तरीय अंतरविद्यालयीय संस्कृत समूह गान एवं संस्कृत समूह भावनृत्य प्रतियोगिता का सफल आयोजन चिन्मय विद्यालय के परिसर में किया गया। कार्यक्रम का अत्यंत गरिमामय शुभारंभ विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती तथा पूज्य स्वामी चिन्मयानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण, वैदिक दीप प्रज्वलन और मांगलिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। इस अंतरविद्यालयीय प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए 255 से अधिक प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी कला और संस्कृत निष्ठा का अद्भुत परिचय दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता चिन्मय विद्यालय के उपप्राचार्य नरमेन्द्र कुमार ने की। बतौर मुख्य अतिथि एवं प्रतियोगिता के प्रायोजक, प्रसिद्ध समाजसेवी संतोष कुमार दुबे ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक, राष्ट्रीय और मानवीय पहचान है। यह भारत भूमि के लिए वरदान और वास्तविक अमृत भाषा है। उन्होंने संस्कृत के प्रचार-प्रसार, संरक्षण एवं संवर्धन के लिए अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी को संस्कृत का अध्ययन-अध्यापन, चिंतन और मनन कराना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इससे बच्चों में नैतिक संस्कार और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध जागृत होता है।

समारोह को संबोधित करते हुए संस्कृत भारती के मंत्री डॉ. उदय चंद्र झा ने कहा कि संस्कृत समाज के लिए संजीवनी के समान है। संस्कृत, शास्त्रीय संगीत और पारंपरिक नृत्य के इस त्रिवेणी संगम के माध्यम से समाज में एक सकारात्मक, ऊर्जावान एवं संस्कारपूर्ण वातावरण का निर्माण किया जा सकता है। वहीं धनबाद क्षेत्र के संयोजक डॉ. विनय कुमार पांडेय ने संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता और नैतिकता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए इसे सर्वकालिक सदाचार और भारतीय संस्कारों की जननी बताया।

कार्यक्रम के दौरान संस्कृत भारती के उपाध्यक्ष डॉ. आत्मानंद सिंह ऋषि ने स्वर्गीय राम प्रताप दुबे के जीवन, उनके आदर्शों और संस्कृत भाषा के उत्थान के लिए उनके द्वारा किए गए सेवा-संकल्पों पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता के निष्पक्ष मूल्यांकन के लिए राकेश, जगदीश बावला, अमित, रंजू, सोनल दत्त एवं डॉ. नरेंद्र राय ने निर्णायक की भूमिका निभाई। मंच का कुशल संचालन डॉ. श्रीहरि पांडेय, डॉ. विनय पांडेय एवं डॉ. शशिकांत पांडेय द्वारा किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर डॉ. रामनारायण सिंह, डॉ. रोशन शर्मा, डॉ. भूपेंद्र गौतम, शशिकांत तिवारी, आरएम मलिक समेत संस्कृत भारती के सम्मानित शिक्षक, निष्ठावान कार्यकर्ता, अभिभावकगण और सैकड़ों की संख्या में संस्कृत प्रेमी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

कोरंथिया होटल में महिला अधिवक्ताओं का "आया सावन झूम के" मिलन समारोह, हरियाली की थीम पर मनाया गया सावन

रांची। झारखंड हाईकोर्ट की महिला अधिवक्ताओं का सावन मिलन समारोह रविवार को कचहरी चौक स्थित कोरंथिया होटल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की आयोजक अधिवक्ता कविता वर्मा थीं। "आया सावन झूम के" थीम पर हुए इस पहले मिलन समारोह में सभी महिला अधिवक्ताओं ने हरे रंग के वस्त्र धारण किए। कार्यक्रम में गेम, संयुक्त मेहंदी, सावन के गीतों पर नृत्य और स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया गया। समापन पर सभी को श्रृंगार सामग्री भेंट कर सम्मानित किया गया। आयोजक कविता वर्मा ने कहा कि घर और कोर्ट की व्यस्तता के बीच सभी ने समय निकालकर इस पवित्र महीने में एकजुटता का संदेश दिया। सभी ने प्रण लिया कि जीवन के सुख-दुख में एक-दूसरे का साथ निभाएंगी और ऐसे मिलन समारोह आगे भी आयोजित करती रहेंगी। इस अवसर पर मौली सिन्हा, वंदना सिंह, प्रीति चौधरी, ममता सिंह, राजिका महली, वर्षा सिन्हा, पूनम कुजूर, संगीता कुमारी सहित बड़ी संख्या में महिला अधिवक्ताएं उपस्थित रहीं।

श्री माहेश्वरी सभा रांची के अध्यक्ष बने मुकेश काबरा, नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

रांची। श्री माहेश्वरी सभा रांची की वर्ष 2026-29 की नई कार्यकारिणी का चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी बजरंग लाल सोमानी, पवन मंत्री और उमाशंकर बियानी की देखरेख में हुए चुनाव में मुकेश काबरा अध्यक्ष, मनोज कल्याणी सचिव और मनोज काबरा कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। कार्यकारिणी में गोवर्धन प्रसाद भाला उपाध्यक्ष, राजेश सोमानी संगठन मंत्री, श्याम सुंदर बियानी सह मंत्री बनाए गए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अंकुर डागा, अभिनव मंत्री, बसंत लखोटिया, विपिन भाला, कैलाश सोमानी, मनीष चितलांगिया, मनीष खटोड़, मनमोहन मोहता, पंकज साबू, राजेंद्र बिरला, राम बांगड़, श्यामसुंदर पेड़ीवाल, सौरभ साबू, सुरेश सारडा, सुशील सोडाणी को मनोनीत किया गया। रमन बोरा, दिनेश काबरा, रूपेश भाला, नीरज चितलांगिया, रूपेश काबरा मनोनीत सदस्य तथा प्रभात साबू, संजय मालपानी, शिव बिरला, विभोर डागा और रोहित शारदा स्थाई आमंत्रित सदस्य बनाए गए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मुकेश काबरा ने कहा कि युवा और महिलाओं को साथ लेकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक कल्याणकारी कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम में निवर्तमान अध्यक्ष किशन साबू ने अतिथियों का स्वागत किया। मंच संचालन मनोज कल्याणी ने और धन्यवाद ज्ञापन राजकुमार मारू ने किया।

सीमा शरण बनीं सावन क्वीन
निर्मला और ऋतु को उपविजेता का खिताब

रांची। एबीकेएम (महिला शाखा) की ओर से रविवार को 'सावन मनभवन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौक़े पर आयोजित 'सावन क्वीन' प्रतियोगिता में सीमा शरण को प्रथम, निर्मला सिन्हा को दूसरा व ऋतु सिन्हा को तीसरा स्थान मिला। इस अवसर पर महिलाओं ने रैंप वॉक, कजरी, मॉडर्न व वेस्टर्न डांस कर सावन का आनंद उठाया। साथ ही लजीज व्यंजनों का लुत्फ़ उठाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्मिता, प्रीति , इंदु, निर्मला आदि ने मुख्य भूमिका निभाई।

YBN विश्वविद्यालय में ज्ञान संवर्धन कार्यक्रम शुरू, NEP-2020 के क्रियान्वयन पर दिया जोर

रांची। YBN विश्वविद्यालय में "Empowering Academia: Implementing the Vision of NEP 2020" विषय पर चार दिवसीय Knowledge Enhancement Programme का शुभारंभ शनिवार को हुआ। इसका आयोजन NEP समिति, विश्वविद्यालय एवं स्कूल ऑफ साइंस के भौतिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और कुलगीत से हुई। चेयरमैन राम जी यादव और कुलपति प्रो. सत्यदेव पोद्दार ने कहा कि NEP-2020 शिक्षा को समावेशी, कौशल आधारित और अनुसंधानपरक बनाने की दिशा में अहम कदम है। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक व नवाचार से जुड़ने पर बल दिया। पहले दिन NIT जमशेदपुर के डॉ. मनीष कुमार झा ने "IKS: Bridging Ancient Wisdom with Contemporary Education" और प्रो. एच.एल. यादव ने "Indian Physics and Astronomy" पर व्याख्यान दिया।

आगे का कार्यक्रम- 10 अगस्त को क्रेडिट आधारित मूल्यांकन, SGPA-CGPA गणना और डिजिटल शिक्षा पर डॉ. आरती गुप्ता, डॉ. अनिल प्रसाद यादव व सुमंत पुष्प बोलेंगे। 11 अगस्त को आधुनिक भौतिकी, IPR, तनाव नियंत्रण और शिक्षक मेंटरशिप पर डॉ. एस.पी. सिंह, डॉ. अजीत कुमार गोंड व डॉ. सोनिया रानी चर्चा करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को NEP-2020 की भावना से जोड़कर भारतीय ज्ञान परंपरा, अनुसंधान और विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षा को बढ़ावा देना है।

विश्व आदिवासी दिवस पर ढोल-मांदर की थाप पर थिरका बोकारो

बोकारो आदिवासी महोत्सव-2026 में उतरा जल, जंगल और जमीन की रक्षा का संकल्प

» पारंपरिक परिधानों में सजे अफसरों ने दिया अपनत्व का संदेश

राष्ट्रीय मुख्यधाराः विजय कुमार झा

बोकारोः विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को शिबू सोरेन स्मृति भवन (टाउन हॉल) में आयोजित बोकारो आदिवासी महोत्सव-2026 में न केवल परंपराओं की रंगारंग छटा बिखरी, बल्कि प्रकृति संरक्षण और आदिवासी अस्मिता के सम्मान का एक नया अध्याय भी लिखा गया। मांदर की थाप, नगाड़ों की गूंज और पारंपरिक स्वागत संगीत के बीच पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद, चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक, बोकारो विधायक श्वेता सिंह, उपायुक्त अजय नाथ झा, एसपी नाथू सिंह मीणा और डीडीसी शताब्दी मजूमदार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर इस ऐतिहासिक उत्सव का विधिवत उद्घाटन किया। पूरे आयोजन की सबसे खूबसूरत और अनूठी तस्वीर तब देखने को मिली, जब जिला प्रशासन के तमाम वरीय अधिकारी पारंपरिक आदिवासी परिधान पहनकर पहुंचे। अधिकारियों का यह रूप केवल एक वेशभूषा नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के प्रति संवेदनशीलता, सम्मान और सामाजिक समरसता का जीता-जागता प्रतीक बन गया।

बोले मंत्री योगेन्द्र- आदिवासी जीवन-दर्शन से पूरी दुनिया को सीखने की जरूरत*

उत्सव को संबोधित करते हुए मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि यह दिन केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आदिवासी अधिकारों, पहचान और जल-जंगल-जमीन की रक्षा का संकल्प लेने का पावन अवसर है। उन्होंने कहा कि आज जब पूरा विश्व पर्यावरण संकट से जूझ रहा है, तब प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की आदिवासी जीवनशैली पूरी दुनिया के लिए एक आदर्श मिसाल है। आदिवासी समाज ने हमेशा प्रकृति को सम्मान दिया है। आज पर्यावरण संरक्षण पूरी दुनिया के लिए बड़ी चुनौती है। ऐसे समय में आदिवासी समाज की पारंपरिक जीवनशैली और प्रकृति के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण से सीख लेने की आवश्यकता है। सरकार आदिवासी समाज के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ जल संरक्षण, स्वच्छता, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में भी लगातार कार्य किए जा रहे हैं। वहीं बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि यह मंच केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि आदिवासी चेतना को महसूस करने का जरिया है। उन्होंने कहा कि आज धन और सुख-सुविधाओं की दौड़ में इंसान अपनी मिट्टी से दूर हो रहा है, ऐसे में प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की आदिवासी भावना को अपनी आत्मा में जगाना समय की सबसे बड़ी मांग है।

आदिवासी फैशन शो, सोहराय पेंटिंग, पारंपरिक व्यंजन और परिचर्चा ने मोहा मन

महोत्सव के दौरान आयोजित बौद्धिक सत्र में सेवानिवृत्त आईएएस व लेखक रणेंद्र कुमार, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के प्रो. रामचंद्र उरांव और सेंट जेवियर्स कॉलेज के प्रो. संतोष किरो ने 'आदिवासी दर्शन और सह-अस्तित्व' विषय पर गंभीर परिचर्चा की। परिचर्चा का कुशल संचालन एसी सुनील चंद्र और डीएफओ संदीप शिंदे ने किया। सांस्कृतिक संध्या में आयोजित 'आदिवासी फैशन शो' में युवाओं ने पारंपरिक परिधानों का ऐसा जलवा बिखेरा कि दर्शक झूमने पर मजबूर हो गए। डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल के बच्चों ने 'नमामि गंगे' पर नाटक मंचन कर जल संरक्षण की सीख दी, वहीं बाल कलाकारों ने

सोहराय एवं जादू पाटिया चित्रकला को कैनवास पर उकेरकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को अतिथियों द्वारा सम्मानित भी किया गया। अतिथियों ने परिसर में लगे कला, हस्तशिल्प और पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉलों का निरीक्षण कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। डीसी दंपती डॉ. प्रतिमा झा, एसपी नाथू सिंह मीणा और प्रशासनिक अधिकारियों की दिनभर मौजूदगी में प्रकृति और संस्कृति के संरक्षण के संकल्प के साथ यह भव्य आयोजन संपन्न हुआ।

आदिवासियों से जीवन-मूल्य समझना है: डीसी अजय नाथ झा

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि आदिवासी समाज को कुछ दिखाने या सिखाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि हमें उनसे सीखने और उनकी जीवनशैली को समझने की जरूरत है। जिस विकास की धारा को हम उनके लिए सही मानते हैं, जरूरी नहीं कि वह उनकी दृष्टि में भी सही हो। हमें उनकी इच्छाओं, परंपराओं और स्वाभिमान का सम्मान करते हुए विकास की दिशा तय करनी होगी। उन्होंने घोषणा की कि चंदनकियारी सहित पूरे जिले में आदिवासी कला, सोहराय पेंटिंग और हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे।

श्रावण माह क़े दूसरे सोमवार को हजारों कि संख्या मे कांबरिया जल लेकर शिवगादी धाम क़े लिए रवाना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : राजमहल स्तिथ उत्तरवाहिनी गंगा मे स्नान कर शनिवार रात्रि से हीं हजारो कि संख्या मे कांबरिया बरहेट स्तिथ शिवगादी धाम क़े रवाना हुए। जो श्रद्धालु शनिवार रात्रि मे गंगा स्नान कर बाबा गाजेश्वर नाथ मे जल अर्पण क़े लिए निकले वह श्रद्धालु रविवार को पहुंचे कर मंदिर धर्मशाला मे विश्राम कर सोमवार को सुबह सुबह जल अर्पित करेंगे। और जो श्रद्धालु रविवार जल लेकर निकले वह भी सोमवार को सुबह से दिन तक जल अर्पित करेंगे। जानकारी हो कि करीब नौ घंटा का सफर है राजमहल उत्तरवाहिनी गंगा से शिवगादी धाम का।गंगा तट पर प्रसाशन क़े तरफ से व्यवस्था मे उदासीन देखी गयीं। जबकि कांबरिया सिर्फ झारखण्ड से हीं नहीं बंगाल, ओडिशा, बिहार,

उत्तरप्रदेश क़े साथ -साथ पडोसी देश नेपाल से भी आते है। कहां जाता है कि शिवगादी स्तिथ बाबा गाजेश्वर नाथ को जल अर्पित कर जो भी श्रद्धालु मांगते है उसे बाबा दिल खोलकर पूरा करते है। जिस तरह काँवारियों का भीड़ बढ़ रही है अगले वर्ष 2027 मे प्रशासन क़े मदद से एक धर्मशाला का निर्माण होने से श्रद्धालुओ को सुविधा होगी।राजमहल बाजार क़े साथ साथ पुरे क्षेत्र मे मे बोल बम का नारा से गुंजायमान हो गया है। बाजार क़े साथ साथ गंगा तट पर भी दुकान का मेला लग चूका है। पुरे राजमहल क़े जनता बढ़ चढ़कर श्रद्धांलुओं क़े सेवा मे लगेगा है।

जेपीएससी प्रकरण में मंत्रियों ने देवेन्द्रनाथ से की वीडियो कॉल वार्ता, नहीं बनी सहमति

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ रांची में चल रहे छात्र आंदोलन आमरण अनशन के बीच सरकार और आंदोलनकारी छात्रों के बीच रविवार को तीसरी बार वार्ता हुई। हालांकि, इसके बावजूद गतिरोध बरकरार रहा और सहमति नहीं बनी। अनशनकारी देवेन्द्रनाथ महतो के अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के आठवें दिन और सत्याग्रह के 16वें दिन सरकार की ओर से गठित हाई लेवल कमेटी के चार मंत्रियों ने वीडियो कॉल के माध्यम से उनसे बातचीत की। सरकार की ओर से हाई लेवल कमेटी में शामिल मंत्री सुदीप कुमार सोनू, दीपिका सिंह पांडेय, चमरा लिंडा और संजय सिंह यादव ने वीडियो कॉल के जरिए देवेन्द्रनाथ ने से बातचीत की। यह जानकारी देते हुए देवेन्द्रनाथ महतो ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि वीडियो कॉल के माध्यम से मंत्रियों ने छात्रों की मांगों पर चर्चा कर मांगों के समाधान का भरोसा दिलाया। इसके साथ ही उन्होंने देवेन्द्रनाथ महतो से भूख हड़ताल समाप्त करने का आग्रह किया। इस दौरान देवेन्द्रनाथ ने मंत्रियों का संवाद के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि सिर्फ मौखिक आश्वासन के आधार पर छात्रों का अनशन और आंदोलन समाप्त नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक सरकार की ओर से छात्रों की मांगों पर लिखित रूप से जवाब नहीं दिया

जाता और मांगों को पूरा करने की दिशा में ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनकी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रहेगी। महतो ने कहा कि छात्रों की मांगें किसी व्यक्ति विशेष के हित से जुड़ी नहीं हैं, बल्कि राज्य की प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी, निष्पक्ष और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने से संबंधित हैं। उन्होंने सरकार से छात्रों की मांगों पर ठोस और लिखित निर्णय लेने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि लिखित आश्वासन और मांगों पर ठोस कार्रवाई होने तक सत्याग्रह और छात्र आंदोलन जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि जेपीएससी और जेएसएससी की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर छात्र लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं।

अनगड़ा में 4 धर्मबहनों ने किया आजीवन व्रत धारण, महाधर्माध्यक्ष बोले- सेवा से सार्थक होता है व्रतीय जीवन

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

अनगड़ा स्थित संत अलोयसियूस ऑफ गोंजागा की धर्मबहनों के कॉन्वेंट में रविवार को एक ऐतिहासिक आध्यात्मिक समारोह हुआ। यहाँ की चार धर्मबहनों - सि० सीबिया लकड़ा, सि० फुलजेन्सिया लकड़ा, सि० रंजीता बेक एवं सि० असीमा बा ने राँची काथलिक महाधर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद के समक्ष आजीवन व्रत धारण किया। पवित्र मिस्सा पूजा के मुख्य अनुष्ठाता महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद ने अपने प्रवचन में कहा कि "व्रतीय जीवन का अर्थ है भलाई और परोपकार के लिए खुद का निस्वार्थ समर्पण।" उन्होंने प्रकृति का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह प्रकृति अपने फल दूसरों के लिए देती है, उसी तरह धर्मबहनें भी समाज के वंचितों और जरूरतमंदों के जीवन में ईश्वर का प्रेम बांटें। व्रत विधि के दौरान चारों धर्मबहनों ने श्रद्धा के साथ संकल्प लिया और व्रत पत्रिका पर हस्ताक्षर किया। पूजा के बाद उन्होंने महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद और खिजरी विधायक राजेश कच्छप के साथ केक काटकर खुशी मनाई। इस अवसर पर बहेया के पल्ली पुरोहित फादर संजय तिर्की, धर्मबहनें तथा चारों धर्मबहनों के परिजन उपस्थित थे।

आंदोलनकारी छात्र-छात्राओं के इलाज का पूरा खर्च उठाएगी राज्य सरकार : इरफान अंसारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

झारखंड में छात्र-छात्राओं के आंदोलन के बीच स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने रविवार को आंदोलनकारी छात्रों के नाम एक भावुक एवं संवेदनशील अपील जारी की है। स्वास्थ्य मंत्री ने जारी अपील में कहा है कि लोकतांत्रिक तरीके से अपने अधिकारों और मांगों के लिए संघर्ष करना उनका अधिकार है, लेकिन अपनी जिंदगी और स्वास्थ्य को खतरे में डालना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार छात्रों की भावनाओं, उनकी मांगों और उनके संघर्ष को गंभीरता से समझ रही है तथा सकारात्मक एवं सम्मानजनक समाधान के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने छात्रों से संवाद और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का आग्रह किया। अपने पत्र में स्वास्थ्य मंत्री ने छात्रों से कहा

कि आंदोलन के दौरान यदि किसी छात्र-छात्रा की तबीयत बिगड़ती है या अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता पड़ती है, तो राज्य सरकार बेहतर से बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य के सभी सरकारी एवं निजी अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि किसी भी आंदोलनकारी छात्र-छात्रा को चिकित्सा सुविधा से वंचित न किया जाए। आंदोलनकारी छात्रों के इलाज के नाम पर किसी प्रकार की राशि नहीं ली जाएगी तथा उपचार से संबंधित आवश्यक खर्च राज्य सरकार एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि आंदोलन स्थल पर भी स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीमों को आवश्यकता के अनुसार तैनात रखा गया है, ताकि आंदोलनकारी छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जा सके और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपनी जान को दांव पर न लगाएं और अपने स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। स्वास्थ्य मंत्री ने छात्रों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी मांगों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखें, अपनी आवाज बुलंद करें, लेकिन अनशन और भूख हड़ताल जैसे कदमों से बचें। कहा कि सरकार छात्रों की बात सुन रही है और उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार कर रही है। ऐसे में संवाद और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से समाधान निकालना ही सबसे बेहतर रास्ता है। कहा कि झारखंड के युवा राज्य का भविष्य हैं और उनकी सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने छात्रों से भावुक अपील करते हुए कहा आपकी आवाज जरूरी है, आपका संघर्ष महत्वपूर्ण है, लेकिन आपकी जिंदगी उससे भी ज्यादा कीमती है। अपनी मांगों के लिए लड़िए, अपनी आवाज बुलंद कीजिए, लेकिन अपनी जान को दांव पर मत लगाइए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि संवाद, संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से पूरे मामले का सकारात्मक एवं सम्मानजनक समाधान निकाला जाए। उन्होंने छात्रों से सरकार पर विश्वास रखने और बातचीत का रास्ता खुला रखने की अपील की।अपने संदेश के अंत में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आपकी सरकार आपके साथ है। स्वास्थ्य मंत्री आपके साथ खड़ा है। आपकी पीड़ा मेरी पीड़ा है।

विश्व आदिवासी दिवस पर पेटरवार में उमड़ा जनसैलाब, निकली भव्य रैली

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर प्लस टू हाई स्कूल, पेटरवार के मैदान में रविवार को आदिवासी छात्रावास, पेटरवार के छात्रों की ओर से भव्य कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में बच्चों, युवाओं एवं महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा, वाद्ययंत्रों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति एवं परंपरा की झलक प्रस्तुत की। पारंपरिक नृत्य, गीत-संगीत और वाद्ययंत्रों की प्रस्तुतियां

आकर्षण का केंद्र रहीं।वक्ताओं ने आदिवासी समाज के अधिकारों, संस्कारों, भाषा एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर दिया। साथ ही सीएनटी एक्ट, एसपीटी एक्ट एवं पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, संगठन और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा आदिवासी समाज के विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं। युवाओं से अपनी भाषा, संस्कृति एवं परंपराओं को सहेजते हुए शिक्षा और सामाजिक विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम के बाद प्लस टू हाई स्कूल, पेटरवार से पेटरवार बस स्टैंड तक भव्य रैली एवं सांस्कृतिक झांकी निकाली गई। रैली में भारी संख्या में लोग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। पारंपरिक नृत्य, गीत-संगीत एवं वाद्ययंत्रों की धुनों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। झांकी के माध्यम से आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, इतिहास, परंपरा एवं सामाजिक चेतना का जीवंत प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर लोबिन मुर्मू, रामकृष्ण सोरेन, डिफेंस किस्कू, मनोहर मुर्मू, महानंद मुर्मू, रतन मांझी, दशरथ टुडू, अमृत बेदीया, राजेश टुडू, धनेश्वर मुर्मू,उलगड्डा मुखियाअरविंद मुर्मू, शिवचरण सोरेन एवं बबलू हेम्ब्रम,सचिव रमेश मुर्मू, अध्यक्ष हरीश चंद्र मरांडी, कोषाध्यक्ष रामू सोरेन सहित अन्य लोग शामिल थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

विश्व आदिवासी दिवस पर डॉ. इरफान अंसारी ने भाजपा पर साधा निशाना

जामताड़ा : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के जामताड़ा स्थित आवास पर रविवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जामताड़ा और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के महिला-पुरुष शामिल हुए। कार्यक्रम में पूर्व सांसद फुरकान अंसारी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। डॉ. इरफान अंसारी ने समाज के वरिष्ठ लोगों को सम्मानित किया, जबकि महिलाओं को साड़ी भेंट की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. इरफान अंसारी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने 20 वर्षों तक झारखंड को लूटने का काम किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की जल, जंगल और जमीन पर किसी की नजर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने समाज से अपने अधिकारों, संविधान और जमीन की रक्षा के लिए एकजुट रहने की अपील की।

पूर्व सांसद फुरकान अंसारी ने कहा कि झारखंड आदिवासियों की धरती है और उनके अधिकारों की रक्षा जरूरी है। उन्होंने पेसा कानून और आदिवासी अधिकारों को लेकर लोगों को सजग रहने की अपील की। एसआईआर का उल्लेख करते हुए उन्होंने लोगों से मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित करने और किसी समस्या पर प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से संपर्क करने को कहा।

गांधी मैदान में खुटा पूजा के साथ गणेश महोत्सव की तैयारी शुरू

जामताड़ा : 23वा गणेश महोत्सव को लेकर रविवार को खुटा पूजा का आयोजन गांधी मैदान में किया गया। जिसमें पंडित रामानंद पांडे द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ पूजा अर्चना कराई गई और खुंटा स्थापित किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए गणेश पूजा महोत्सव समिति के सदस्यों ने बताया कि 14 सितंबर से गांधी मैदान में गणेश महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्रत्येक दिन विधि विधान के साथ पूजा अर्चना आरती तथा प्रसाद वितरण का कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर भव्य मेला का भी आयोजन किया जाना है जिसमें तरह-तरह के झूले व मनोरंजन के साधन मौजूद रहेंगे। पंडित रामानंद पांडे ने बताया कि भगवान गणेश विघ्नहर्ता हैं और कोई भी शुभ कार्य की शुरुआत में सबसे पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है और यही कारण है कि प्रत्येक वर्ष गांधी मैदान में भव्य गणेश महोत्सव का आयोजन होता है और इस महोत्सव में पूरे जिले के लोग शामिल होते हैं। आज विधि विधान के साथ खुटा पूजा किया गया और आज से ही पंडाल निर्माण का कार्य भी प्रारंभ हो जाएगा। इस दौरान पूजा के बाद लोगों के बीच प्रसाद का भी वितरण किया गया। लोगों ने बताया कि इस वर्ष भी अन्य वर्षो की तरह भव्य पंडाल का निर्माण कराया जाना है इसको लेकर बंगाल के कारीगरों को बुलाया जा रहा है।

स्वतंत्रता दिवस से पूर्व परेड पूर्वाभ्यास सिदो कान्हु स्टेडियम में शुरू

साहिबगंज। संवाददाता। स्वतंत्रता दिवस से पूर्व मुख्य समारोह स्थल सिदो कान्हु स्टेडियम में परेड का पूर्वाभ्यास शुरू हुआ। सार्जेंट मेजर के नेतृत्व में जिला सशस्त्र बल एक प्लाटून, जैप09 एक प्लाटून, गृह रक्षा वाहिनी एक प्लाटून, एनसीसी एक प्लाटून, गर्ल्स गाइड की छात्राएं सीनियर एक प्लाटून,गर्ल्स गाइड की छात्राएं जूनियर एक प्लाटून, चौकीदार पुरुष व महिला एक एक बटालियन, साहिबगंज कॉलेज, राजस्थान इंटर विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, कस्तूरबा विद्यालय, सेंट्रल स्कूल, संत जेवियर्स स्कूल के 25-25 की टुकड़ी एक एक बटालियन ने परेड का पूर्वाभ्यास किया। 13 अगस्त को परेड का फाइनल रिहर्सल होगा। जिसमे डीसी एसपी सहित जिला के आला अधिकारी शामिल होंगे।

पेटरवार में सेंगेल अभियान ने मनाया विश्व आदिवासी दिवस

छह सूत्री मांगों को लेकर प्रधानमंत्री के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। आदिवासी सेंगेल अभियान की ओर से रविवार को पेटरवार बाजार टांड़ स्थित बुंडू पंचायत भवन सभागार में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेंगेल विडियो विजय कुमार मार्डी ने की, जबकि संचालन सेंगेल सरना धर्म मांडवा के प्रदेश अध्यक्ष रामकुमार मुर्मू ने किया।।कार्यक्रम के दौरान सेंगेल कार्यकर्ताओं ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम छह सूत्री मांग-पत्र जारी किया। मांग-पत्र प्रखंड विकास पदाधिकारी, पेटरवार के माध्यम से प्रधानमंत्री को भेजा जाएगा। सभा को संबोधित करते हुए आदिवासी सेंगेल अभियान के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष देवनारायण मुर्मू ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की घोषणा के अनुसार विश्व के करीब 90 देशों में विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य आदिवासी समुदायों की भाषा, संस्कृति, धर्म, शिक्षा तथा सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का आकलन कर उनके विकास एवं संरक्षण के लिए प्रयास करना है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1995 से लगातार 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाए जाने के बावजूद आदिवासी समाज को अपेक्षित विकास नहीं मिल पाया है। आदिवासी भाषाओं के संरक्षण की आवश्यकता को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 2022 से 2032 तक की अवधि को अंतरराष्ट्रीय आदिवासी भाषा दशक के रूप में घोषित किया है।

सेंगेल अभियान ने प्रधानमंत्री के नाम दिए मांग-पत्र में संताली भाषा को झारखंड में प्रथम राजभाषा का दर्जा देने, सरना धर्म कोड लागू करने, असम एवं अंडमान में बसे झारखंडी आदिवासियों को एसटी का दर्जा देने, सीएनटी-एसपीटी कानून को सख्ती से लागू करने, आदिवासी स्वशासन व्यवस्था में आवश्यक सुधार कर संविधान एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावी बनाने तथा झारखंड में स्थानीय नीति एवं प्रखंडवार नियोजन नीति लागू करने की मांग की है। कार्यक्रम को मांझी परगना मांडवा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष चंद्रमोहन मार्डी, हजारीबाग जोनल हेड विजय टुडू एवं बोकारो जिला मांझी परगना मांडवा अध्यक्ष हरिश्चंद्र मुर्मू ने भी संबोधित किया।

मौके पर जरीडीह प्रखंड अध्यक्ष संतोष मुर्मू, कसमार प्रखंड युवा मोर्चा अध्यक्ष रामप्रसाद सोरेन, चंद्रो किस्कू, मंगल मुर्मू, सोनाराम मुर्मू, संजय टुडू, बिरसा मुर्मू, दशमी हांसदा, बुधन हांसदा सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित थे।

शिक्षक ने उठाई कुदाल, सड़क के गड्ढे खुद भरकर दिया संदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ : रविवार की सुबह जब अधिकांश लोग छुट्टी मना रहे थे, वहीं नबीनगर उत्क्रमित उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक शमशेर आलम पाकुड़-राजग्राम मुख्य मार्ग पर कुदाल लेकर सड़क के गड्ढे भरते नजर आए। सड़क की बदहाल स्थिति और जिम्मेदारों की कथित उदासीनता के बीच उन्होंने एक मजदूर के साथ मिलकर बाहिरग्राम कांटा के पास बने गड्ढों में मिट्टी डालकर उन्हें भरने का प्रयास किया।

शमशेर आलम ने बताया कि कुछ दिन पहले बारिश के दौरान इसी मार्ग से बाइक से गुजरते समय उनकी बाइक गहरे गड्ढे में चली गई थी। वह बाल-बाल बच गए। इसके बाद उन्हें चिंता हुई कि किसी मरीज, राहगीर या अन्य वाहन चालक के साथ बड़ा हादसा हो सकता है। इसी सोच के साथ उन्होंने खुद श्रमदान करने का निर्णय लिया।

न्होंने कहा कि पाकुड़-राजग्राम मार्ग क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है और इस पर बड़ी संख्या में भारी वाहन चलते हैं। सड़क की खराब स्थिति के कारण राहगीरों को परेशानी होती है और दुर्घटना का खतरा बना रहता है। शमशेर आलम ने कहा, "केवल अपने लिए जीना जीवन नहीं है, समाज के लिए भी जीना चाहिए। यदि हमारे छोटे से प्रयास से किसी की जान सुरक्षित होती है तो इससे बड़ा कोई धर्म नहीं।"

प्रधानाध्यापक की इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की और सड़क की स्थायी मरम्मत कराने की मांग की।

मिलियंस व्यूज भी नहीं बचा सके साहिल की जान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ : पाकुड़ के चर्चित सोशल मीडिया स्टार और बाइक राइडर साहिल राजा की शनिवार रात सड़क हादसे में मौत हो गई। पश्चिम बंगाल के बहरमपुर स्थित अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। हादसे में बाइक पर पीछे बैठा एक युवक भी गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसका इलाज जारी है।

जानकारी के अनुसार, दुर्घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नयामनीरामपुर चौक के पास रात करीब 10:30 बजे हुई। बताया जा रहा है कि साहिल बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से उन्हें गंभीर हालत में बहरमपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

नारायणखोर निवासी साहिल अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। बाइक और स्टंट के प्रति उनका खासा जुनून था। फेसबुक पर बाइक स्टंट से जुड़ी उनकी रील्स को लाखों व्यूज मिलते थे, जिससे उन्होंने युवाओं के बीच अपनी पहचान बनाई थी। उनकी अचानक मौत की खबर से परिवार में मातम पसरा है और सोशल मीडिया पर प्रशंसक उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

बताया जाता है कि साहिल की शादी करीब एक वर्ष पहले हुई थी। हादसे ने परिवार के साथ उनके चाहने वालों को भी गहरा सदमा दिया है। तेज रफ्तार और बाइक स्टंट से जुड़े जोखिमों के बीच साहिल की मौत युवाओं के लिए सड़क सुरक्षा का गंभीर संदेश छोड़ गई है।

प्रकृति से उतना ही लें, जितना लौटा सकें : डीसी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को रविन्द्र भवन टाउन हॉल सभागार में जिला स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। उपायुक्त मेघा भारद्वाज, एसपी अनुदीप सिंह, डीडीसी अरविन्द कुमार लाल सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। समारोह में आदिवासी संस्कृति, कला, परंपरा और पारंपरिक वेशभूषा की आकर्षक झलक देखने को मिली।

उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि आदिवासी समाज से जल, जंगल और जमीन के साथ संतुलित जीवन जीने की सीख मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रकृति से उतना ही लेना चाहिए, जितना उसे वापस दिया जा सके। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय से पर्यावरण संरक्षण को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने की अपील की।

सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव ने भगवान बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू, फूलो-झानो और तिलका मांझी के योगदान को याद किया। नगर परिषद अध्यक्ष सबरी पाल ने आदिवासी भाषा, वेशभूषा और कला के संरक्षण पर जोर दिया।

समारोह में संथाली नृत्य, पहाड़िया सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और ट्राइबल फैशन शो ने लोगों का मन मोहा। इस दौरान परगनैत, ग्राम प्रधान, पंचायत प्रतिनिधि, एएनएम, सहिया और सेविकाओं को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। लाभुकों को वन पट्टा, साइकिल तथा अबुआ एवं जनमन आवास योजना के तहत आवास की चाबियां भी सौंपी गईं।

32वें विश्व आदिवासी दिवस पर गांधी मैदान में जुटे हजारों लोग, वक्ताओं ने कहा- आदिवासी समाज को अब भी विकास की मुख्यधारा से दूर रखा गया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ाः मांझी परगना सरदार महासभा एवं सिद्धू-कानू मुर्मू सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को गांधी मैदान में 32वां विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आदिवासी समुदाय के हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान आदिवासी संस्कृति, परंपरा और वीर महापुरुषों की गाथाओं को याद किया गया।

कार्यक्रम में झामुमो जिलाध्यक्ष नरेंद्र मुर्मू, प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि आनंद टुडू, प्रोफेसर सुनील हांसदा, दीपिका बेसरा, अनिता टुडू समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत गांधी मैदान स्थित वीर शहीद सिद्धू-कानू मुर्मू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इसके बाद विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें आदिवासी कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य और गीत प्रस्तुत कर अपनी संस्कृति की मनमोहक झलक पेश की।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने विश्व आदिवासी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आदिवासी समाज के वीर महापुरुषों के संघर्ष और बलिदान की गाथा लोगों को बताई। वक्ताओं ने कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए आदिवासी समाज के महापुरुषों ने लंबे समय तक संघर्ष किया है। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने आदिवासी समाज के विकास को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी आदिवासी समाज के बड़े हिस्से को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं का पर्याप्त लाभ नहीं मिल पाया है। आदिवासी क्षेत्रों में विकास की गति अभी भी अपेक्षा के अनुरूप नहीं है।

झामुमो जिलाध्यक्ष नरेंद्र मुर्मू ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि आदिवासी समाज के अधिकारों और समस्याओं पर चिंतन करने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा और उनके विकास के लिए सभी को एकजुट होकर आवाज उठानी होगी।

वहीं आनंद टुडू ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति और परंपरा को बचाए रखने के साथ-साथ समाज के बच्चों को बेहतर शिक्षा और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब तक आदिवासी समाज को शिक्षा और रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिलेंगे, तब तक वास्तविक विकास संभव नहीं है।

प्रोफेसर सुनील हांसदा ने भी आदिवासी समाज के विकास और अधिकारों पर चर्चा करते हुए कहा कि समाज के लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति और परंपरा को संरक्षित रखते हुए आधुनिक शिक्षा और विकास से जोड़ना समय की मांग है। उन्होंने आगे कहा कि आदिवासी समुदाय आज पहचान के लिए लड़ाई लड़ रही है, आदिवासी समुदाय को देश के विभिन्न राज्यों में अलग अलग नाम से जानते हैं लेकिन सरकार इन्हें आदिवासी की सम्मान नही दे रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे लोगों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने गांधी मैदान का माहौल पूरी तरह आदिवासी संस्कृति के रंग में रंग दिया। आयोजन के दौरान समाज के लोगों ने अपने अधिकार, संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए एकजुटता का संदेश दिया।

राजमहलः हाईटेंशन तार की चपेट में आने से 15 वर्षीय किशोर की मौत, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : राजमहल थाना क्षेत्र में रविवार शाम हाईटेंशन तार की चपेट में आने से 15 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। मृतक की पहचान राजमहल के एक गांव निवासी के रूप में हुई है। वह कक्षा 9 का छात्र था। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने बिजली विभाग की लापरवाही का आरोप लगाते हुए शव रखकर सड़क जाम कर दिया।

जानकारी के अनुसार, किशोर अपने दो दोस्तों के साथ खेत की ओर गया था। खेत से गुजरने के दौरान मेड़ पर उसका पैर फिसल गया और वह जमीन पर पड़े हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गया। तार में करंट दौड़ रहा था। करंट लगते ही वह मौके पर गिर पड़ा। दोस्तों ने शोर मचाया तो आसपास के लोग दौड़े और किसी तरह तार हटाकर उसे बाहर निकाला। परिजन उसे तत्काल राजमहल अनुमंडल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की खबर फैलते ही गांव में मातम छा गया। मृतक के परिजन और ग्रामीणों ने शव को राजमहल-बड़हरवा मुख्य मार्ग पर रखकर जाम लगा दिया। उनका आरोप था कि करीब 8-10 दिनों से यह हाईटेंशन तार टूटकर जमीन पर पड़ा था। इसकी लिखित और मौखिक शिकायत बिजली विभाग के अधिकारियों से कई बार की गई थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना था कि अगर समय पर तार ठीक कर दिया जाता तो यह हादसा नहीं होता।

सूचना पर राजमहल एसडीपीओ, थाना प्रभारी और अंचल अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया और दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज भेजा गया।

बिजली विभाग के कनीय अभियंता ने बताया कि हादसे की जांच की जा रही है। तार टूटने का कारण और विभागीय लापरवाही की भी पड़ताल होगी। उन्होंने कहा कि नियम अनुसार मृतक के परिजनों को सरकारी मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

इस घटना के बाद पूरे इलाके में बिजली विभाग के खिलाफ नाराजगी है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जर्जर तार और पोल को अविलंब बदला जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

डुमरी में बीडीओ समेत प्रभार वाले पदों पर स्थायी नियुक्ति की मांग, सुनीता कुमारी ने राज्यपाल को सौंपा मांग-पत्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी : डुमरी में प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत एक वर्ष से अधिक समय से प्रभार में चल रहे महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर शीघ्र स्थायी पदस्थापना की मांग को लेकर जिला परिषद सदस्या सुनीता कुमारी ने राँची के लोक भवन में महामहिम राज्यपाल से मुलाकात की और मांग-पत्र सौंपा।सुनीता कुमारी ने कहा कि डुमरी में बीडीओ सहित कई प्रमुख पद लंबे समय से प्रभार व्यवस्था से चलाए जा रहे हैं। स्थायी अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण जनसमस्याओं के निपटारे और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में लगातार देरी हो रही है। उन्होंने राज्यपाल से हस्तक्षेप कर सभी रिक्त और प्रभार वाले पदों पर नियमित पदाधिकारियों की नियुक्ति कराने का आग्रह किया। उनका कहना था कि स्थायी पदस्थापना से प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत होगी और आम लोगों के काम समय पर होंगे।बैठक में उन्होंने डुमरी को जिला बनाने की वर्षों पुरानी मांग भी उठाई। कहा कि बढ़ती आबादी, भौगोलिक स्थिति और प्रशासनिक जरूरतों को देखते हुए डुमरी को जिला का दर्जा मिलना क्षेत्र के समग्र विकास के लिए जरूरी है।शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे भी प्रमुखता से रखे गए। सुनीता कुमारी ने बताया कि डुमरी में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की प्रक्रिया पिछले तीन वर्षों से विभागीय स्तर पर अटकी है। उन्होंने स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी कर निर्माण शुरू कराने की मांग की। पिछले दो वर्षों से लंबित छात्रवृत्ति का भुगतान शीघ्र कराने की भी मांग रखी, ताकि विद्यार्थियों और उनके परिवारों को राहत मिल सके।स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए डुमरी रेफरल अस्पताल को अनुमंडलीय अस्पताल का दर्जा देने और बड़ी आबादी व दो राष्ट्रीय राजमार्गों वाले क्षेत्र में आगजनी जैसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए स्थायी अग्निशमन मिनी वाहन उपलब्ध कराने की मांग की गई। उन्होंने जेपीएससी–जेएसएससी, सीजीएल परीक्षा रद्द कर सीबीआई जांच और निष्पक्ष पुनर्परीक्षा, साथ ही जेटेट परीक्षा शीघ्र आयोजित कराने की मांग भी मांग-पत्र में शामिल की।इस दौरान भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार, दीपक श्रीवास्तव, आवेश कुमार और आदित्य पाण्डेय सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

सम्यक दृष्टिकोण की जरूरत

आज मानवता को बचाने से अधिक कोई करणीय काम प्रतीत नहीं होता। मनुष्य औद्योगिक और यांत्रिक विकास कर पाए या नहीं, इनसे मानवता की कोई क्षति नहीं होने वाली है, किंतु उसमें मानवीय गुणों का विकास नहीं होता है तो कुछ भी नहीं होता है। एक मानवता बचेगी तो सब कुछ बचेगा। जब इसकी सुरक्षा नहीं हो पाई तो क्या बचेगा? और उस बचने का अर्थ भी क्या होगा? मनुष्य एक सर्वाधिक शक्तिशाली प्राणी है, इस तथ्य को सभी धर्मो ने स्वीकार किया है।पर मानव जाति का दुर्भाग्य यह रहा कि उसकी शक्ति मानवता के विकास में खपने के स्थान पर उसके ह्रास में खप रही है। मानवता की सुरक्षा के लिए जिस ऊर्जा को संग्रहीत किया गया था, वह हथियार का रूप लेकर उसका संहार कर रही है।मनुष्य के मन की धरती पर उगी हुई करुणा की फसल क्रूरता से भावित होकर धीरे-धीरे समाप्त हो रही है।यह एक ऐसा भोगा हुआ यथार्थ है, जिसे कोई भी संवेदनशील व्यक्ति नकार नहीं सकता।

पानी को जीवनदाता माना जाता है, सर्वोत्तम तत्व माना जाता है; फिर भी उसके स्वभाव की विचित्रता यह है कि वह ढलान का स्थान प्राप्त होते ही नीचे की ओर बहने लगता है।दूसरों को जीवन देने वाला जल भी जब नीचे की ओर जाने लगे तो उसके कौन रोक सकता है? यही स्थिति आज के मनुष्य की है।सर्वाधिक शक्तिशाली होकर भी यदि वह स्वयं का दुश्मन हो जाए, करुणा को भूलकर क्रूर बन जाए तो उसे कौन समझा सकता है। इस बात को सब मानते हैं कि विज्ञान ने बहुत तरक्की की है।यह बहुत अच्छी बात है।किंतु हमें इस बात को भी नहीं भूलना चाहिए कि विज्ञान में तारक और मारक दोनों शक्तियां होती हैं। कोई आदमी उसकी तारक शक्ति को भूलकर मारक शक्ति को ही काम में लेने लगे, इसमें विज्ञान का क्या दोष।उसके पास मानवता या मानव जाति को बचाने की जो विलक्षण शक्ति है, उसे भुला दिया गया और संहार की भयानक शक्ति को उजागर किया गया।इस स्थिति को बदलने के लिए सम्यक दृष्टिकोण के निर्माण की आवश्यकता है।

पश्चिमी देशों में जनजातीय नरसंहार का स्मरण दिवस

-डॉ. प्रवीण दाताराम

"द सोशल कॉन्ट्रैक्ट" (Du contrat social) जीन जैक्स रूसो की वर्ष 1762 में प्रकाशित एक प्रसिद्ध पुस्तक है। इस पुस्तक की प्रथम पंक्ति है—"मनुष्य स्वतंत्र पैदा हुआ था, और अब वह हर जगह जंजीरों में जकड़ा हुआ है।" यही वह बिंदु है, जो पश्चिमी और इस्लामिक चिंतन से हम भारतीयों को अलग करता है। सनातनी भारतीय समाज सदा-सदा से ऐसी लोकतांत्रिक, अनुशासित व्यवस्था है, जो उत्तरोत्तर सुधार, स्वतंत्रता के साथ-साथ साधना की ओर बढ़ती है। यह साधना कई रूपों में हमारे साथ चलती है। यह जड़ता से चेतना की ओर बढ़ती हुई यात्रा होती है। पश्चिमी चिंतन चेतना से जड़ता की ओर बहुतेरे ही जाता रहता है। इसका ज्वलंत उदाहरण राजनीतिक कारणों से उपजाया गया नौ अगस्त का 'विश्व जनजातीय दिवस' है। यह विश्व भर को अपने बॉयस, अपने दृष्टिकोण, अपने छद्म और अपने दुराग्रह से बाँधने का कुत्सित प्रयास है। यह विश्व भर के जनजातीय समाज की आँखों में मिर्च झोंकने का दुष्प्रयास है।

विश्व जनजातीय दिवस उत्सव एक सुंदर मकड़ी का अतिसुंदर मकड़जाल है। यह आयोजन अपने ही पुरखों के भीषण नरसंहार को भुला दिए जाने का षड्यंत्र है और इस शोक दिवस को गौरव दिवस के रूप में मनाने की दुरभिसंधि (साजिश) भी! इस अंतरराष्ट्रीय जनजातीय दिवस की गिद्ध दृष्टि में लगभग दो सौ आदिवासी समूहों की चेतना है। उनकी चेतना में समाए उनके पुरखों के जेनोसाइड पर है। पश्चिमी समाज विश्व भर के जनजातीय मानस से उनके नरसंहार को, होलोकॉस्ट को, मैसेकर को, मास स्लॉटरिंग को, ब्लड बाथ को, एनिहिलेशन को, मास मर्डरिंग को उनकी स्मृति से लोप या एमनेसिया करा देने का एक फैशनेबल किंतु कुत्सित प्रयास कर रहा है। यह जनजातीय विमर्श को अजब-गजब तरीके से स्थापित करने की कलाबाजी है। पश्चिम फेक डिस्कोर्सेस को स्थापित करने के छद्मयुद्ध का सदैव से ही कुशल खिलाड़ी रहा है। जनजातीय बंधु, जो बोलीविया, ब्राज़ील, कोलंबिया, इक्वाडोर, इंडोनेशिया, पपुआ न्यू गिनी, पेरू, वेनेज़ुएला आदि देशों और साथ ही भारत के दूरस्थ, अंतस्थित वनों में रहते हैं एवं प्रकृति को ही ईश्वर मानकर उसका रक्षण करते हैं, यह दिवस उनकी स्मृति लोप कराने का दुष्प्रयास है। पूरे विश्व के बाद अब पश्चिमी शक्तियाँ भारत में भी इस वितंडे को स्थापित करने का प्रयास कर रही हैं।

नौ अगस्त, वस्तुतः पश्चिमी साम्राज्यवादियों द्वारा किए गए बड़े, बर्बर नरसंहार का दिन है। इस शोक दिवस को उसी पीड़ित, दमित व संहारित किए गए वनबंधुओं द्वारा गौरव दिवस के रूप में मनवा लेने का षड्यंत्र है यह! वस्तुतः नौ अगस्त का यह दिन अमेरिका, जर्मनी, स्पेन सहित समस्त उन पश्चिमी देशों पर बाहरी आक्रमणकारियों द्वारा पश्चाताप, दुःख व क्षमाप्रार्थना का दिन होना चाहिए। इस दिन यूरोपीय आक्रमणकारियों को उन देशों के मूल निवासियों से क्षमा माँगनी चाहिए, जिन मूलनिवासियों को उन्होंने बर्बरतापूर्वक उनके मूलनिवास से खदेड़ा था या समाप्तप्राय कर दिया था। पश्चिमी बौद्धिक जगत का प्रताप देखिए कि हुआ ठीक इसका उल्टा; उन्होंने इस दिन का स्वरूप, मंतव्य व आशय समूचा ही उलटा कर दिया! आश्चर्य यह है कि हम भारतीय भी इस थोथे विमर्श में फँस गए हैं। इस इंडीजेनस डे का हमसे तो कोई सरोकार ही नहीं है। यदि जनजातीय दिवस मनाना ही है, तो हमारे पास भगवान बिरसा मुंडा से लेकर टंट्या मामा भील तक हजारों ऐसे जनजातीय योद्धाओं का समृद्ध इतिहास है, जिन्होंने हमारे समूचे भारतीय समाज के लिए कई-कई गौरवमयी स्वतंत्रता अभियान चलाए हैं व अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया।

भारत के ग्रामों व नगरों में वनवासी समाज की प्रतिष्ठा के रक्षण व विकास की प्राचीन परंपरा रही है। भारत के नगरीय व ग्रामीण समाज और वनवासी समाज में परस्पर निर्भरता, परस्पर उत्तरदायित्व की अद्भुत किंतु अलिखित संतुलन प्रवृत्ति रही है। प्रकृति-पूजन हमें वेदों से प्राप्त हुआ, जिसके प्रति नगरीय समाज की अपेक्षा जनजातीय समाज अधिक आग्रही रहा है। भारतीय जनजातीय समाज रक्षण का पात्र नहीं, अपितु शेष समाज व राष्ट्र का रक्षक रहा है। मूलनिवासी दिवस की चर्चा करें तो ध्यान आता है कि हमारी नर्मदा घाटी ही मानव प्रजाति की जन्मदाता रही है। नर्मदा किनारे जन्मी इस सभ्यता में नगरीय व वन-कंदराओं में निवास करने वाले बंधुओं, दोनों का ही अपना-अपना महत्व व भूमिका थी। दोनों ही समाज अपने उत्पादनों व वृत्तियों के आधार पर परस्पर निर्भरता के सिद्धांत से जीवन यापन करते हुए वैदिक धर्म को ही भिन्न रूपों में माना करते थे। शिव उपासना वैदिक धर्म का एक अविभाज्य अंग रही है। शिव-पूजन को वनबंधुओं ने भी आगे बढ़ाया व नगरीय समाज ने भी।कोलंबस दिवस के रूप में भी मनाए जाने वाले इस दिन को वस्तुतः अंग्रेजों के अपराध-बोध को स्वीकार करने के दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। अमेरिका से वहाँ के मूल निवासियों को अतीव बर्बरता पूर्वक समाप्त कर देने की कहानी के पश्चिमी पश्चाताप दिवस के रूप में ही यह स्वीकार्य है। आज भारत सामाजिक समरसता के नए आयाम गढ़ रहा है। यह कुछ भारत-विरोधी तत्वों को रास नहीं आ रहा है। इस सकारात्मक परिवर्तन के वातावरण में जहर बोने का कार्य कुछ भारत-विरोधी व विभाजनकारी लोग करते हैं। मूलनिवासी दिवस के एजेंडे के पीछे बहुत से ऐसे विदेशी मानसिकता के लोग खड़े हो गए हैं व भारत के भोले-भाले जनजातीय समाज के मन में विभाजन के बीज बो रहे हैं। कम्युनिस्ट, इस्लाम व ईसाइयत के षड्यंत्र का नव संस्करण है मूलनिवासीवाद!भारतीय दलितों व आदिवासियों को पश्चिमी अवधारणा से जोड़ने व भारतीय समाज में विभाजन के नए केंद्रों की खोज इस मूलनिवासीवाद के नाम पर प्रारंभ कर दी गई है। इस पश्चिमी षड्यंत्र के दुष्प्रभाव में कुछ कथित दलित व जनजातीय नेताओं ने यह कहना प्रारंभ किया कि भारत के मूल निवासियों (दलितों) को बाहरी आर्यों ने अपना गुलाम बनाकर यहाँ हिंदू वर्ण व्यवस्था को लागू किया। बाबासाहेब अपने लेखन में कथित आर्य व जनजातीय संघर्ष की बात को दृढ़ता से नकारते हैं। बाबासाहेब ने लिखा है- "आर्य आक्रमण की झूठी कथा पश्चिमी लेखकों द्वारा बनाई गई है, जिसके कोई प्रमाण नहीं हैं।" अंबेडकर जी आगे लिखते हैं- "इस पश्चिमी सिद्धांत का विश्लेषण करने से मैं जिस निर्णय पर पहुँचा हूँ, वह यह है—वेदों में आर्य जातिवाद का उल्लेख नहीं है व वेदों में आर्यों द्वारा दलित व जनजातीय आक्रमण कर विजय प्राप्त करने का कोई प्रमाण नहीं है।" अनावश्यक ही यह राग अलापा जाता रहा है कि आर्य बाहर से आए थे। इस भ्रामक अवधारणा ने भारतीय संस्कृति का बड़ा अहित किया है। भारतीय जनमानस में परस्पर द्वेष, आर्य-अनार्य विचार एवं दक्षिण-उत्तर की भावना उत्पन्न करने वाला यह विचार, तात्कालिक राजनीतिक लाभ हेतु विदेशियों एवं विधर्मियों द्वारा योजनाबद्ध रूप से प्रचारित किया जा रहा है। आइए, हम मूलनिवासी दिवस को मनाएँ, किंतु इसे उत्सवपूर्वक नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के पुरखों के नरसंहार के स्मरण दिवस के रूप में मनाएँ। एक बड़े षड्यंत्र के विरोध के रूप में गंभीरता व प्रेरणापूर्वक इसे मनाएँ।

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है।
-चाणक्य

बड़ा सोचे, जल्दी सोचे, आगे सोचे विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है।
-धीरूभाई अंबानी

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः श्रावण मास महीने के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि (दोपहर 02:44 बजे तक), इसके पश्चात चतुर्दशी तिथि आरंभ होगी। यह दिन सावन महीने का सोमवार है, जो धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत शुभ और फलदायी माना जाता है।

आज जन्म लिए बालक का फल...

मिथुन राशि का स्वामी 'बुध' होने के कारण बच्चा कुशाग्र बुद्धि, तीक्ष्ण दिमाग और बेहतरीन बातचीत की कला से समृद्ध होगा। आईटी, सॉफ्टवेयर, मीडिया, लेखन, शोध, वित्त और व्यापार में बच्चे का प्रदर्शन शानदार रहने की संभावना होगी। ऐसा बच्चा शांत, ज्ञानी, संस्कारी और समाज में मान-सम्मान प्राप्त करने वाला होता है।

मेषः दूसरों के विचारों को समझें और परिजनों के साथ मनोरंजन में समय बिताएं।

वृषः दूसरों के बजाय खुद पर भरोसा रखें और सहकर्मियों का साथ मिलेगा।

मिथुनः जल्दबाजी से बचें और परिवार के साथ खरीदारी में समय बीतेगा।

कर्कः जीवनसाथी के सहयोग से सफलता मिलेगी और व्यापार में बड़ा फायदा होगा।

सिंहः संतान की सफलता से खुशी मिलेगी और निवेश में जल्दबाजी न करें।

कन्याः नए अवसर और किसी विशेष व्यक्ति से मुलाकात होगी, असमंजस में परिजनों की सलाह लें।

तुलाः बिजनेस पार्टनरशिप में सोच-विचार करें और परिजनों के साथ यात्रा की योजना बनेगी।

वृश्चिकः धर्म-कर्म में मन लगेगा और घर के बुजुर्गों की सेवा का ध्यान रखें।

धनुः नौकरी में तरक्की के योग हैं, रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और संयम से काम लें।

मकरः सामाजिक गतिविधियों में सम्मान मिलेगा और बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

कुंभः पुराने मित्र से मुलाकात होगी और घरेलू माहौल खुशनुमा रहेगा।

मीनः रुका हुआ धन वापस मिलेगा, व्यापार में बड़ा मुनाफा होगा और किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात होगी।

आजादी की पहली क्रान्ति के योद्धाओं की दास्तान!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

देश की आजादी का पहला बिगुल सन 1857 की मेरठ क्रान्ति में नही, बल्कि सन 1824 में हरिद्वार के कुंजा बहादुरपुर गांव से बजा था। इसलिए मेरठ से उठी आजादी की सन 1857 की चिगांरी को पहली आजादी की चिंगारी बताना भी पूरी तरह से एक बड़ी भूल है क्योकि देश में सन 1857 से पहले ही आजादी का बिगुल बज चुका था। उत्तराखण्ड राज्य के हरिद्वार जिले के ग्राम कुन्जा बहादुरपुर में सन 1824 में ही क्रांति की पहली मशाल जल गई थी। इस गांव में किसानों ने अंग्रेजों के खिलाफ विरोध का बिगुल बजाया था । कुन्जा बहादुरपुर के तत्कालीन राजा विजय सिहं ने इस क्रांति का नेतृत्व किया था । वर्षा न होने पर गांव में किसानों की फसल सूख गई थी। किसान फसल पैदा न होने के कारण सरकार को लगान देने की स्थिती में नही थे। मजबूर होकर उन्होने ने राजा विजय सिंह से लगान माफ करने की गुहार लगाई । राजा को किसानो की मांग उचित लगी तो उन्होने अंग्रेजो से उस साल का लगान न लेने की प्रार्थना की परन्तु अंग्रेज नही माने और राजा की प्रार्थना को अंग्रेजो ने उन्हे दुत्कारते हुए ठुकरा दी। जिसकारण राजा विजय सिहं अंग्रेजो से नाराज़ हो गए और उन्होने अंग्रेजो द्वारा जबरन लगान वसूली का विरोध करने का फैसला किया और उन्होने क्षेत्र के लोगों के साथ मिलकर देश की पहली क्रान्ति को जन्म दिया।

इसी विरोध के कारण राजा विजय सिंह अंग्रेजो की आंख की किरकिरी बन गए थे। अंग्रेजो ने कुंजा बहादुरपुर को नेस्तनाबूद करने के लिए गांव के कुएं में पीसा हुआ कांच मिला दिया और रात्रि में हमलाकर विद्रोहियों को कुचलने की कौशिश की। राजा विजय सिंह ने भी अंग्रेजो का जमकर मुकाबला किया। उनके सेनापति कल्याण सिंह ने अपनी सैन्य टुकडी के साथ अंग्रेजों पर आक्रमण कर ग्राम कल्हालटी में ज्वालापुर से लाए जा रहे सरकारी खजाने को लूट लिया था। जिससे बोखलाए अंग्रेजो ने गांव के 152 विद्रोहियों को एक ही दिन में रूडकी के पास गांव सुनहरा के वट वृक्ष पर लटकाकर फांसी दे दी थी।जिससे खोफजदा होकर ग्राम सुनहरा, रामपुर व मतलबपुर के लोग अपने धर छोडकर जगंलो में जा छिपे थे। अंग्रेजो के साथ हुए युद्ध में राजा विजय सिंह जहां शहीद हो गए ,वही उनके सेनापति कल्याण सिंह की अंग्रेजो ने हत्या कर उसका शव देहरादून जेल के मुख्यद्वार पर लटका दिया था। इसी कारण कुन्जा बहादुरपुर की गिनती शहीद ग्राम के रूप में होती है और उत्तराखण्ड सरकार ने इसी कारण इस गांव को पर्यटन गांव भी धोषित किया हुआ है। वही सुनहरा का ऐतिहासिक वट वृक्ष भी शहीद स्मारक के रूप में दर्शनीय है और पर्यटन विभाग द्वारा इस स्थल का भी सौन्द्रयकरण किया गया हैं। इस स्मारक पर प्रति वर्ष 10 मई को रूडकी के लोग श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करते है। देश में आजादी की इस पहली लडाई के दौरान 27 सितम्बर सन 1930 को रूडकी के राजकीय हाई स्कूल जो अब इन्टर कालेज है,में एक जनसभा हुई थी जिसमें अरूणा आसफ अली आई थी इस सभा की भनक पुलिस को लग गई थी और पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया था, जबकि 28 लोगो को पुलिस ने गिरफ्तारकिया था। इसी तरह 3 सितम्बर 1930 को झबरेडा में अंग्रेजो को देश से भगाने के लिए हुई जनसभा में पुलिस ने लाठी चार्ज कर लोगो को वहां से भगा दिया था। भगवानपुर मे तो इस बाबत हुई जनसभा में पुलिस के लाठी चार्ज से लाला बल्ली मल्ल बूरी तरह धायल हो गए थे।जिसकारण उनकी शहादत हो गई थी। तब से सन 1857 तक अंग्रेजो के खिलाफ हरिद्वार जिले तत्कालीन जिला सहारनपुर के लोगो का आन्दोलन जारी रहा। सन 1857 के अगस्त माह में रूडकी के तत्कालीन ज्वांइट मजिस्ट्रट एचडी राबर्टसन ने अंग्रेजो के खिलाफ विद्रोह कर रहे लोगो के प्रति क्रूरता दिखाई और ग्राम भनेडा की गुर्जर बस्ती में आग लगवा दी तो लोगो में उनके प्रति इतना गुस्सा व्याप्त हो गया कि उन्हे रूडकी से 6 मील दूर कस्बा मंगलौर जाने के लिए लोगो के जगह जगह विरोध के कारण तीन दिन लग गए थे। स्वतन्त्रता आन्दोलन के इन लम्हों को हमेशा याद करने के लिए रूडकी में सुनहरा वट वृक्ष के नीचे हर वर्ष क्षेत्र के स्वतन्त्रता सेनानी और उनके वंशज एक श्रद्धाजंलि सभा का आयोजन करते है। जिसमें उन 152 अमर शहीदों जिन्हे एक ही दिन में क्रूर अंग्रेजो ने सुनहरा वट वृक्ष पर फांसी पर लटका दिया था,समेत अन्य शहीदों को भी श्रद्धासुमन अर्पित किये जाते है। शहीद ग्राम का सम्मान प्राप्त गांव कुंजा बहादुरपुर के विकास के लिए और गांव की पहचान देश विदेश तक पहुंचाने के लिए गांव के बुजुर्ग चौधरी अजमेर सिंह जबतक जिये काफी भागदौड करते रहे परन्तु राजनेताओ की अनदेखी के चलते इस गांव को अभी तक पर्यटन गांव के रूप में स्वीकृत विकास राशि का भी लाभ नही मिल पाया है।

राहुल गाँधी:सत्ता के लिये गंभीर चुनौती

तनवीर जाफ़री

नेता विपक्ष राहुल गांधी की आवाज़ को दबाने व युवाओं तक उनकी पहुँच को नियंत्रित करने का सरकार का प्रयास पिछले दिनों एक बार फिर विफल हो गया जबकि प्रयागराज के कायस्थ पाठशाला ग्राउंड में सांसद राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम के लिए 8 अगस्त को दे दी गयी। इसे प्रशासन की समझदारी ही कहा जायेगा कि उसने ग्राउंड के इस्तेमाल की पुनः अनुमति देकर छात्रों व युवाओं से होने वाले संभावित टकराव को टाल दिया। परन्तु मात्र दो दिनों के भीतर प्रशासन की इस पल्टीबाज़ी से यह सन्देश तो चला ही गया कि व्यवस्था द्वारा एक बार फिर राहुल गांधी को छात्रों व युवाओं से संवाद करने में विघ्न डालने की कोशिश की गयी। ख़बर यह भी है कि प्रयागराज के निकटवर्ती ज़िलों में अनेक छात्र छात्राओं को नज़रबंद कर उन्हें सभा में पहुँचने से रोका गया। सभास्थल के आसपास सत्ता समर्थकों द्वारा राहुल गाँधी का विरोध करने वाले पोस्टर लगवाए गए। यहाँ तक कि भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा आनंद भवन के पास राहुल गांधी के काफिले को काला झंडा एवं भगवा झंडा दिखाकर उनका विरोध किया गया। ऐसा लग रहा था कि किसी सत्ताधारी नेता का विरोध किया जा रहा हो। आयोजकों के अनुसार मौसम के चलते ग्राउंड में कीचड़ सफ़ाई व सभास्थल को समतल बनाने में भी स्थानीय प्रशासन द्वारा कोई विशेष सहयोग नहीं किया गया।इन सब के बावजूद राहुल गांधी को सुनने के लिये भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। सवाल यह है कि क्या वजह है कि भाजपा द्वारा कई वर्षों तक करोड़ों रूपये ख़र्च कर राहुल गांधी की छवि को पप्पू बनाने का नरेटिव गढ़ा गया और सोशल मीडिया पर उनकी छवि बिगाड़ने का बाक़ायदा अभियान चलाया गया ? भाजपा के आईटी सेल ने करोड़ों रुपये ख़र्च कर राहुल गांधी की राजनीतिक साख को ख़त्म करने के लिए सोशल मीडिया पर एक सुनियोजित अभियान चलाया। इस अभियान के तहत राहुल गांधी के भाषणों की अधूरी वीडियो क्लिप्स, मीम्स और भ्रामक प्रचार सामग्री के ज़रिये उन्हें एक अपरिपक्व राजनेता के रूप में पेश करने की कोशिश की गई। उसी पप्पू से आज भाजपा इतनी डरी हुई है कि जगह जगह उसे राहुल गाँधी के कार्यक्रम निरस्त कराने,जनता से मिलने से उन्हें रोकने तथा उन्हें परेशान करने के लिये तरह तरह के हथकंडे अपनाने पड़ रहे हैं ? अभी गत 17 जुलाई को देहरादून में परेड ग्राउंड में भी इसी तरह का छात्रों की गूंज आयोजित होना था जिसमें राहुल गाँधी को छात्रों से रूबरू होना था। यहाँ भी प्रशासन ने पहले अनुमति दी फिर वहां पहले से एक अन्य सरकारी कार्यक्रम का बहाना बता कर परेड ग्राउंड की अनुमति रद्द कर दी। जबकि कांग्रेस का आरोप था कि उन्होंने 15 से 17 जुलाई तक के लिए परेड ग्राउंड की बाक़ायदा अग्रिम अनुमति ली थी और नगर निगम में 1.77 लाख की फ़ीस भी जमा कराई थी। परन्तु शायद पुष्कर सिंह धामी सरकार राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता और NEET पेपर लीक तथा बेरोज़गारी जैसे मुद्दों पर छात्रों के साथ होने वाले राहुल के इस सीधे संवाद से डर गई थी, जिसके कारण ऐन वक़्त पर झूठा बहाना बनाकर अनुमति रद्द कर दी गई। इसके बाद कार्यक्रम का वेन्यू बदलकर देहरादून के ही बन्नू स्कूल मैदान में स्थानांतरित किया गया, जहां अंततः राहुल गांधी का यह छात्र संवाद कार्यक्रम संपन्न हुआ और अनुमान से भी अधिक युवा वहां पहुंचे। इसी तरह उत्तराखंड के कोटद्वार में 4 जून 2026 को उत्तराखंड दौरे के दौरान कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल) और अल्मोड़ा के कार्यक्रमों में प्रशासन ने राहुल गांधी का हेलीकॉप्टर ख़राब मौसम की बात बताकर उतरने नहीं दिया था। इस के पीछे प्रशासन और पायलटों द्वारा ख़राब मौसम और सुरक्षा कारणों का हवाला दिया गया था। उस समय भी राहुल के कोटद्वार और अल्मोड़ा के सभी कार्यक्रम रद्द हो गए थे ।

उस समय भी उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने प्रशासन, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और यूकाडा पर सीधे सवाल उठाए थे । रावत ने आरोप लगाया था कि जब उसी हवाई मार्ग पर सरकार और अन्य निजी ऑपरेटरों की हेलीकॉप्टर सेवाएं सामान्य रूप से उड़ान भर रही थीं और अल्मोड़ा से हल्द्वानी के बीच आवाजाही हो रही थी, तो सिर्फ़ राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर को ही उड़ान भरने की अनुमति क्यों नहीं दी गई? कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया था कि सरकार के इशारे पर प्रशासन ने जानबूझकर ख़राब मौसम का बहाना बनाया ताकि राहुल गांधी युवाओं, पूर्व सैनिकों और आम जनता से संवाद न कर सकें। इसके कुछ ही दिनों बाद राजस्थान के कोटा में भी 17 जून 2026 को राहुल गांधी के छात्र संवाद कार्यक्रम छात्रों की गूंज के आयोजन स्थल की अनुमति प्रशासन द्वारा रद्द कर दी गयी थी। और कार्यक्रम के प्रचार के लिए लगाए गए कई होर्डिंग्स और पोस्टर्स को हटा दिया गया था। उस समय सत्ताधारी भाजपा नेताओं ने यह तर्क दिया था कि 21 जून को होने वाली नीट पुनः परीक्षा से ठीक 3 दिन पहले इस तरह की राजनैतिक रैली आयोजित करने से कोचिंग के छात्रों में मानसिक तनाव पैदा होगा। जबकि कांग्रेस नेताओं का आरोप था कि स्थानीय प्रशासन ने कोचिंग हब के संस्थानों और हॉस्टल मालिकों को छात्रों के इस कार्यक्रम में न भेजने के लिए डराया-धमकाया था।

इससे पूर्व भी राहुल गाँधी पर जगह जगह मानहानि के मुक़दमे दायर करवाकर उन्हें परेशान करने की कोशिश की गयी। प्रवर्तन निदेशालय ई डी द्वारा ने जून 2022 में वित्तीय लेनदेन में कथित मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में राहुल गांधी से 5 दिनों में लगभग 50 से 55 घंटे तक तीखे सवाल-जवाब किए गए।

हर दिन उन्हें सुबह बुलाकर देर रात तक क़रीब 10 से 12 घंटे रोज़ाना ईडी मुख्यालय में बिठाया जाता था और उनके बयानों को दर्ज किया जाता था। इसके बाद उनकी संसद सदस्यता समाप्त की गयी। संसद सदस्यता रद्द होने के महज़ तीन दिन बाद, 27 मार्च 2023 को लोकसभा की आवास समिति ने उन्हें सरकारी बंगला ख़ाली करने का नोटिस थमा दिया। परन्तु राहुल गांधी ने किसी भी क़ानूनी विवाद में पड़े बिना 22 अप्रैल 2023 को 12, तुग़लक़ लेन का अपना आधिकारिक आवास ख़ाली कर दिया और अपनी मां सोनिया गांधी के घर शिफ़्ट हो गए। गोया हमेशा ही सत्ता व उसकी अधीन संस्थाओं द्वारा राहुल को दबाने व डराने की भरपूर कोशिश की गयी। परन्तु राहुल गांधी की देशव्यापी भारत जोड़ो यात्रा ने सत्ता की इन सभी प्रयासों को ध्वस्त कर स्वयं को ऐसे नेता के रूप में स्थापित कर दिया कि आज वही राहुल गांधी देश के युवाओं छात्रों व जेन ज़ी की आवाज़ बन चुके हैं और सत्ता के लिये गंभीर चुनौती साबित हो रहे हैं।

ई 20 के खिलाफ राहुल की जंग, आंदोलन का इतिहास

सनत जैन

कहते हैं इतिहास अपने आप को दोहराता है। 2012 से लेकर 2014 तक जिस तरह से यूपीए की मनमोहन सरकार के खिलाफ रोजाना कोई ना कोई ऐसा मामला खुलता था। जिसके कारण मनमोहन सरकार के बारे में यह राय आम जनता की बनती चली गई, मनमोहन सरकार सबसे भ्रष्ट सरकार है। नेता के रूप में गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी का गुजरात मॉडल, अच्छे दिन का वादा, विदेश से ब्लेक मनी लाकर 15 लाख देने, उद्योगपति रतन टाटा और मुकेश अंबानी का यह कहना, नरेंद्र मोदी यदि भारत के प्रधानमंत्री बनेंगे तो भारत का विकास और भारत की किस्मत ही बदल जाएगी। समय की बलिहारी उद्योगपति लाबी का समर्थन मिलने तथा केग प्रमुख विनोद राय के काल्पनिक आधार पर सरकार के घपले और घोटाले को बढ़ा चढ़ा कर दिखाया गया। मनमोहन सिंह सरकार को जिस तरह से भ्रष्टाचार के मामले में घेरने और बदनाम करने की मुहिम चलाई गई। उसने 2014 के लोकसभा चुनाव का पूरा रुझान ही बदल दिया। ऐसा लगने लगा, मनमोहन सरकार सबसे भ्रष्ट सरकार है। इसने कुछ भी नहीं किया।

अब वही स्थिति 2026 में एकाएक देखने को मिल रही है। एक के बाद एक केग के आडिट में घपले-घोटाले बाहर निकलकर आ रहे हैं। यह अलग बात है कि जिस तरह पहले सुप्रीम कोर्ट, घपले-घोटाले को संज्ञान में लेती थी। अब वैसा संज्ञान नहीं लिया जाता है। सुप्रीम कोर्ट बंद लिफाफे में राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर घपले घोटाले को लिफाफे में बंद करके रख देती है। न्यायालय का संरक्षण सरकार के पक्ष में होने के बाद भी जिस तरह से एक के बाद एक मामले खुलते चले जा रहे हैं। उसने 2026 में 2014 की याद दिला दी है। राहुल गांधी अकेले ऐसे नेता थे, जो मोदी सरकार का बिना डरे मुखर होकर पिछले कई वर्षों से विरोध कर रहे थे। धार्मिक ध्रुवीकरण को लेकर भारत की राजनीति फिजा बदली हुई थी। नेता डरे हुए थे, सीबीआई और ईड़ी के डर से कांग्रेस नेता छोड़ कर जा रहे थे। जहां विपक्षी दलों की सरकारें थी, उनमें भी डर और भय का माहौल था। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार सैकड़ो की संख्या में सांसद और विधायक अपनी मूल पार्टी को छोड़कर भाजपा में आ गए। देखते ही देखते डबल इंजन की सरकारें बनने का जो क्रम 2016 के बाद शुरू हुआ, वह पश्चिम बंगाल के चुनाव तक अश्वमेध यज्ञ की भांति सफलता पूर्वक आगे बढ़ता रहा। पश्चिम बंगाल के चुनाव के बाद जैसे किसी की नजर लग गई है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जो नेता और कार्यकर्ता तीन पीढ़ियों से पार्टी की सेवा कर रहे थे। वह भी हैरान परेशान थे, उनके स्थान पर अन्य दलों से आए हुए भ्रष्टाचारी नेताओं और भ्रष्ट अधिकारियों को सरकार में जगह मिल रही है। उन्हें मरी हुई मक्खी की तरह निकालकर फेंक दिया गया है। अयोध्या के राम मंदिर मैं दान और चढ़ावा चोरी के मामले में ऐसा लगता है, प्रभु राम भी भाजपा से नाराज हो गए हैं।

जिस तरह से रावण ने सीता माता का अपहरण साधु के वेश में किया था। राम मंदिर के नाम पर राम भक्तों को जिस तरह से ठगा गया है। उनकी आस्थाओं के साथ खेला गया, यहीं से खेल बिगड़ना शुरू हो गया। नीट परीक्षा के पेपर लीक मामले में कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन में जिस तरह से जेन जेड वानर सेना का प्रवेश हुआ। उसके बाद अलग-थलग पड़े नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को जैसे प्रभु राम का आशीर्वाद मिल गया है। वह सरकार पर इतने भारी पड़ गए कि भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस को अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। राहुल गांधी ने अब ई 20 के खिलाफ नया मोर्चा खोल दिया है। भारत के अधिकांश घर का एक न एक बच्चा जेन-जेड और जेन अल्फा है। पूरे देश में एकाएक बच्चे और युवा राहुल गांधी के मुरीद हो रहे हैं। पेट्रोल का उपयोग भी अब गरीब से गरीब परिवार को करना पड़ता है। ई 20 का मामला भी भारत के अधिकांश परिवार से जुड़ा हुआ है। इन दोनों मामलों में जिस तरह से राहुल गांधी ने राजनीति की बिसात बिछाई है। उसी बिसात पर भाजपा और एनडीए को चलना पड़ रहा है। विपक्षी दल एकजुट हैं, तीसरे सप्ताह भी संसद नहीं चल पाई है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादकः Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादकः राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफः राजीव रंजन। बिहार प्रभारीः संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ∘ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने अधिकारियों को फटकारा, जंदाहा मार्केट में जलजमाव, सड़क बदहाली पर दिए निर्देश

हाजीपुर। वैशाली जिले के जंदाहा बाजार स्थित कुशवाहा चौक NH 322 पर जलजमाव और सड़क की बदहाली को लेकर जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष सह महनार विधायक उमेश कुशवाहा ने राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) और नगर पंचायत के अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने अधिकारियों को जल्द से जल्द सड़क निर्माण और जल निकासी के ठोस उपाय करने का निर्देश दिया। विधायक उमेश सिंह कुशवाहा जंदाहा बाजार के मुख्य मार्ग NH 322 पर स्थित कुशवाहा चौक पहुंचे थे। यहां सड़क की खस्ताहाल स्थिति और जलभराव की समस्या गंभीर बनी हुई है, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष ने NH के पदाधिकारियों को स्पष्ट आदेश दिया कि टूटी हुई सड़क का निर्माण कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। साथ ही, जल निकासी के लिए स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि आम जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को जनहित में तत्काल कदम उठाने होंगे। इस अवसर पर जंदाहा अंचलाधिकारी, जंदाहा थानाध्यक्ष अनामिका कुमारी, प्रखंड अध्यक्ष अनुपलाल सिंह, मुकेश राय सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बाउंड्री विवाद में 2 पक्षों में झड़प, एक व्यक्ति को गोली लगी

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर में बाउंड्री निर्माण को लेकर हुए विवाद में गोलीबारी हुई। इस घटना में एक व्यक्ति के पैर में गोली लगी है। घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल की पहचान 42 वर्षीय राहुल कुमार के रूप में हुई है, जो कौशल किशोर सिंह के पुत्र हैं। जानकारी के अनुसार, राहुल अपनी जमीन पर बाउंड्री बनवा रहे थे। इसी दौरान अशोक सिंह के पुत्र आशुतोष, अजय सिंह के पुत्र किशन कुमार और राम सिंहासन सिंह के पुत्र अशोक सिंह सहित कुछ अन्य लोग मौके पर पहुंचे और उनसे बहस करने लगे। बहस के दौरान ही बदमाशों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें एक गोली राहुल के बाएं पैर में जा लगी। गोली चलने की आवाज सुनकर मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। घायल राहुल को तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया। घटना की सूचना मिलते ही बिदुपुर थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। नगर थाना अध्यक्ष सिकंदर कुमार भी सदर अस्पताल पहुंचे और घायल तथा उनके परिवार वालों से घटना के संबंध में जानकारी ली। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बिदुपुर थाना अध्यक्ष रवि प्रकाश ने बताया कि जमीन विवाद के चलते गोली चली है, जिसमें एक व्यक्ति के पैर में गोली लगी है। उन्होंने पुष्टि की कि घायल खतरे से बाहर है और उसका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और उससे पूछताछ की जा रही है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

वैशाली में मंत्री लखेंद्र पासवान बोले- तेजस्वी यादव अपनी इच्छानुसार दुकान खोलते-बंद करते हैं

हाजीपुर। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रमुख तेजस्वी यादव ने पार्टी की सभी संगठन कमेटियों को भंग कर दिया है। इस फैसले पर बिहार सरकार के अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण मंत्री लखेंद्र पासवान ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। रविवार को हाजीपुर पहुंचे मंत्री पासवान ने मीडिया से बातचीत में आरजेडी को तेजस्वी यादव की "पारिवारिक दुकान" बताया। मंत्री पासवान ने आरोप लगाया कि आरजेडी कोई राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि एक पारिवारिक दुकान है जिसे तेजस्वी यादव अपनी इच्छानुसार खोलते और बंद करते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी में न कोई नीति है, न सिद्धांत और न ही नैतिकता। लखेंद्र पासवान ने दावा किया कि 2025 के विधानसभा चुनाव में मिली हार से तेजस्वी यादव सदमे में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार की जनता ने स्पष्ट कर दिया

है कि उन्हें अब आरजेडी और उसके नेताओं पर भरोसा नहीं है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि आरजेडी की नई कमेटी बनने से एनडीए पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मंत्री पासवान ने तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी की विधानमंडल सत्रों में गैरमौजूदगी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को बिहार की जनता की चिंता नहीं है। इसके अतिरिक्त, मंत्री लखेंद्र पासवान ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें सरकारी स्कूलों में मंत्री, विधायक और अधिकारियों के बच्चों के पढ़ने की व्यवस्था बनाने की बात कही गई है। पासवान ने कहा कि यदि ऐसी व्यवस्था लागू होती है, तो बिहार की शिक्षा व्यवस्था में बड़ा सुधार होगा। उन्होंने तर्क दिया कि जब मंत्री से लेकर चपरासी तक और हर वर्ग के बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ेंगे, तो उनकी गुणवत्ता सुधारने की जिम्मेदारी भी सभी की होगी। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी व्यवस्था होने पर उनके बच्चे भी सरकारी स्कूल में पढ़ेंगे, क्योंकि वे स्वयं भी सरकारी स्कूल में पढ़े हैं।

दीदी की रसोई का शुभारंभ, आम लोगों को सस्ता भोजन

हाजीपुर। वैशाली जिला प्रशासन ने जीविका दीदियों को स्वरोजगार से जोड़ने और आम लोगों को किफायती दर पर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने की दिशा में एक नई पहल की है। जिला पदाधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह (भा.प्र.से.) ने शनिवार को हाजीपुर स्थित जिला निबंधन कार्यालय परिसर में 'दीदी की रसोई' का शुभारंभ किया। बिहार सरकार की इस पहल के तहत, इसका संचालन जीविका से जुड़ी महिलाएं करेंगी। इस रसोई के शुरू होने से जिला निबंधन कार्यालय और समाहरणालय परिसर में आने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों तथा आम नागरिकों को अब परिसर में ही उचित दर पर नाश्ता, भोजन और चाय मिल सकेगी। इससे प्रशासनिक एवं निबंधन संबंधी कार्यों के लिए आने वाले लोगों को भोजन और जलपान के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उद्घाटन के बाद, जिला पदाधिकारी ने 'दीदी की रसोई' का निरीक्षण किया और जीविका दीदियों द्वारा तैयार भोजन का स्वाद लिया। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता और स्वाद की सराहना करते हुए दीदियों का उत्साह बढ़ाया। श्रीमती सिंह ने कहा कि 'दीदी की रसोई' की पहचान गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छता और उचित दर पर बेहतर सेवा से बनेगी। उन्होंने संचालक जीविका दीदियों को भोजन की गुणवत्ता एवं साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी ने बताया कि जीविका दीदियों द्वारा संचालित यह रसोई महिला सशक्तीकरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता का एक प्रभावी माध्यम बन रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सदर अस्पताल में भी 'दीदी की रसोई' का सफल संचालन किया जा रहा है। जिला निबंधन कार्यालय में इसके शुरू होने से अब अधिक लोगों को इसका लाभ मिलेगा। 'दीदी की रसोई' में सुबह के नाश्ते में पूरी-सब्जी, लिट्टी, कचौड़ी, चाय और ब्रेड उपलब्ध होंगे। दोपहर के भोजन में रोटी, चावल, दाल, सब्जी, पापड़ और अचार की व्यवस्था रहेगी। इससे समाहरणालय परिसर में कार्यरत कर्मचारियों के साथ-साथ विभिन्न कार्यों से आने वाले आम नागरिकों को भी किफायती दर पर भोजन मिल सकेगा।

कांवड़िया मार्ग पर ट्रैफिक रूल्स का उल्लंघन

हाजीपुर। वैशाली में कांवड़िया मार्ग पर यातायात व्यवस्था को सुचारू और सुरक्षित बनाए रखने के लिए पुलिस ने कार्रवाई की है। शनिवार, 8 अगस्त 2026 को यातायात थाना हाजीपुर की टीम ने निर्धारित वर्जित क्षेत्र में प्रवेश करने वाले चार ट्रकों का चालान किया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक, यातायात ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे कांवड़िया मार्ग पर निर्धारित लेन में ही वाहन चलाएं। उन्होंने अनावश्यक ओवरटेकिंग और सड़क पर गलत तरीके से वाहन पार्क करने से बचने को भी कहा। पुलिस के अनुसार, कांवड़िया मार्ग पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही होती है, इसलिए यातायात नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है। गलत पार्किंग या अनियंत्रित वाहन परिचालन से यातायात बाधित हो सकता है, जिससे आपात स्थिति में मरीजों और एंबुलेंस के आवागमन में भी बाधा आएगी। वैशाली पुलिस ने आम जनता और वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित लेन में वाहन चलाने और कांवड़िया मार्ग पर सुरक्षित एवं सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

पटना में तेज रफ्तार बाइक ने छात्र को रौंदा, मौत

एजेंसी, पटना

पटना के गर्दनीबाग थाना क्षेत्र की पंजाबी कॉलोनी में रविवार को दर्दनाक सड़क हादसे में एक मासूम की मौत हो गई। मृतक की पहचान सनोज कुमार के बेटे उत्कर्ष कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रविवार होने के कारण उत्कर्ष घर के पास गली में साइकिल चला रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार में लहरिया कट बाइक चला रहे युवक ने पीछे से बच्चे को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बच्चा सड़क पर गिरकर काफी दूर तक घसीटता चला गया और मौके पर ही अचेत हो गया। अस्पताल ले जाने तक उसकी मौत हो गई। उत्कर्ष दूसरी कक्षा का छात्र था और रघुनाथ टोला स्थित स्प्रिंडल पब्लिक स्कूल में पढ़ता था।

80 से 100 kmph की रफ्तार में थी बाइकः प्रत्यक्षदर्शियों पड़ोसी विवेक कुमार ने बताया, 'बच्चा छुट्टी होने के चलते सुबह साइकिल चलाने के लिए गली में निकला ही था। तब तक ट्रिपल बाइक सवार ने ठोकर मार दी। बाइक की स्पीड 80 से 100 kmph रही होगी।'

बाइक पर सवार थे तीन युवकः बताया जा रहा है कि हादसे के बाद बाइक सवार तीनों युवक भी सड़क पर गिर पड़े। दो युवक पकड़े गए, जबकि एक फरार हो गया, जिसे पुलिस तलाश रही है। जिस बाइक से एक्सीडेंट हुआ है, उस पर पुलिस का स्टिकर लगा है। गाड़ी नंबर 2884 है।आरोपी विशाल कुमार के पिता बिहार पुलिस में हैं।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बाइक सवार युवकों की पहचान और हादसे की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। ट्रैफिक थानेदार ब्रजेश कुमार

गली में साइकिल चला रहा था मासूम, परिवार में मातम

चौहान ने बताया, 'बाइक चलाने वाला आरोपी विशाल कुमार और उसके एक दोस्त को अरेस्ट किया गया है। आरोपी नेवारी मखदुमपुर जिला जहानाबाद का रहने वाला है। वर्तमान में न्यू अलकापुरी रोड नंबर 9 में रहता है।'

परिवार में मचा कोहरामः उत्कर्ष के पिता सनोज कुमार चितकोहरा बाजार में अपनी दुकान चलाते हैं। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पिता ने बताया कि 20 साल के बाद काफी मन्नत मांगने के बाद बच्चा हुआ था। घर का इकलौता चिराग था। बच्चे के लिए हमने काफी पूजा भी की थी। हादसे के बाद इलाके में भी मातम का माहौल है।

गंगा में डूबे युवक का मिला शव, उमानाथ में चाचा के अंतिम संस्कार में आया था

स्नान के दौरान तेज धार में बहा

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ थाना क्षेत्र स्थित उमानाथ सती स्थान पर गंगा नदी में डूबे युवक का शव तीन दिन बाद बरामद कर लिया गया। मृतक की पहचान बाढ़ नगर परिषद क्षेत्र के अंबेडकरनगर वार्ड नंबर 8 निवासी वीरू कुमार (25) के तौर पर हुई है। वह अपने चाचा के अंतिम संस्कार में शामिल होने आया था। दाह संस्कार के बाद गंगा में स्नान करने के दौरान पैर फिसलने से वह तेज धार में बह गया और उसकी मौत हो गई।

तेज धार में बह गया था युवकः तीन दिन पहले वह अपने चाचा के अंतिम संस्कार में शामिल होने उमानाथ सती स्थान पहुंचा था। दाह संस्कार की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वह घाट पर गंगा में स्नान कर रहा था। स्नान के दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। देखते ही देखते गंगा की तेज धार उसे अपने साथ बहाकर ले गई। घाट पर मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन पानी का बहाव तेज होने के कारण सफलता नहीं मिली। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस सक्रिय हो गई। स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश शुरू की गई। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम को भी मौके पर बुलाया गया।

कई किलोमीटर तक चला सर्च ऑपरेशनः एसडीआरएफ की टीम ने गंगा के अलग-अलग घाटों और नदी की धारा के संभावित बहाव वाले इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। टीम ने कई किलोमीटर तक खोजबीन की। तीन दिनों तक चले अभियान के बाद आखिरकार युवक का शव बरामद कर लिया गया।

पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा शवः शव मिलने के बाद पुलिस ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की। इसके बाद बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद से मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है।

पटना में किराए के फ्लैट में बनाया 4 घंटे बंधक

एजेंसी, पटना

पटना में 3 युवकों ने युवती को 4 घंटे तक बंधक बनाया। पीड़िता (28) के अनुसार उसे नशीला पदार्थ खिलाकर युवकों ने बंधक बना लिया था। पीड़िता गर्ल्स हॉस्टल में रह रही है। पहले वो किराए के फ्लैट में रहती थी। कुछ सामान उसका फ्लैट में ही छूट गया था। 6 अगस्त को सामान लाने के लिए दोपहर 2 बजे किराए फ्लैट में पहुंची थी। वहीं, उसके साथ गलत हुआ। पीड़िता के अनुसार किराए के फ्लैट में सौरभ कुमार ने शेक में बेहोशी का दवा मिलाकर पिला दिया था। 4 घंटे तक अपने कब्जे में रखकर छेड़खानी, दुर्व्यवहार और न जाने क्या क्या करते रहे। मैं नशे में थी। घटना पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र की है।

जानलेवा हमला भी कियाः सौरभ के साथ अमन, रोहन, सूरज और अन्य उसके सहयोगी थे। जिन्होंने जानलेवा हमला भी किया।

नशीला पदार्थ पीलाकर की छेड़खानी

मेरे साथ इस दौरान क्या क्या किया गया। जो धाराएं लगाई गई है उसमें हत्या की कोशिश, छेड़खानी, किसी महिला को बल पूर्वक निर्वस्त्र करना। साक्ष्य को मिटाना है।

युवती का मेडिकल कराया गया हैः सेंट्रल एसपी ममता कल्याणी ने बताया कि तीन लोगों को अरेस्ट किया गया है। पीड़िता के बयान के अनुसार वो नशे में थी। फिलहाल मेडिकल कराया गया है। रिपोर्ट नहीं आई है। रिपोर्ट का इंतजार है।

तिरंगा यात्रा को लेकर पटना में ट्रैफिक प्लान, जेपी गोलंबर से कारगिल चौक तक वाहनों की नो-एंट्री

एजेंसी, पटना

जेपी गोलंबर से कारगिल चौक तक सोमवार सुबह आयोजित होने वाली तिरंगा यात्रा को लेकर पटना यातायात पुलिस ने शहर में विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया है। पदयात्रा को देखते हुए कई प्रमुख मार्गों पर सामान्य वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा, जबकि कई रूट पर वाहनों को डायवर्ट किया जाएगा। यह व्यवस्था सुबह 7 बजे से कार्यक्रम की समाप्ति तक लागू रहेगी। हालांकि, इमरजेंसी सेवाओं के वाहनों पर यह ट्रैफिक व्यवस्था लागू नहीं होगी।

पटना के इन रास्तों पर गाड़ियों की नो-एंट्रीः डाकबंगला चौराहा से जेपी गोलंबर तक का मार्ग विशेष रूप से मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के कारकेड के लिए आरक्षित रहेगा। इस दौरान सामान्य वाहनों को इस मार्ग पर जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा इन रास्तों पर सामान्य गाड़ियों की एंट्री बंद रहेगी।

मालवाहक वाहनों के लिए भी रूट बदलाः तिरंगा यात्रा के दौरान मालवाहक और व्यावसायिक वाहनों के परिचालन के लिए भी वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। चिरैयाटाड़ और गोरियाटोली की तरफ मालवाहक वाहनों का

परिचालन नहीं होगा। मीठापुर से बुद्ध मार्ग और आर-ब्लॉक गोलंबर से आयकर गोलंबर की ओर भी मालवाहक वाहनों के परिचालन पर रोक रहेगी।

पटना जंक्शन से गांधी मैदान आने वाले ऑटो डाकबंगला चौराहा से न्यू डाकबंगला रोड और भट्टाचार्य मोड़ होते हुए एक्जीविशन रोड पहुंचेंगे। इसके बाद सीडीए बिल्डिंग गोलंबर और गोरियाटोली होते हुए पटना जंक्शन लौटेंगे। एक्जीविशन रोड से उत्तर की ओर गांधी मैदान और गोरियाटोली से गांधी मैदान की ओर व्यावसायिक वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

इंजीनियरिंग कॉलेज से चलने वाली नगर बसें गांधी चौराहा, मछुआटोली, दरियापुर तिराहा, नाला रोड, पीरमुहानी, सीडीए बिल्डिंग गोलंबर और

सुबह 7 बजे से लागू रहेगा डायवर्जन

गोरियाटोली होते हुए पटना जंक्शन जाएंगी। वापसी भी इसी रूट से होगी। वहीं, पटना सिटी से आने वाले ऑटो और ई-रिक्शा मुसल्लहपुर हाट, बारी पथ होते हुए खजांची रोड तक आएंगे। वापसी में खजांची रोड से अशोक राजपथ होते हुए गायघाट की ओर जाएंगे। तिरंगा यात्रा में शामिल होने वाले नागरिकों के वाहनों के लिए गांधी मैदान में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। आम लोगों के लिए गांधी मैदान के गेट नंबर 1 और 13 से प्रवेश निर्धारित किया गया है। गेट नंबर 12 मुख्यमंत्री के प्रवेश के लिए आरक्षित रहेगा। वोल्टास मोड़ से उत्तर की ओर जाने वाले वाहन विद्यापति मार्ग और बुद्ध मार्ग होते हुए पुलिस लाइन तिराहा की ओर जा सकेंगे। वहीं, आयुक्त कार्यालय के सामने जेपी गंगा पथ के नीचे स्थित गोलंबर से गांधी मैदान की ओर आने वाले फ्लैंक पर केवल तिरंगा यात्रा में शामिल होने वाले आगंतुकों को आने की अनुमति होगी। यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोमवार सुबह यात्रा के दौरान निर्धारित डायवर्जन रूट का इस्तेमाल करें और अनावश्यक रूप से प्रतिबंधित मार्गों की ओर न जाएं।

नशे में धुत कार चालक ने गाड़ियों को मारी टक्कर, फुलवारी शरीफ में भीड़ ने पकड़कर पीटा, कपड़े फाड़े

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ स्थित नया टोला में शनिवार शाम शराब के नशे में धुत कार चालक ने जमकर उत्पात मचाया। अनियंत्रित स्विफ्ट डिजायर ने एक के बाद एक कई वाहनों को टक्कर मार दी और इसके बाद एक दुकान में घुसने की कोशिश की। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने कार सवार दो युवकों को पकड़ लिया और उनकी जमकर पिटाई कर दी। भीड़ ने कार में भी तोड़फोड़ की। घटना शहीद भगत सिंह चौक और फुलवारी शरीफ थाना से महज करीब 100 मीटर की दूरी पर हुई। शाम के समय इलाके में काफी भीड़ थी। अचानक तेज रफ्तार कार के बेकाबू होने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

एक के बाद एक गाड़ियों को मारी टक्करः प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नया टोला में बिस्कुट की दुकान के पास कार चालक ने अचानक नियंत्रण खो दिया। स्विफ्ट डिजायर ने सड़क पर मौजूद कई वाहनों को टक्कर मारी और फिर एक दुकान में घुसने की कोशिश की। घटना

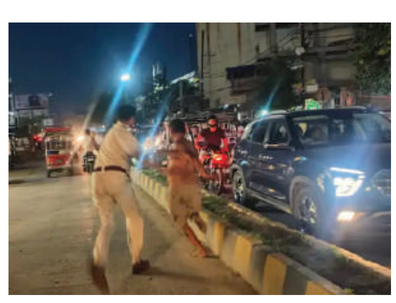

के बाद कार चालक ने मौके से भागने का प्रयास किया। इससे स्थानीय लोगों का गुस्सा और भड़क गया। लोगों ने कार को घेरकर उसमें सवार दोनों युवकों को बाहर निकाल लिया।

कपड़े फाड़े, कार में भी की तोड़फोड़ः आक्रोशित भीड़ ने दोनों युवकों की जमकर पिटाई की। इस दौरान उनके कपड़े तक फाड़ दिए गए, जिससे दोनों अर्धनग्न अवस्था में हो गए। लोगों ने उनकी कार में भी तोड़फोड़ कर दी। सूचना मिलने पर डायल-112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने दोनों युवकों को भीड़ से निकालने का प्रयास किया। इसी दौरान नशे में धुत कार चालक ने पुलिसकर्मियों से भी हाथापाई की और भागने की कोशिश करने लगा। लेकिन भीड़ उसे दोबारा पकड़कर पीटने लगती।

काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने बचायाः काफी मशक्कत के बाद पुलिस दोनों घायल युवकों को भीड़ से निकालकर फुलवारी शरीफ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। घटना के बाद काफी देर तक सड़क पर लोगों की भीड़ जुटी रही।

दोनों युवकों के नशे में होने की बातः फुलवारी शरीफ थाना प्रभारी गुलाम शाहबाज आलम ने बताया, 'कार में टमटम पड़ाव, फुलवारी निवासी रविंद्र कुमार के बेटे रंजीत कुमार और बिड़ला कॉलोनी, फुलवारी निवासी घनश्याम चौहान के बेटे रंजीत चौहान सवार थे। पुलिस के मुताबिक, दोनों नशे की हालत में थे। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। हादसे में कितने वाहनों को नुकसान पहुंचा और कार चालक के खिलाफ किन धाराओं में कार्रवाई की जाएगी, इसकी जानकारी जांच पूरी होने के बाद स्पष्ट होगी।

बिहार के 20 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट, अभी एक्टिव रहेगा मानसून

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून एक्टिव है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में पिछले कुछ दिनों से बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज 20 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में आकाशीय बिजली भी गिरने की आशंका है। इधर, मुजफ्फरपुर जिले के मड़वन प्रखंड अंतर्गत रक्सा के वार्ड संख्या 14 में रविवार सुबह तिरहुत मुख्य नहर का उत्तरी बांध लगभग बीस फीट तक टूट गया। बांध टूटने से नहर का पानी तेजी से आसपास के खेतों में फैल गया, जिससे धान की फसल जलमग्न हो गई।

मौसम विभाग के मुताबिक 12 अगस्त तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। उत्तर बिहार के कुछ जिलों में भारी बारिश की संभावना है। 15 अगस्त के बाद प्रदेश में मौसम साफ

होने की उम्मीद है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार 8 अगस्त तक बिहार में कुल 365.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है, जबकि सामान्य बारिश का आंकड़ा 566.6 मिलीमीटर होना चाहिए था। इस तरह राज्य में अब तक बारिश 35 प्रतिशत कम हुई है। बीते 24 घंटे में राजधानी पटना समेत 4 जिलों में बारिश हुई। पटना में शनिवार रात बारिश के बाद उमस भरी गर्मी से राहत मिली। कई जिलों में काले बादल छाए रहे।

पटना में चार साल में ही जर्जर हुआ सिकंदरपुर पुल, साइड स्लोप में गहरे गड्ढे

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडल के एनएच-30ए पर सिकंदरपुर पुल की हालत निर्माण के महज चार साल में ही जर्जर हो गई है। पुल के दोनों ओर सड़क से सटे साइड स्लोप में बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं।

बारिश के बाद मिट्टी धंसने से इनकी गहराई और बढ़ गई है। स्थानीय ग्रामीणों और वाहन चालकों का कहना है कि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

यह पुल वर्ष 2022 में करीब 600 करोड़ रुपए की लागत से बाढ़-हरनौत-फतुहा नेशनल हाईवे-30ए के टू-लेन अपग्रेडेशन प्रोजेक्ट के तहत बनाया गया था। निर्माण के चार साल के भीतर ही पुल की स्थिति पर सवाल उठने लगे हैं। पुल के दोनों तरफ साइड स्लोप में कई जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश के कारण मिट्टी धंसने से गड्ढे और गहरे

हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इनमें आसानी से कोई भारी वाहन फंस सकता है। पुल के किनारे बने इन गड्ढों से गुजरने वाले वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, एनटीपीसी की फ्लाई ऐश लेकर चलने वाले भारी हाइवा और ट्रकों का इस मार्ग पर लगातार आवागमन होता है। भारी वाहनों की आवाजाही के बीच पुल के एक्सपेंशन जॉइंट में भी बड़ी गैपिंग दिखाई दे रही है। निर्माण के कुछ ही वर्षों में जॉइंट के इस तरह फैलने से पुल की गुणवत्ता और निर्माण तकनीक पर सवाल उठ रहे हैं।

'नेहा बोरा पर जो स्याही फेंकी गई, वही इंकलाब बनेगी', कांग्रेस ने विधानसभा तक निकाली पदयात्रा

एजेंसी, पटना

'पेपर लीक किसी राज्य का मसाला नहीं, बल्कि यह राष्ट्रीय मुद्दा बन गया है। जिन लोगों ने AISA की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा पर स्याही फेंकी है, वही स्याही कल इंकलाब बनेगा।' यह बातें बिहार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कही है। आज कांग्रेसियों द्वारा 9 अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ मनाई। इस दौरान विधानसभा गेट के सामने शहीद स्मारक पर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई और पुष्प अर्पित किया गया। सदाकत आश्रम से विधानसभा गेट तक 7 किलोमीटर की पद यात्रा निकाली गई। इसमें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, पूर्व विधायक शकील अहमद खान सहित अन्य कांग्रेसी शामिल हुए।

राजेश राम ने कहा, 'आज का दिन एक ऐसा दिन है, जब अंग्रेजों के खिलाफ भारत छोड़ने का आंदोलन शुरू हुआ था। हर साल हम कांग्रेस पार्टी के लोग इस दिन को याद करते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हम लोगों को याद

दिलाते हैं कि "अंग्रेजों भारत छोड़ो" नारे से ही हमें स्वतंत्रता और आजादी मिली है। हम यहां प्रतिज्ञा लेते हैं कि हम संविधान के प्रति समर्पित रहेंगे और भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखेंगे।' झारखंड के छात्र आंदोलन को लेकर राजेश राम ने कहा, 'यह किसी राज्य का मामला नहीं है। छात्र अपनी समस्या को लेकर के सिस्टम के खिलाफ लड़ रहे हैं। यह ऐसा सिस्टम है कि सरकार समझ नहीं पा रही है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारे प्रतिनिधिमंडल के लोग जाकर उनकी समस्या सुने हैं। यह काम पहले ही

राजेश राम बोले- पेपर लीक राष्ट्रीय मुद्दा, राजनीति न करें

बीजेपी को जंतर मंतर पर कर लेना चाहिए था, शायद इतने जेन जी नाराज नहीं होते।'

जो स्याही फेंकी गई, वही कल इंकलाब बनेगा- राजेश रामः छात्र आंदोलन के दौरान नेहा बोरा पर स्याही फेंके जाने पर राजेश राम ने कहा, 'जो स्याही उन पर फेंकी गई है, वही स्याही कल इंकलाब बनेगा। पेपर लीक राष्ट्रीय मुद्दा बन गया है। यह किसी राज्य का मुद्दा नहीं है।' कांग्रेस प्रदेस अध्यक्ष ने कहा, 'छात्रों की गूंजें' कार्यक्रम में राहुल गांधी से कई छात्रों ने अपने समस्याओं को रखा था। यह कोई पॉलिटिकल प्रोग्राम नहीं था, बल्कि छात्रों की आवाज थी और इसमें छात्रों की काफी भीड़ भी देखने को मिली थी।' राजेश राम ने कहा, 'यह लड़ाई सिस्टम के खिलाफ है, जो कि पूरी तरह से राष्ट्रीय मुद्दा बन गया है।'

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

सड़क चौड़ीकरण की धीमी प्रगति पर कमिश्नर नाराज, नोटिस देने के निर्देश

गोरखपुर , एजेंसी। कमिश्नर इंद्र विक्रम सिंह ने शनिवार को जिले की महत्वपूर्ण परियोजनाओं का औचक निरीक्षण किया। चार फाटक से असुरन तक फोरलेन सड़क और स्पोर्ट्स कॉलेज चौराहा से फर्टिलाइजर मार्ग के चौड़ीकरण में धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। कार्यदायी फर्म को नोटिस जारी करने और मैन पावर बढ़ाकर 30 अक्तूबर तक कार्य पूरा के निर्देश दिए। चारफाटक से असुरन तक फोरलेन सड़क निर्माण की धीमी प्रगति पर नाराज कमिश्नर ने कार्यदायी संस्था और अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने कार्यदायी संस्था को श्रमिकों की संख्या बढ़ाने और नालों पर स्लैब डालने का निर्देश दिया। असुरन से पिपराइच फोरलेन सड़क के निरीक्षण में कमिश्नर ने पाया कि कुछ स्थानों पर काम शुरू नहीं हुआ है। इस पर उन्होंने नाराजगी जताई। कहा कि तेजी से कार्य शुरू कराएं। आयुष विश्वविद्यालय में निमार्णाधीन प्रेक्षागृह का निरीक्षण करने के बाद कहा कि 31 अक्तूबर तक काम पूरा करा लें। मानीराम-बालापार टिकरिया-गांगी बाजार सड़क का कार्य तेजी से कराने के निर्देश दिए। इसी मार्ग पर बालापार में निर्माणाधीन सिक्टौर थाने का निरीक्षण करते हुए कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया गया कि श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर कार्य को सितंबर तक पूरा कराएं। इसके साथ ही एचएन सिंह चौराहा-गोरखनाथ मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण कार्य के दौरान सड़क के बीच में लगे बिजली ट्रांसफार्मर को शिफ्ट करने को कहा। पादरी बाजार फ्लाईओवर के नीचे सर्विस रोड को भी शीघ्र पूरा कराने के निर्देश परियोजना प्रबंधक को दिए।

जिन्हें दे चुके हैं मुआवजा, उन मकानों को ध्वस्त कराएं

गोरखपुर। कमिश्नर ने हड़हवा फाटक रेल ओवरब्रिज के कार्य की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताई और उप जिलाधिकारी, सदर को निर्देशित किया कि ब्रिज निर्माण में एक-दो मकान, जिन्होंने मुआवजा ले लिया है, उसे हटाने की कार्यवाही त्वरित गति से कराएं। इस दौरान एसडीएम सदर ज्ञान प्रताप सिंह, पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड-3 के एक्सईएन यूपी सिंह, सेतु निगम के पीडी अरुण सिंह आदि मौजूद रहे।

समूहों से जुड़ेंगी महिलाएं, आत्मनिर्भर बनेंगे परिवार

कानपुर, एजेंसी। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) ने जिले में पांच से 20 अगस्त तक परिवार संतृप्तीकरण महाअभियान शुरू किया है। इसके तहत राशन कार्डधारक प्रत्येक परिवार की कम से कम एक महिला सदस्य को स्वयं सहायता समूह से जोड़ा जा रहा है। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से 2,40,500 महिलाओं को समूहों से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए ग्राम पंचायत स्तर पर समूह सखी, बैंक सखी और पंचायत सचिव कैंप लगा रहे हैं। इसका उद्देश्य महिलाओं को बचत, बैंकिंग, ऋण और स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आमदनी बढ़ाना और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करना है। समूह से जुड़ने के बाद निर्धारित प्रक्रिया और पात्रता पूरी करने पर महिलाओं को चरणबद्ध आर्थिक सहायता मिलेगी। समूह का खाता खुलने के बाद 2500 रुपये प्रारंभिक निधि, करीब तीन माह बाद 30 हजार रुपये रिवॉल्विंग फंड और छह माह बाद 1.50 लाख रुपये तक की सहायता ऋण के रूप में दिए जाने का प्रावधान है। इसके अलावा बैंक से समूह को 1.50 लाख से 10 लाख रुपये तक कैश क्रेडिट लिमिट (सीसीएल) मिल सकती है। इस धनराशि से महिलाएं छोटे कारोबार, पशुपालन, सिलाई, खाद्य प्रसंस्करण, उत्पादन और सेवा आधारित गतिविधियां शुरू कर सकती हैं। अभियान में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन समेत अन्य योजनाओं के पात्र लाभार्थी परिवारों की महिलाओं को भी प्राथमिकता से समूहों से जोड़ा जा रहा है। खंड विकास अधिकारियों के माध्यम से ग्राम पंचायत सचिवों और पंचायत सहायकों को प्रभावी ढंग से अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। बिल्हौर में सबसे ज्यादा, ककवन में सबसे कम महिलाओं को जोड़ने का लक्ष्य विकासखंडवार लक्ष्य में बिल्हौर सबसे आगे है।सरसौल में 28,746, कल्याणपुर में 28,588, घाटमपुर में 29,689 और भीतरगांव में 27,347 महिलाओं को जोड़ा जाएगा। बिधनू में 25,025, शिवराजपुर में 20,240, पतारा में 20,088, चौबेपुर में 21,253 और ककवन में सबसे कम 8,494 महिलाओं को समूहों से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

हाईवे की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल, 60 फीसदी शिकायतें बढ़ीं; एनएचएआई को बड़ी सर्जरी की जरूरत

लखनऊ , एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) में बड़ी सर्जरी की जरूरत है। यूपी में कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे के जगह-जगह धंसने की कोई इकलौती घटना नहीं है। महाराष्ट्र, बंगाल, मध्य प्रदेश, ओडिशा व राजस्थान में भी हाईवे की गंभीर रूप से खराब गुणवत्ता के सवाल उठ चुके हैं। स्थिति यह है कि राज्यसभा में रखी गई एक लिखित रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025-26 में राजमार्गों की गुणवत्ता संबंधी शिकायतों में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

जुलाई में पुणे-बेंगलूरू नेशनल हाईवे (एनएच-24) पर कर्नाटक में निप्पानी शहर के पास दीवार ही ढह गई। इसके बाद एनएचएआई को अपने कई अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई भी करनी पड़ी। इसी साल मार्च में पश्चिम बंगाल में पूर्वी वर्धमान में एनएच-19 के फ्लाईओवर की रिटेनिंग वॉल (दीवार) भी ढह गई थी।

जल निकासी सिस्टम का सही प्रबंध नहीं: दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के निर्माण के दौरान डाट काली सुरंग और पहाड़ी क्षेत्रों में मिट्टी धंसने, भूस्खलन और सुरक्षा मानकों में अनदेखी के मुद्दे सामने आए। अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेसवे में डामर की खराब गुणवत्ता, कई हिस्सों में दरारें आने और जल निकासी सिस्टम का सही प्रबंध न होने की शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं।

इसी तरह से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के कुछ खंडों में उद्घाटन के कुछ समय बाद ही सड़क धंसने, दरारें पड़ने और भारी वाहनों के दबाव से गड्ढे बनने के मामले सामने आ चुके हैं। केरलम और बिहार में भी फ्लाईओवर व पुलों के निर्माण में इस तरह की दिक्कतें देखी गईं। सूत्रों का कहना है कि बरेली-सीतापुर रोड पर पिछले कुछ समय में बने फ्लाईओवर व पुलों की जांच करा ली जाए तो असलियत सामने आते देर नहीं लगेगी।

कुछ समय पहले ही इंदौर से एदलाबाद तक बन रहे नेशनल हाईवे (भारतमाला परियोजना) पर खरगोन जिले के बासवां गांव के पास खिरकिया नदी पर नवनिर्मित ब्रिज धंस गया। स्थिति का अंदाजा इससे लगा सकते हैं कि इस हाईवे के निर्माण पर 3900 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।

ओडिशा में संबलपुर-कटक राष्ट्रीय राजमार्ग के आंशिक हिस्से और फ्लाईओवर के धंसने का मामला भी हाल ही में सामने आ चुका है। इतना ही नहीं मध्य प्रदेश में पेंच टाइगर रिजर्व में बने देश के पहले साउंड और लाइट प्रूफ हाईवे में भी बड़ी दिक्कतें सामने आ चुकी हैं। राजस्थान के सांचौर में एनएच-68 पर 270 करोड़ लागत वाले एलिवेटेड पुल में दरारों की समस्या आ चुकी है। वित्त वर्ष 2025-26 में केंद्रीय सार्वजनिक शिकायत पोर्टल पर राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण, देख-रेख और सड़कों की सतह की स्थिति से संबंधित शिकायतें बढ़कर 11340 हो गईं। जबकि, 2025-26 में ये 7030 थीं।

वर्षों से जमे अधिकारियों को दिखाना होगा बाहर का रास्ता

एनएचएआई के सूत्रों का कहना है कि प्राधिकरण में उच्चस्तर पर वर्षों से कुछ अधिकारी जमे हैं, जिनकी ठेकेदारों से साठगांठ गुणवत्ता को प्रभावित कर रही है। इन्हें चिह्नित करके बाहर का रास्ता दिखाना होगा, तभी हालात सुधरेंगे। स्थिति यह है कि अधिकारी जानबूझकर खराब गुणवत्ता पर भी निजी हित में चुप्पी साधे रहते हैं। सिर्फ निचले स्तर के अधिकारियों पर कार्रवाई से दशा नहीं सुधरने वाली है। इस बारे में एनएचएआई के चेयरमैन का पक्ष भी लेने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

पद छोड़ा, पर अयोध्या नहीं, इस्तीफा के बाद भी मंदिर प्रबंधन में चंपत राय का दखल बरकरार

लखनऊ, एजेंसी। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा दिए करीब एक महीना हो गया है, लेकिन चंपत राय अब भी अयोध्या में ही हैं। पद पर नहीं होने के बावजूद मंदिर प्रबंधन से जुड़े मामलों में उनकी सक्रियता कम नहीं हुई है। ट्रस्ट के कई सदस्य अब भी उनसे मुलाकात कर राय-मशवरा कर रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन भी लगातार चंपत राय के संपर्क में हैं। सूत्रों का कहना है कि मंदिर प्रबंधन के कई मामलों में कृष्ण मोहन चंपत राय से सलाह लेते हैं। उनकी सलाह के आधार पर ही आगे की कार्रवाई किए जाने की बात भी सामने आ रही है। हालांकि, ट्रस्ट की ओर से चंपत राय की मौजूदा भूमिका को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

हां ये जरूर है कि वह मंदिर नहीं गए हैं। विश्व हिंदू परिषद के महामंत्री बजरंग लाल बांगड़ा भी अयोध्या पहुंचे थे। उन्होंने भी चंपत राय से मुलाकात की। मंदिर ट्रस्ट के महासचिव पद के लिए बजरंग लाल बांगड़ा का नाम भी चर्चा में है। ऐसे में उनकी चंपत राय से मुलाकात को अहम माना जा रहा है।

एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट में चंपत राय के नाम का कहीं जिक्र नहीं था। हां ये जरूर लिखा था कि ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी व कर्मचारी जिम्मेदार हैं। सूत्र बताते हैं कि एसआईटी की विस्तृत जांच

के बाद चंपत राय को क्लीनचिट मिल सकती है। चंपत राय को भी इसकी पूरी उम्मीद है। कुछ करीबियों से उन्होंने इसकी चर्चा भी की है। ट्रस्ट में नए महासचिव के नाम को लेकर भी मंथन चल रहा है। बजरंग लाल बांगड़ा का नाम प्रमुखता से चर्चा में है। उनका अयोध्या पहुंचना और चंपत राय से मुलाकात करना इसी वजह से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। फिलहाल चंपत राय की अयोध्या में मौजूदगी और ट्रस्ट के लोगों से उनकी मुलाकातों ने यह सवाल जरूर खड़ा कर दिया है कि पद छोड़ने के बाद भी मंदिर प्रबंधन में उनकी भूमिका कितनी रह गई है।

व्योमेश शुक्ल बोले- पहले गंगा को गंदा करें फिर उसे साफ, क्यों न पहले ही मलजल रोक दें; व्याख्यान

चंदौली, एजेंसी। प्रयागराज के युवा लेखकों और साहित्य प्रेमियों का एक समूह बौद्धिक भ्रमण के तहत शनिवार को नागरीप्रचारिणी सभा के आर्यभाषा पुस्तकालय पहुंचा। आजाद रीड्स की ओर से आयोजित भ्रमण के दौरान सभा के प्रधानमंत्री व्योमेश शुक्ल ने 'नदी, नगर और सभ्यता' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने काशी, गंगा और भारतीय सभ्यता के आपसी संबंधों को रेखांकित करते हुए कहा कि काशी तीर्थ इसलिए है, क्योंकि वहां पानी है। पानी वह जादू है, जिसे किसी जगह में जोड़ दीजिए तो वह तीर्थ बन जाती है। बनारस का जादू गंगा हैं।

व्योमेश शुक्ल ने कहा कि पेस्टिसाइड्स, बैक्टीरियोफेज और जल की शुद्धता जांचने के अन्य मानक पश्चिमी पैमाने हैं। पश्चिम में नदी और जल की सफाई की कोई आध्यात्मिक हैसियत नहीं है। वहां पीने, नहाने, समुद्र और स्वीमिंग पूल के पानी के लिए अलग-अलग मानक निर्धारित हैं। इसके विपरीत भारतीय जीवन में चीजें इस तरह विभाजित नहीं रही हैं। गंगाजल के संदर्भ में यह बात और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि हिंदू मन में गंगा का स्थान बेहद ऊंचा है।

उन्होंने कहा कि करीब एक हजार वर्ष पहले आचार्य शंकर ने गंगा की स्तुति में कविता लिखी थी। उसके बाद से आज तक न जाने कितनी कहानियां और अनगिनत भाषाओं की कविताएं गंगा की परिक्रमा करती रही हैं। यह नदी भारतीय समाज और उसकी सांस्कृतिक

चेतना का अभिन्न हिस्सा है।

व्योमेश शुक्ल ने कहा कि हमारा घमंड पश्चिम की देन है। सवाल यह है कि क्या हम भारत को यूरोप बना देना चाहते हैं। उन्होंने गंगा प्रदूषण पर चिंता जताते हुए कहा कि पहले पानी को गंदा करना और फिर उसे साफ करने की कोशिश करना उचित तरीका नहीं है। यदि गंगा हमारी धार्मिकता का मुकुट हैं तो उनमें अवजल क्यों मिलाया जाता है।

उन्होंने कहा कि इसका निदान स्पष्ट है। मलजल को नदियों में नहीं बहाया जाना चाहिए, बल्कि उसके निस्तारण की अलग व्यवस्था हो। गंगा को डस्टबिन की तरह इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

इससे पहले युवा लेखकों के दल ने नागरीप्रचारिणी सभा परिसर में स्थापित तीनों कला दीर्घाओं का अवलोकन किया। कार्यक्रम में अक्षत, राघव, तापस, विनायक, स्वाति, अपूर्वा, आकाश, विशाल, शाश्वत, त्रयी और तरुण आदि मौजूद रहे।

आगरा-लखनऊ और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे सीधे कनेक्ट होंगे, 70 प्रतिशत जमीन खरीदी गई

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में आगरा-लखनऊ और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे अब एक-दूसरे से सीधे जुड़ने की ओर बढ़ रहे हैं। दोनों एक्सप्रेसवे को जोड़ने वाले करीब 51 किलोमीटर लंबे लिंक एक्सप्रेसवे के लिए लखनऊ में 70 फीसदी भूमि खरीद का काम पूरा हो चुका है। करीब छह हजार किसानों से भूमि ली जानी है। प्रशासन अब शेष किसानों से भी आपसी संवाद के आधार पर जमीन खरीदने में जुटा है। लक्ष्य अगस्त के अंत तक शेष भूमि की खरीद पूरी करने का है। इसके बाद परियोजना के निर्माण की राह और आसान हो जाएगी। जुलाई 2025 में घोषित इस लिंक एक्सप्रेसवे का उद्देश्य आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे को सीधे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ना है। परियोजना के लिए लखनऊ के 42 गांवों के 6000 हजार से अधिक किसानों की भूमि ली जा रही है। जनवरी 2026 में प्रशासन ने जब किसानों से भूमि की खरीद का प्रयास किया तो शुरू लगभग सभी गांवों के

किसानों ने विरोध किया। इसके बाद प्रशासन ने थोड़ी सख्ती जरूर दिखाई, लेकिन अधिक जोर किसानों से सीधे संवाद और आपसी सहमति पर रहा। इसका परिणाम है कि अब तक करीब 70 फीसदी भूमि का क्रय किया जा चुका है। शेष भूमि के लिए प्रशासन किसानों से लगातार संपर्क कर रहा है। नया लिंक बनने से बाहरी वाहनों को शहर के भीतर आने की जरूरत कम होगी और यातायात को सीधा वैकल्पिक मार्ग मिलेगा। इसका फायदा केवल यात्रियों को ही नहीं, बल्कि मालवाहक वाहनों को भी मिलेगा। आगरा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ओर से आने वाला माल पूर्वांचल के जिलों तक अधिक सुगमता से पहुंच सकेगा। समय और ईंधन की बचत के साथ दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है।

मनमानी रोकने को लागू किया गया डिजिटल सिस्टम, एक क्लिक में दिखेगा हर भुगतान का हिसाब

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अपनी वित्तीय और प्रशासनिक व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इसी क्रम में राम मंदिर ट्रस्ट ने ईआरपी सिस्टम लागू कर दिया गया है। ईआरपी (एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग) प्रणाली एक आधुनिक डिजिटल प्रबंधन प्रणाली है, जिसके माध्यम से ट्रस्ट की खरीद प्रक्रिया, टेंडर, बिल, भुगतान, स्टॉक, अनुबंध, लेखा और अन्य प्रशासनिक कार्य एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित किए जाएंगे। इससे किसी भी भुगतान की शुरुआत से लेकर अंतिम स्वीकृति तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन दर्ज रहेगी। हर स्तर पर उसकी निगरानी संभव होगी। ईआरपी प्रणाली लागू होने के बाद बिना आवश्यक अनुमोदन, डिजिटल रिकॉर्ड और निर्धारित प्रक्रिया के कोई भी बिल भुगतान के लिए आगे नहीं बढ़ सकेगा। प्रत्येक भुगतान का पूरा डिजिटल ट्रेल उपलब्ध रहेगा, जिससे भविष्य में ऑडिट और सत्यापन की प्रक्रिया भी अधिक प्रभावी होगी। ट्रस्ट के अधिकारी भी किसी भी तरह के वित्तीय लेन-देन की स्थिति ऑनलाइन देख सकेंगे। सूत्र बताते हैं कि नई व्यवस्था में खरीद और भुगतान प्रणाली को भी प्रतिस्पर्धी बनाया जा रहा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद को लेकर अटकलों का दौर तेज हो गया है। इस महत्वपूर्ण पद के लिए विभिन्न बजरंग लाल। स्तरों पर मंथन जारी है। इसी बीच विश्व हिंदू परिषद के महामंत्री बजरंग लाल बांगड़ा की सक्रियता बढ़ी है। पिछले करीब डेढ़ महीने के दौरान उन्होंने कई बार अयोध्या का दौरा किया है और संत समाज से लेकर ट्रस्ट के प्रमुख पदाधिकारियों तक से संपर्क साध रहे हैं।

ड्रेनेज सिस्टम फेल, सात मिनट में नहीं निकला 500 लीटर पानी, एनएचएआई की जांच में खुली पोल

कानपुर, एजेंसी। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे से शनिवार को सात मिनट में भी 500 लीटर पानी नहीं निकल पाया। लखनऊ से पहुंचे राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की केंद्रीय कमेटी के वरिष्ठ सदस्य (तकनीकी) आलोक दीपांकर ने जब ड्रेनेज सिस्टम को परखना चाहा, तो यह सच सामने आया। इसके बाद दीपांकर ने मरम्मत कार्य की गुणवत्ता भी परखी। संतोषजनक कार्य न मिलने पर निर्माण एजेंसी पीएनसी इंफ्राटेक लिमिटेड के जिम्मेदारों से भी नाराजगी जताई।

आलोक दीपांकर एक्सप्रेसवे के किमी संख्या 32.4 (सहरावां गांव) के पास पहुंचे। यहां उन्होंने सोख्ता तकनीक से बनी सड़क पटरी में चार वर्ग फीट का गड्ढा खोदवाकर टैंकर से पानी डलवाया और उसके दूसरी तरफ से सड़क के बाहर निकलने का इंतजार करने लगे। करीब सात मिनट इंतजार के बाद भी पानी बाहर एक्सप्रेसवे से बाहर नहीं निकला तो एक कर्मचारी को वहीं रोक कर पानी बाहर निकलने का समय नोट करने के लिए कहा। इसके बाद उन्होंने किमी संख्या (30.6 बेगमखेड़ा गांव) के पास सड़क खोदकर कराई जा रही मरम्मत कार्य को देखा।

गुणवत्ता परखने के लिए जेसीबी से एक फीट का गड्ढा खोदवाया। डामर-गिट्टी (बिटुमिन) की मोटाई, नीचे डाले गए बोल्डर और कंक्रीट की मोटाई को भी जांचा। इसके बाद वह फिर उस स्थान पर पहुंचे जहां

पर गड्ढे में पानी भरवाया था। पानी सड़क से बाहर न होने पर 500 लीटर के टैंकर का पूरा पानी सड़क पर गिरवाया। काफी मात्रा में पानी सड़क पर रुक गया। दीपांकर ने कहा कि निर्माण कार्य में लापरवाही बरती गई है। निर्माण एजेंसी के कार्य की निगरानी की गई होती तो ऐसा नहीं होता। अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में एक्सप्रेसवे की जांच के लिए अधिकृत किए गए आईआईटी खड़गपुर के प्रोफेसर कुमार सुधार रेड्डी, एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी गौतम विशाल, पीडी नवरतन और पीएनसी के अधिकारी शामिल रहे। सूत्रों के अनुसार उन्होंने 45 किमी लंबे ग्रीन फील्ड एरिया में बड़े पैमाने पर सुधार की आवश्यकता बताई।

बाढ़ तैयारियों को जानने पहुंची राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और यूएनडीपी की टीम, राहत किट की जांच; निर्देश

वाराणसी, एजेंसी। बलिया जिले में संभावित बाढ़ से निपटने के लिए की गई तैयारियों का जायजा लेने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की संयुक्त टीम पहुंची। टीम ने जिला आपदा कंट्रोल रूम, बाढ़ राहत शिविर, बाढ़ शरणालय, मॉडल बाढ़ शरणालय और दुबेछपरा में चल रहे कटानरोधी कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान राहत एवं बचाव व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की गई।

टीम में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर प्रवीण किशोर, प्रोजेक्ट एक्सपर्ट मानवेंद्र प्रताप सिंह और यूएनडीपी के पॉलिसी एनालिस्ट डॉ. सैयद मोहम्मद

इमरान शामिल रहे। अधिकारियों ने तहसील बांसडीह के कटान प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति और बाढ़ सुरक्षा इंतजामों की जानकारी ली। दुबेछपरा में अधिकारियों ने अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड संजय कुमार मिश्र से कटानरोधी कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी ली। मौके पर लगाए गए मानचित्र के माध्यम से कटान से पूर्व और वर्तमान स्थिति का अवलोकन कर अब तक हुए कार्यों की समीक्षा की गई।

इसके बाद टीम ने जिला आपदा कंट्रोल रूम के क्रियाकलापों और तैयारियों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी के साथ जनपद स्तरीय अधिकारियों की बैठक में बाढ़ से बचाव की तैयारियों, राहत एवं बचाव कार्यों और विभागीय समन्वय की विस्तृत समीक्षा की गई।

टीम दुबेछपरा स्थित हनुमान मंदिर परिसर में स्थापित बाढ़ चौकी पहुंची। यहां चिकित्साधिकारी डॉ. बलवंत सिंह से बाढ़ की स्थिति में स्वास्थ्य सेवाओं, राहत-बचाव कार्य और आपातकालीन व्यवस्थाओं की जानकारी ली। पशु चिकित्सा विभाग, एनडीआरएफ, पीएसी समेत अन्य विभागों के अधिकारियों से भी बाढ़ की स्थिति में आपसी समन्वय को लेकर चर्चा की गई। संयुक्त टीम ने जिले में स्थापित बाढ़ शरणालयों और मॉडल बाढ़ शरणालय का भी निरीक्षण किया। राहत किट के नमूनों की गुणवत्ता व उपलब्धता जांचने के साथ राहत-बचाव दलों की तैनाती की स्थिति भी देखी। टीम ने बाढ़ प्रभावित गांवों का भ्रमण कर वहां की तैयारियों और अब तक की गई कार्रवाई का जायजा लिया। अधिकारियों ने सभी संबंधित विभागों को संभावित बाढ़ को देखते हुए बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। कहा कि आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 10 अगस्त, 2026

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में तिब्बती अध्ययन सम्मेलन अब वर्चुअल माध्यम से होगा

काठमांडू। नेपाल में तिब्बती अध्ययन सम्मेलन अब वर्चुअल माध्यम से होगा। इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर तिब्बतन स्टडीज बोर्ड ने निर्धारित समय पर ही सम्मेलन को ऑनलाइन आयोजित करने की घोषणा की। सम्मेलन के सह आयोजक काठमांडू विश्वविद्यालय से संबद्ध हिमालय सेंटर फॉर एशियन स्टडीज तथा सेंटर फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज के इस सम्मेलन से हाथ खींच लेने के बाद आयोजकों ने 23 से 29 अगस्त तक सम्मेलन को ऑनलाइन आयोजित करने का फैसला किया है। 7 अगस्त को बोर्ड निदेशक मंडल ने इस संबंध में आपातकालीन ऑनलाइन बैठक की। इस बैठक में सम्मेलन के समन्वय की जिम्मेदारी स्वयं लेने और 17वें सेमिनार को अब ऑनलाइन कार्यक्रम के रूप में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। सलाहकार बोर्ड की ओर से फ्रांस्वा रोबिन और उरिके रोएस्लर ने यह जानकारी दी गई है। बोर्ड ने कहा है कि अंतिम समय में कार्यक्रम को रोकने की घटना से भविष्य में नेपाल में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर सवाल खड़े होंगे। इससे नेपाल को आर्थिक और प्रतिष्ठा संबंधी नुकसान भी हो सकता है। तिब्बती मामलों की संवेदनशीलता के कारण चीन की ओर से भी चिंता जताए जाने के बाद नेपाल सरकार ने पिछले सप्ताह इस सम्मेलन को नेपाल में आयोजित करने पर रोक लगा दी थी। मुख्य सचिव गोविंद बहादुर कार्की और विदेश मंत्रालय के सचिव अमृत बहादुर राई ने काठमांडू विश्वविद्यालय को इसे रोकने का निर्देश दिया था। सरकार के रोक लगाने के बाद काठमांडू विश्वविद्यालय ने बोर्ड को सम्मेलन की जिम्मेदारी सौंप दी थी। आयोजकों का कहना है कि नेपाल में इस आयोजन के लिए 2023 में ही काठमांडू विश्वविद्यालय के साथ सहमति बनी थी। इसके बाद सम्मेलन की तैयारियों के दौरान किसी भी पक्ष ने कोई आपत्ति या चिंता नहीं जताई । सम्मेलन की तैयारी में तीन साल लगे। 700 से अधिक प्रतिभागी पहले ही हवाई टिकट खरीद चुके थे और काठमांडू में होटल के कमरे भी बुक कर चुके थे।

नेपाल में रसोई गैस आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू समेत देश के विभिन्न हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से रसोई गैस (एलपीजी) की कमी धीरे-धीरे कम होने लगी है। नेपाल ऑयल कॉर्पोरेशन (एनओसी) ने बताया कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) से आयात बढ़ने और वितरण प्रक्रिया को सुचारु बनाए जाने के बाद गैस की आपूर्ति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। एनओसी ने 15 जुलाई से 14.2 किलोग्राम के पूरे सिलेंडर की बिक्री फिर शुरू की थी। इसके बाद बाजार में अचानक मांग बढ़ गई, जिससे गैस की कमी पैदा हो गई। एनओसी के एलपी गैस विभाग के निदेशक बिनितमणि उपाध्याय के अनुसार, 7.1 किलोग्राम के आधे सिलेंडर से फिर पूर्ण सिलेंडर के वितरण की ओर लौटने के शुरुआती दिनों में आपूर्ति पर दबाव पड़ा था, लेकिन अब बिक्री और वितरण व्यवस्था स्थिर होने लगी है। उपाध्याय ने कहा, "आईओसी की रिफाइनरियों से रोजाना 100 से अधिक गैस बुलेट लोड किए जा रहे हैं। अधिकतम एक सप्ताह के भीतर आपूर्ति पूरी तरह सुचारु हो जानी चाहिए। हम उपभोक्ताओं से अनावश्यक रूप से सिलेंडर जमा नहीं करने का आग्रह करते हैं।" पश्चिम एशिया में तनाव और संभावित संकट के कारण आपूर्ति बाधित होने की आशंका को देखते हुए एनओसी ने 10 मार्च से केवल 7.1 किलोग्राम के आधे सिलेंडर वितरित करना शुरू किया था। एलपी गैस उद्योग संघ के अध्यक्ष कृष्ण भक्त श्रेष्ठ ने बताया कि उपभोक्ताओं ने अब आधे सिलेंडर में ज्यादा रुचि नहीं दिखाई और पूर्ण सिलेंडर की बिक्री दोबारा शुरू होने की उम्मीद में उन्हें अपने पास रखा। इससे बाद में मांग अचानक बढ़ गई। उद्योग, वाणिज्य एवं आपूर्ति मंत्री गिरी यादव ने बताया कि आगामी बड़े त्योहारों की तैयारी को देखते हुए सरकार अगले तीन महीनों के लिए भारत से नेपाल का गैस कोटा बढ़ाने के संबंध में कूटनीतिक पहल भी कर रही है। वर्तमान में नेपाल में 58 एलपी गैस उद्योग संचालित हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 10,166 मीट्रिक टन है। गैस वितरण को सुचारु बनाने के लिए एनओसी और उद्योग, वाणिज्य एवं आपूर्ति मंत्रालय ने बाजार की निगरानी तेज कर दी है। शनिवार को मंत्री यादव और एनओसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने बालाजू स्थित नेपाल गैस उद्योग तथा टेकू के कई वितरण केंद्रों का निरीक्षण किया।

खेल के सितारों से सजा मंच, मीरजापुर के पदकवीरों का हुआ सम्मान

मीरजापुर। मीरजापुर के खेल जगत के लिए रविवार का दिन खास रहा। जिला ओलंपिक संघ के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर जिला सहकारी बैंक, कचहरी परिसर के सभागार में आयोजित वार्षिक समारोह में खेल प्रतिभाओं का सम्मान हुआ। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की नींव है। मीरजापुर के खिलाड़ियों ने प्रदेश और देश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार हरसंभव सहयोग करेगी।

समारोह में अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग खिलाड़ी निधि सिंह पटेल को जिला ओलंपिक संघ की कार्यकारिणी सदस्य घोषित किया गया। इस घोषणा के बाद खेल जगत से जुड़े लोगों ने उनका स्वागत किया। सम्मानित खिलाड़ियों में एथलेटिक्स के सचिन कुमार, विनय कुमार और विकास कुमार, वॉलीबाल में राष्ट्रीय स्तर की स्वर्ण पदक विजेता कुसुम कुमारी, संध्या सिंह और अपराजिता, कबड्डी की राष्ट्रीय खिलाड़ी रागिनी, पावरलिफ्टिंग में ज्योति यादव, तैराकी में रजत पदक विजेता ज्योति यादव तथा स्वर्ण पदक विजेता नीतेश निषाद शामिल रहे। योगासन में अश्वनी कुमार पांडेय और ज्वाला प्रसाद यादव ने विश्व चैंपियनशिप में प्रतिभाग कर जिले का गौरव बढ़ाया। समारोह में जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष डॉ. जगदीश सिंह पटेल, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश कुमार, संयुक्त सचिव एसपी त्रिपाठी, पूर्व चेयरमैन विजय वर्मा, दुर्गेश पटेल, लाल बहादुर सिंह पटेल, उदय पटेल, जिला खेल अधिकारी समेत विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी, प्रशिक्षक, खिलाड़ी और खेल प्रेमी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अनिल कुमार सिंह 'ग्रीन गुरु' और राकेश त्रिपाठी ने किया। समारोह में खिलाड़ियों के साथ उनके कोच और अभिभावकों की मौजूदगी ने माहौल को और खास बना दिया। सम्मान मिलने पर खिलाड़ियों में भी उत्साह देखने को मिला।

मैहर में विश्व आदिवासी दिवस पर निकला पारंपरिक भेषभूषा में भव्य जुलूस

मैहर। मध्य प्रदेश के मैहर में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को आदिवासी समाज द्वारा भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस का शुभारंभ पटेल मैरिज गार्डन, कटनी रोड से हुआ। बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में हाथों में लाल, सफेद और पीले झंडे लेकर जुलूस में शामिल हुए। जुलूस जेल तिराहा, घंटाघर, स्टेट बैंक चौराहा सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए वापस पटेल मैरिज गार्डन पहुंचा, जहां इसका समापन किया गया। जुलूस के दौरान आदिवासी समाज की संस्कृति, सामाजिक एकता और अधिकारों से जुड़े संदेश दिए गए। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर निकाले गए जुलूस में समाज के महिला-पुरुष, युवा और वरिष्ठजन बड़ी संख्या में शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा और झंडों के साथ निकले जुलूस में आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक एकजुटता की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में शरद कौल, अध्यक्ष श्रीराम केवट, विशिष्ट अतिथि दयाराम कोल, उपाध्यक्ष राजेश कोल, रमेश चौधरी, राजेश चौधरी सहित समाज के अन्य पदाधिकारी, वरिष्ठजन और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। जुलूस को देखते हुए मैहर पुलिस द्वारा सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस की मौजूदगी में जुलूस निर्धारित मार्ग से शांतिपूर्ण ढंग से निकाला गया। इस दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी आवश्यक इंतजाम किए गए। विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित इस जुलूस के माध्यम से आदिवासी समाज ने अपनी एकजुटता, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक गौरव का प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता के चलते आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के हलिशहर दौरे पर बवाल

कार पर कीचड़-ईंटें फेंकने का आरोप

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के हलिशहर दौरे के दौरान रविवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन हुआ। ममता बनर्जी तृणमूल कांग्रेस के मृत कार्यकर्ता बिरजू केवट के परिवार से मिलने पहुंची थीं। इसी दौरान हलिशहर के भूतबागान इलाके में उनकी कार को प्रदर्शनकारियों ने घेर लिया और उनके खिलाफ 'चोर-चोर' के नारे लगाए। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने उनकी कार पर कीचड़, जूते और ईंटें भी फेंकीं। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया और पुलिस को स्थिति संभालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।

दरअसल, हलिशहर थाने के लॉकअप में तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता बिरजू की असामान्य परिस्थितियों में मौत हो गई थी। बिरजू तृणमूल कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता थे। उनकी पत्नी जेनी शर्मा केवट कांचरापाड़ा नगरपालिका की पूर्व तृणमूल पार्षद हैं। हाल ही में हलिशहर की एक महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने बिरजू को गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ जबरन वसूली, धमकी, आर्थिक धोखाधड़ी और हथियार अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए गए थे।

शुक्रवार को बिरजू को बैरकपुर अदालत में पेश किया गया था, जहां अदालत ने उन्हें पांच दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। पुलिस के अनुसार, शनिवार सुबह थाने के लॉकअप में बिरजू की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें कल्याणी स्थित जवाहरलाल नेहरू अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

हालांकि, बिरजू के परिवार ने आरोप लगाया है कि लॉकअप में पुलिस की पिटाई के कारण उनकी मौत हुई। पुलिस ने मारपीट के आरोपों से इनकार किया है। इसी मामले में परिवार से मिलने के लिए ममता बनर्जी रविवार को हलिशहर पहुंचीं। भूतबागान में ममता की कार पहुंचते ही प्रदर्शन शुरू हो गया। लोगों के एक हिस्से ने उनकी कार के पीछे दौड़ते हुए 'चोर-चोर' के नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बिरजू के परिवार के प्रति उनकी सहानुभूति है, लेकिन उनका आरोप है कि ममता बनर्जी ने पिछले 15 वर्षों में बंगाल को बर्बाद कर दिया है। प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि वह शांत बीजपुर इलाके को अशांत करने के लिए यहां आई हैं। ममता बनर्जी ने इस विरोध प्रदर्शन की कड़ी निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि लॉकअप में मौत के बाद भी परिवार को डराया जा रहा है और बाहर से लोगों को बुलाकर हंगामा कराया गया।

मणिपुर में बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद, तीन गिरफ्तार

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर में रविवार को सुरक्षा बलों और पुलिस द्वारा चलाए गए अलग-अलग अभियानों में अवैध रूप से स्थानीय शराब की आपूर्ति करने के आरोप में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया, जबकि बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और हथगोले बरामद किए गए।

इंफाल पूर्वी जिले में इरिलबुंग थाना क्षेत्र के लांगडुम लामखाई में तलाशी और जांच के दौरान सीडीओ/इंफाल ईस्ट ने अवैध रूप से स्थानीय शराब के परिवहन और आपूर्ति में कथित रूप से शामिल तीन लोगों को हिरासत में लिया। उनकी पहचान युमखैबाम जीनेन सिंह उर्फ मेकोला (28), युमखैबाम सुनील सिंह उर्फ नाओतोम्बा (23) और चिंगाखाम रोमियो सिंह (23) के रूप में हुई है। उनके पास से 810 लीटर स्थानीय शराब और तीन कारें जब्त की गईं।

एक अन्य अभियान में 9 अगस्त को इंफाल वेस्ट कमांडो, पटसोई थाना और 33 असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने पटसोई थाना क्षेत्र के खैरुम सबल में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान आठ एसबीबीएल बंदूकें, एक मैगजीन सहित 9 एमएम पिस्तौल, एक एंटी-रायट गन, डेटोनेटर के बिना तीन नंबर-36 एचई ग्रेनेड और एक डब्ल्यूपी ग्रेनेड बरामद किया गया।

इसके अलावा एसएलआर, इंसास और .303 हथियारों की छह खाली मैगजीन, 86 अलग-अलग प्रकार के कारतूस, छह एंटी-रायट शेल, एक वाहन संचार सेट और दो हैंडहेल्ड सेट भी बरामद किए गए।

इसी दिन इंफाल पूर्वी जिले के हेइंगांग थाना क्षेत्र के पोटशांगबाम खुनौ की तलहटी में चलाए गए एक अन्य तलाशी अभियान के दौरान मणिपुर पुलिस ने मैगजीन सहित एक .32 पिस्तौल, एक स्थानीय रूप से निर्मित बैरल गन और 20 नंबर-36 हैंड ग्रेनेड बरामद किए।

खेत में लगी झटका मशीन की चपेट में आकर नाबालिग लड़के की मौत

एजेंसी, सुलतानपुर

उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के बल्दीराय तहसील क्षेत्र के हलियापुर थाना अंतर्गत एक गांव में रविवार सुबह खेत में लगी झटका मशीन की चपेट में आने से एक नाबालिग लड़के की मौत हो गई।

हलियापुर थाना अंतर्गत पूरे नोखे मजरे मेघमऊ गांव निवासी आर्यन (16) रविवार सुबह अपने घर के सामने स्थित चरी के खेत में गया था। परिजनों का आरोप है कि पड़ोसी बैजनाथ तिवारी ने फसल की सुरक्षा के लिए खेत की मेड़ पर लगाई झटका मशीन में विद्युत तार जोड़ दिया था। इसी दौरान बेटा मेड़ की तार के संपर्क में आ गया और तेज करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सीओ आशुतोष कुमार ने बताया कि परिजनों की ओर से अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। हलियापुर थाना प्रभारी अतुल कुमार श्रीवास्तव ने भी नाबालिग लड़के की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि परिजनों की तरफ से अभी कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। नाबालिग लड़के की मौत के बाद प्रशासन ने खेतों में लगे सीधे विद्युत करंट और झटका मशीनों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उपजिलाधिकारी प्रभात सिंह ने किसानों को ऐसी मशीनें तत्काल हटाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जांच में तारों में विद्युत करंट या झटका मशीन पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एनआईए ने मालप्पुरम अवैध विस्फोटक मामले में मुख्य साजिशकर्ता को किया गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने केरलम के मालप्पुरम में अवैध विस्फोटकों की बरामदगी से जुड़े मामले में मुख्य साजिशकर्ता हारिस टीए को गिरफ्तार किया है। शनिवार को मालप्पुरम के मंजेरी से हुई इस गिरफ्तारी के साथ मामले में गिरफ्तार आरोपितों की संख्या 10 हो गई है। एनआईए के अनुसार, हारिस विस्फोटकों की अवैध खरीद की साजिश में शामिल था। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब एजेंसी मामले में विस्फोटकों की अवैध खरीद और उनके परिवहन के पीछे की व्यापक साजिश की जांच कर रही है।

मामला 7 फरवरी 2026 को मालप्पुरम के चेम्माड-थलाप्पारा रोड स्थित फरहा हॉलो ब्रिक्स कंपनी के परिसर में खड़े एक ट्रक से 89,600 विस्फोटक स्टिक और 10,500 शॉक ट्यूब (नॉनएल) बरामद होने से जुड़ा है। केरल् पुलिस ने ट्रक को रोककर उससे जुड़े तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। आरोपितों के पास विस्फोटकों को रखने या उनके परिवहन के लिए वैध लाइसेंस या अनुमति नहीं थी। इसके बाद एनआईए ने मामले को फिर से दर्ज कर जांच अपने हाथ में ली। जांच के दौरान एजेंसी ने तीन राज्यों में 19 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई और विस्फोटकों की अवैध खरीद तथा आवाजाही से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की गई।

एनआईए के मुताबिक, हारिस टीए मामले में मुख्य साजिशकर्ताओं में शामिल था और बरामद किए गए विस्फोटकों की अवैध खरीद में उसकी भूमिका सामने आई है। एजेंसी उससे पूछताछ कर विस्फोटकों की खरीद के स्रोत, उनके परिवहन और अंतिम गंतव्य के बारे में जानकारी जुटा रही है।

हारिस की गिरफ्तारी से एक दिन पहले 7 अगस्त को एनआईए ने कर्नाटक के विजयपुरा से तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इससे पहले भी एजेंसी इस मामले में कई आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। अब तक कुल 10 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

एनआईए की जांच का दायरा अब अवैध विस्फोटकों की बरामदगी तक सीमित नहीं है। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटकों की खरीद किस उद्देश्य से की गई थी, इन्हें कहां से हासिल किया गया और इनके परिवहन एवं आपूर्ति के पीछे कौन-कौन लोग शामिल थे।एजेंसी के अनुसार, मामले में व्यापक साजिश और विस्फोटकों की अवैध खरीद एवं आवाजाही से जुड़े नेटवर्क की जांच जारी है।

जींदः अभिनेत्री एव भाजपा सांसद कंगना रनौत पर बरसे खाप चौधरी

एजेंसी, जींद

गांव कंडेला के ऐतिहासिक सर्वजातीय खाप चबूतरे पर रविवार को खाप पंचायतों का सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में छह निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए हैं। सर्वजातीय खाप सम्मेलन में भाजपा सांसद कगना रनौत खिलाफ अभद्र भाषा बोलने पर निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। मुकद्मा दर्ज करवाने की भी चेतावनी दी गई। अश्लीलता तथा गंदा प्रसार करने वालों का सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा।

सभी खाप पंचायतें अपने-अपने गांव में कमेटी बनाएगी। जो समाज सुधार को लेकर आगे की रणनीति बनाएगी। खाप पंचायत ने बिजलीकर्मियों की मांगों तथा धरने का समर्थन किया। लव मैरिज तथा लिव इन रिलेशन सीएम नायब सैनी पक्ष तथा विपक्ष को साथ लेकर विधानसभा मे एक्ट में संशोधन कर उसे लागू करें। नशा के खिलाफ जो कार्रवाई नरवाना तथा कैथल में पुलिस ने कार्रवाई की उसका समर्थन किया। पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ कर्रवाई करेगी तो खापें उसमें पुलिस का सहयोग देगी। सर्वजातिय कंडेला खाप के प्रधान ओमप्रकाश कंडेला ने बताया कि खाप पंचायत में अनेक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए हैं। अभिनेत्री एवं भाजपा सांसद कंगना रानौत के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। वहीं लिव इन रिलेशन, लव मैरिज को लेकर सीएम तथा विपक्ष से एकजुट होकर एक्ट में संशोधन करने की मांग की गई। अश्लीलता फैलाने वालो व गंदा प्रचार करने वालो का सामाजिक बहिष्कार तथा बिजली कर्मियों की मांगो का समर्थन किया गया। खाप सम्मेलन की अध्यक्षता कंडेला खाप के प्रधान ओमप्रकाश ने की। खाप सम्मेलन मे लगभग 40 खापों तथा तपों के चौधरियों ने भाग लिया। खाप पंचायत में खाप चौधरियों ने सामाजिक ताने-बाने, भाईचारे को बनाए रखने, परम्पराओ, रीति रिवाजों को बनाए रखने पर जोर दिया। समाज में फैली बुराइयों से एकजुट होकर लडऩे का आह्वान किया गया। खाप पंचायत ने अभिनेत्री एवं भाजपा सांसद कगना रनौत द्वारा की गई अभद्र भाषा प्रयोग करने पर निंदा प्रस्ताव पारित किया गया।

असम में बाढ़ से 12 जिलों 147376 आबादी प्रभावित, 1 और शव मिला

एजेंसी, गुवाहाटी

असम में विनाशकारी बाढ़ का असर अभी भी राज्य के विभिन्न इलाकों में देखने को मिल रहा है। इस बीच, राज्य सरकार 10 अगस्त से स्कूलों को खोलने की योजना बना रही है। हालांकि स्कूलों में कीचड़ भरा हुआ है। ऊंचाई वाले विद्यालयों में प्रभावित लोग आश्रय लिए हुए हैं। ऐसे में शिक्षण कार्य तय तिथि पर शुरू हो पाएगा या नहीं, यह देखना होगा। ऊपरी असम के शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट और गोलाघाट में लोगों का सामान्य जीवन अभी भी बुरी तरह से प्रभावित है। राज्य के 12 जिले अभी भी बाढ़ प्रभावित हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 8 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार धनसिरि नदी (नुमलीगढ़ और गोलाघाट) तथा कुसियारा नदी (श्रीभूमि) इलाके में खतरे के निशान से अभी भी ऊपर बह रही है। शनिवार को गोलाघाट जिले में 1 और शव बरामद हुआ है। इस तरह बाढ़ से राज्य में मृतकों की कुल संख्या 98 पहुंच गई है। बाढ़ प्रभावित 12 जिलों में शोणितपुर, नगांव, गोलाघाट, शिवसागर, होजाई, दरंग, जोरहाट, धेमाजी, चराईदेव, कार्बी आंगलोंग, लखीमपुर और बिश्वनाथ शामिल हैं। इन जिले के 30 राजस्व मंडलों के कुल 460 गांव प्रभावित हैं। राज्य की कुल 147376 आबादी अभी भी प्रभावित हैं एवं 10599.89 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है।

राहत एवं बचाव अभियान में एसडीआरएफ, सेना/अर्धसैनिक बल, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ, एयर फोर्स, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन, नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक और अग्निशमन विभाग जुटा हुआ है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में शनिवार को राज्य सरकार ने कुल 55 मेडिकल टीमों को तैनात किया। 10 नावें भी राहत कार्य में जुटी रहीं। इस बीच नावों के जरिए बाढ़ प्रभावित 135 लोगों को बचाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं 5 मवेशियों को भी नावों के जरिए सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। बाढ़ से बड़े पैमाने पर सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढांचे को नुकसान पहुंचा है। इसकी मरम्मत के लिए सरकार लगातार समीक्षा बैठक कर हालात का जायजा ले रही है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा एवं राज्य सरकार के कई मंत्री लगातार अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रभावितों की मदद के लिए हर संभव कदम उठा रहे हैं।

चार गांवों में 100 से अधिक घर जलमग्न जल निकासी के लिए रात में चला अभियान

एजेंसी, नूंह

नूंह जिले में भारी बारिश के बाद जलभराव की समस्या से प्रभावित गांवों में लोगों को राहत दिलाने के लिए प्रशासन ने शनिवार रात विशेष जल निकासी अभियान चलाया। बदरपुर, उलेटा, जेताका और अकलीमपुर गांवों में जलभराव की स्थिति गंभीर बनी हुई थी। ग्रामीणों के अनुसार, चारों गांवों में 100 से अधिक घरों में करीब तीन से चार फुट तक पानी भर गया था। जलभराव के कारण कई मकानों की दीवारें भी गिर गईं, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जिला उपायुक्त अखिल पिलानी के निर्देश पर विभिन्न विभागों के अधिकारी शनिवार रात ही मौके पर पहुंचे और जल निकासी के कार्य की निगरानी की। प्रशासन की ओर से जेसीबी मशीनों की सहायता से सड़कों और रास्तों को काटकर पानी की निकासी के लिए सीमेंट के पाइप यानी कुलावे डाले गए। इन पाइपों के माध्यम से रुके हुए बरसाती पानी को दूसरे स्थानों और जंगल की ओर निकाला गया, जिससे जलभराव वाले क्षेत्रों में पानी का स्तर कम किया जा सके।

मौके पर हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के कनिष्ठ अभियंता रियाज मोहम्मद, सिंचाई विभाग के कनिष्ठ अभियंता मोहम्मद ओवैस खान तथा पंचायत विभाग के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल आजाद सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया और आवश्यकतानुसार जल निकासी की व्यवस्था कराई।

नई दिल्ली में 7वें अंतरराष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा सम्मेलन में मध्य प्रदेश को मिली सराहना

एजेंसी, भोपाल

◆ दिल्ली मेट्रो ने मध्य प्रदेश सरकार का विद्युत आपूर्ति के लिये जताया आभार

विगत दिनों दिल्ली में आयोजित 7वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मध्य प्रदेश को सराहना मिली है। दिल्ली मेट्रो के महानिदेशक प्रमित गर्ग ने दिल्ली मेट्रो को बगैर किसी निवेश के मध्य प्रदेश सरकार द्वारा निरंतर विद्युत आपूर्ति के लिये आभार जताया। सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। यह जानकारी रविवार को प्रदेश के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विगत दिनों दिल्ली में आयोजित 7वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन स्थल तक एयरपोर्ट से मेट्रो रेल से यात्रा की थी। इस अवसर पर उन्होंने कहा था कि हमारे लिये गर्व की बात है कि दिल्ली की मेट्रो रेल वर्ष 2018 से प्रदेश के द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विद्युत से संचालित हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली मेट्रो संचालन के लिये मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2044 तक निरंतर विद्युत आपूर्ति की जाएगी। वे नई दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मध्य प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा को बढावा देने के लिये किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों पर जब प्रेजेंटेशन दे रहे थे, उस समय बैकग्राउण्ड में स्क्रीन पर दिल्ली मेट्रो में सफर संबंधित चित्र प्रदर्शित हो रहे थे। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने मध्य प्रदेश के कार्यों की सराहना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में कहा कि मध्य प्रदेश वर्ष 2030 तक देश के 500 गीगा वॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। राज्य नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण तथा हरित औद्योगिक विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मप्र आज देश के अग्रणी राज्यों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। नई दिल्ली में आयोजित 7वें अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी-2026 के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमार स्वामी तथा भूटान के ऊर्जा एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री एच.ई. ल्योनपो जेम त्शेरिंग तथा श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री अनुरा करुणाथिलका, मप्र के अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव सहित देश-विदेश के ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञ, नीति-निर्माता और उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 10 अगस्त, 2026

खेल मंत्री मांडविया ने 'नशामुक्त भारत' संदेश के साथ फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 85वें संस्करण का किया नेतृत्व

एजेंसी, हणोल (गुजरात)

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को गुजरात के हणोल से फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 85वें संस्करण का नेतृत्व किया। इस अवसर पर युवाओं, माय भारत और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) से जुड़े प्रतिभागियों ने 'नशामुक्त भारत' का सामूहिक संकल्प लिया। अभियान का संदेश रहा- 'फिटनेस को हां कहें, ड्रग्स को ना कहें।' युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से फिट इंडिया अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखते हुए फिटनेस को स्वस्थ जीवनशैली के सकारात्मक विकल्प के रूप में बढ़ावा देना था। डॉ. मांडविया ने संडे ऑन साइकिल को जन आंदोलन बताते हुए कहा, "मुझे खुशी है कि यह पहल प्रधानमंत्री के फिट इंडिया आंदोलन को आगे

बढ़ाने के लिए एक बड़े आंदोलन के रूप में विकसित हुई है। देशभर में 10,000 से अधिक स्थानों पर युवाओं ने साइकिलिंग के माध्यम से यह संदेश दिया है।" डॉ. मांडविया ने दिसंबर 2024 में संडे ऑन साइकिल की शुरुआत की थी। इसके बाद से पूरे देश में 30 लाख से अधिक लोग इस अभियान में भाग ले चुके हैं। दिल्ली में इसका मुख्य कार्यक्रम मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण सामूहिक 'नशामुक्त भारत' संकल्प रहा, जिसमें 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने नशे से मुक्त जीवन जीने और अपने परिवार, दोस्तों तथा समुदाय को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। रविवार सुबह 5:30 बजे तक 1000 से अधिक लोग स्टेडियम पहुंच गए थे। प्रतिभागियों ने योग और जुंबा जैसी गतिविधियों में हिस्सा लिया। इसके बाद इंडिया गेट और कर्तव्य पथ के आसपास पांच किलोमीटर की साइकिल यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में कैरम, शतरंज, लूडो और बैडमिंटन के लिए गेम जोन भी बनाया गया। इसके अलावा रस्साकशी और बाधा दौड़ जैसी फिटनेस गतिविधियां भी आयोजित की गईं। कार्यक्रम में अभिनेता एवं मॉडल सिद्धार्थ निगम, अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश खिलाड़ी और जूनियर राष्ट्रीय चैंपियन गुरवीर सिंह, फिट इंडिया एंबेसडर नरेंद्र कुमार और फिट इंडिया चैंपियन एवं प्रसिद्ध जुंबा प्रशिक्षक मीनल पाठक ने भी हिस्सा लिया। साइकिल यात्रा पूरी करने के बाद अभिनेता और जिम्नास्ट सिद्धार्थ निगम ने कहा, "सुबह पांच बजे बाहर निकलना और दिल्लीभर के लोगों को इतनी ऊर्जा और उत्साह के साथ साइकिल चलाते देखना शानदार अनुभव था। 'नशा मुक्त भारत' की थीम के साथ फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम यह मजबूत संदेश देता है कि हमें हानिकारक नशे की जगह फिटनेस, कड़ी मेहनत और अपने लक्ष्य हासिल करने की आदत अपनानी चाहिए।

भारत का श्रीलंका दौरा : शुभमन गिल ने नेट्स पर की वापसी

एजेंसी, कोलंबो

भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने रविवार को श्रीलंका क्रिकेट XI के खिलाफ एकमात्र अभ्यास मैच से बाहर रहने के बाद नेट्स पर वापसी की। कोलंबो के एनसीसी मैदान पर खेले जा रहे अभ्यास मैच के तीसरे और अंतिम दिन गिल को साइड नेट्स में बल्लेबाजी करते देखा गया।

गिल अभ्यास मैच से पहले दाएं हाथ की अनामिका उंगली में चोट लगने के कारण मुकाबले से बाहर हो गए थे। अभ्यास के दौरान बल्लेबाजी करते समय उनकी उंगली पर गेंद लगी थी। टॉस के समय केएल राहुल को भारतीय टीम की कप्तानी

सौंपी गई थी। इसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया था कि गिल अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे। बीसीसीआई ने बयान में कहा था, "कप्तान शुभमन गिल को गुरुवार को भारत के अभ्यास सत्र के दौरान दाएं हाथ की अनामिका उंगली में चोट लगी। एहतियाती कदम के तौर पर वह श्रीलंका क्रिकेट XI के खिलाफ अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे।" हालांकि, मैच के दूसरे दिन भारतीय टीम की बल्लेबाजी के दौरान भी गिल बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। उनकी नियमित बल्लेबाजी क्रम की चौथी पारी पर रविंद्र जडेजा बल्लेबाजी करने आए। गिल का नेट्स पर लौटना भारत के लिए राहत की खबर है क्योंकि भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी। इसके बाद दूसरा टेस्ट कोलंबो के एसएससी स्टेडियम में खेला जाएगा।

म्बेउमो के गोल से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने पीएसजी को 1-1 से बराबरी पर रोका

एजेंसी, गॉथेनबर्ग (स्वीडन)

ब्रायन म्बेउमो के शानदार गोल की मदद से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने प्री-सीजन मैत्री मैच में शनिवार को यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। उललेवी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के साथ ही यूनाइटेड ने प्री-सीजन में अपना अजेय अभियान जारी रखा। पीएसजी ने मुकाबले की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की। सेनेगल के युवा फारवर्ड इब्राहिम म्बाये ने मैच के दूसरे मिनट के भीतर ही गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। 2026 फीफा विश्व कप में प्रभावित करने वाले म्बाये ने पीएसजी के पहले ही मौके को गोल में बदलकर यूनाइटेड पर दबाव बना दिया। यूनाइटेड को 20 मिनट के बाद बड़ा झटका लगा, जब मेसन माउंट चोटिल होकर मैदान से बाहर हो गए। इसके बावजूद टीम ने दबाव झेला और आधे घंटे का खेल पूरा होने के बाद बराबरी हासिल कर ली। एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ पिछले मुकाबले में दो गोल करके यूनाइटेड को 2-1 से जीत दिलाने वाले ब्रायन म्बेउमो ने एक बार फिर टीम को संकट से बाहर निकाला।

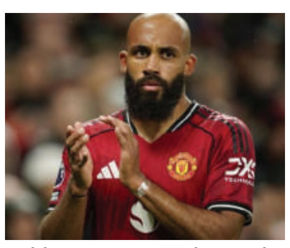

उन्होंने शानदार फिनिश के साथ गेंद को गोल में पहुंचाकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद यूनाइटेड ने लगातार पीएसजी पर दबाव बनाया और गोल पर छह शॉट लगाए, जबकि पीएसजी के खिलाड़ी सिर्फ दो शॉट ही लक्ष्य पर रख सके। हालांकि, रूसी गोलकीपर माटवे सफोनोव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच महत्वपूर्ण बचाव किए और अपनी टीम को हार से बचाया। माइकल कैरिक की टीम को इससे पहले रेक्सहैम एएफसी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उसके बाद के तीन मुकाबलों में यूनाइटेड ने दो जीत और एक ड्रॉ हासिल किया है। इस तरह टीम का अजेय अभियान तीन मैचों तक पहुंच गया है। वहीं, पीएसजी की पिछली जीत मई में लेंस के खिलाफ 2-0 से आई थी। इसके बाद टीम को दो हार और दो ड्रॉ का सामना करना पड़ा है।

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग : गिल फाजिल्का फाल्कन्स, अभिषेक अमृतसर सूरमाज़ के मार्की खिलाड़ी बने

एजेंसी, चंडीगढ़

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल आगामी शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में फाजिल्का फाल्कन्स की ओर से खेलेंगे। वहीं विस्फोटक ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा को अमृतसर सूरमाज़, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को लुधियाना लायंस और विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह को जालंधर वॉरियर्स का मार्की खिलाड़ी बनाया गया है।

रमनदीप सिंह मोहाली किंग्स के मार्की खिलाड़ी होंगे, जबकि युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बरार बठिंडा रॉयल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। पंजाब क्रिकेट से जुड़े इन प्रमुख खिलाड़ियों की मौजूदगी से शेर-ए-पंजाब टी20 लीग की लोकप्रियता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। लीग पंजाब के उभरते क्रिकेटरों को स्थापित अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलने और अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा मंच उपलब्ध कराएगी। इससे राज्य के युवा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर के क्रिकेटरों से सीखने और आगे

बढ़ने का अवसर मिलेगा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "पंजाब हमेशा से असाधारण क्रिकेट प्रतिभाओं की भूमि रहा है और शेर-ए-पंजाब टी20 लीग उस प्रतिभा को सामने लाने का महत्वपूर्ण मंच है। शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह जैसे खिलाड़ियों की मौजूदगी राज्य के अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को प्रेरित करेगी। हम चाहते हैं कि पंजाब लगातार ऐसे खिलाड़ी तैयार करता रहे जो सर्वोच्च स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर सकें।" पीसीए सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा, "शेर-ए-पंजाब टी20 लीग के नए सत्र के लिए मार्की खिलाड़ियों की घोषणा एक उत्साहजनक शुरुआत है। इन खिलाड़ियों ने सर्वोच्च स्तर पर अपनी पहचान बनाई है और उनकी भागीदारी पंजाब के युवा क्रिकेटरों को सीखने, प्रतिस्पर्धा करने और आगे बढ़ने का अवसर देगी। स्थापित भारतीय सितारों और उभरती प्रतिभाओं का यह संयोजन पंजाब के क्रिकेट ढांचे को मजबूत करने और राज्य के अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों के लिए नए अवसर पैदा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।"

ट्रेविस हेड टेस्ट में सलामी बल्लेबाजी जारी रखने को लेकर आश्वस्त

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के अनुभवी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने हाल ही में क्रिकेटर ऑफ द ईयर के रूप में प्रतिष्ठित एलन बॉर्डर मेडल जीतने के बाद अपनी बल्लेबाजी भूमिका पर अहम बयान दिया है। हेड ने कहा है कि वह टेस्ट क्रिकेट में बतौर सलामी बल्लेबाज आगे भी खेलना जारी रखना चाहते हैं। उनका मानना है कि वह अपने खेल को लेकर काफी सहज हैं और इस महत्वपूर्ण भूमिका में प्रभावी प्रदर्शन कर सकते हैं। हेड, जो व्हाइट-बॉल क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए लगातार सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाते हैं, को इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज से पहले तक सिर्फ भारत और श्रीलंका में विशेष परिस्थितियों में ही टेस्ट में ओपनिंग करते देखा गया था। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के दौरान पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में उस्मान ख्वाजा के चोटिल होने के बाद उन्हें सलामी बल्लेबाजी का मौका मिला। ट्रेविस हेड ने इस अवसर को दोनों हाथों से भुनाया। उन्होंने पर्थ में केवल 83 गेंदों पर शानदार 123 रन बनाए, जिससे ऑस्ट्रेलिया को

इंग्लैंड पर महज दो दिन में एकतरफा जीत हासिल करने में मदद मिली। इस धमाकेदार शुरुआत के बाद उन्होंने एडिलेड और सिडनी में भी शतक लगाए और एशेज सीरीज का समापन 629 रनों के साथ किया, जो सीरीज में किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन थे। उनके इस असाधारण प्रदर्शन का प्रभाव अब उस सीरीज से कहीं आगे तक दिख रहा है। टीम के आने वाले व्यस्त शेड्यूल को देखते हुए, जिसमें ऑस्ट्रेलिया 20 टेस्ट खेल सकता है या वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने पर 21 टेस्ट खेल सकता है, हेड का टेस्ट ओपनर के तौर पर अपनी जगह बनाए रखना तय लग रहा है। टॉप ऑर्डर में अपनी भूमिका पर बात करते हुए हेड ने स्वीकार किया कि उनका फर्स्ट-क्लास करियर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में ओपनिंग बल्लेबाज की पारंपरिक छवि के अनुरूप नहीं है।

डीपीएल : आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 25 रन से हराया

एजेंसी, नई दिल्ली

यजस शर्मा की आक्रामक पारी और शिवम शर्मा व नवदीप सैनी की शानदार गेंदबाजी के दम पर शनिवार देर रात आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 25 रन से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 216/9 का विशाल स्कोर खड़ा किया और सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 17.2 ओवर में 191 रन पर समेट दिया। आउटर दिल्ली वॉरियर्स को मजबूत शुरुआत दिलाने में यजस शर्मा ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने महज 25 गेंदों में 46 रन बनाए, जिसमें चार चौके और तीन छक्के शामिल रहे। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने

टीम के बड़े स्कोर की नींव रखी। मध्य ओवरों में जोंटी सिद्धू (2/14) और मोनी ग्रेवाल (2/47) ने वॉरियर्स पर दबाव बनाया, लेकिन टीम ने अंतिम ओवरों में शानदार वापसी की। शिवम शर्मा ने 10 गेंदों में 24, हर्ष त्यागी ने 10 गेंदों में 24 रन बनाए, जबकि कप्तान सिद्धांत शर्मा ने सिर्फ पांच गेंदों में नाबाद 19 रन ठोककर टीम को 200 रन के पार पहुंचाया। यश धुल ने दी तेज शुरुआत, फिर लड़खड़ाई पारी 217 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स को कप्तान यश धुल ने तूफानी शुरुआत दिलाई। धुल ने 23 गेंदों में छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 47 रन बनाए। हालांकि, प्रथन सलूजा ने उन्हें आउट कर किंग्स को बड़ा झटका दिया। इसके बाद शिवम शर्मा और हर्ष त्यागी ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर सेंट्रल दिल्ली किंग्स की कमर तोड़ दी। शिवम ने 37 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि हर्ष ने 26 रन देकर दो विकेट चटकाए। 14वें ओवर तक किंग्स का स्कोर 141/8 हो गया और उसकी हार लगभग तय नजर आने लगी। इसके बाद जसवीर सेहरावत ने शानदार पलटवार करते हुए मुकाबले में रोमांच पैदा कर दिया। उन्होंने सिर्फ 33 गेंदों में छह चौकों और चार छक्कों की मदद से 62 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने दिविज मेहरा (2*) के साथ नौवें विकेट के लिए केवल 20 गेंदों में 50 रन की साझेदारी कर सेंट्रल दिल्ली किंग्स की उम्मीदें जगा दीं।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप: बसंत ने रचा इतिहास, हाई जंप में जीता रजत

एजेंसी, यूजीन

भारत के बसंत कुमार मेघवाल ने विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। राजस्थान के अनूपगढ़ के 19 वर्षीय बसंत इस प्रतियोगिता के इतिहास में हाई जंप पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। साथ ही इस प्रतियोगिता में ये भारत का दूसरा पदक है।

बसंत ने फाइनल में 2.21 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई, जो उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी है। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने भारत को मौजूदा चैंपियनशिप का दूसरा पदक दिलाया। इससे पहले शुक्रवार को आशीष यादव ने भाला फेंक में रजत पदक जीता था। स्वर्ण

पदक अल्जीरिया के यूनुस अयाची ने जीता, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के ओटिस पूल ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

2.21 मीटर की ऊंचाई पार करने के बाद तीनों पदक विजेता 2.24 मीटर की ऊंचाई पार नहीं कर सके। इसके बाद काउंटबैक के आधार पर विजेता का फैसला हुआ। अयाची ने 2.21 मीटर अपनी पहली कोशिश में पार किया था, जबकि बसंत को इसे पार करने के लिए दो प्रयास और पूल को तीन प्रयास करने पड़े। इसी आधार पर अयाची ने बसंत को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अनूपगढ़ के रहने वाले बसंत का यह प्रदर्शन भारतीय एथलेटिक्स के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने न केवल विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई, बल्कि अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप में हाई जंप में भारत के लिए पहला पदक भी सुनिश्चित किया।

अश्मिता चालीहा ने कोरिया मास्टर्स अपने नाम किया, पहली बार जीता बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब

एजेंसी, सियोल

भारत की अश्मिता चालीहा ने रविवार को शानदार वापसी करते हुए चीन की हान कियान शी को हराकर बीडब्ल्यूएफ कोरिया मास्टर्स 2026 का महिला एकल खिताब जीत लिया है। यह अश्मिता का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। 26 वर्षीय गुवाहाटी की अश्मिता ने चौथी वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी के खिलाफ पहला गेम 14-21 से गंवाने के बाद जोरदार वापसी की और अगले दोनों गेम 21-14, 21-14 से जीतकर 53 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। निर्णायक गेम में अश्मिता

एक समय 9-11 से पीछे चल रही थीं, लेकिन कोर्ट के दूसरे छोर से मिल रही अनुकूल ड्रिफ्ट का उन्होंने शानदार फायदा उठाया। उन्होंने इसके बाद बचे 15 में से 12 अंक जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मई में तीन महीने की चोट के बाद वापसी करने वाली विश्व की 50वें नंबर की अश्मिता ने बीडब्ल्यूएफ टूर पर लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। वापसी के बाद अपने पहले दो टूर्नामेंटों में उन्होंने चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था। इस खिताबी जीत से पहले उनके लिए इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जून में मकाऊ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचना था, जहां उन्हें दक्षिण कोरिया की उपविजेता पार्क गा-उन से हार मिली थी। राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, गुवाहाटी में पार्क ताए-सांग के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेने वाली अश्मिता ने कोरिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान की हिना अकेची को हराया था।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप: शाहनवाज खान ने लंबी कूद में जीता कांस्य

एजेंसी, यूजीन। भारत के शाहनवाज खान ने शनिवार को विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 की पुरुष लंबी कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह इस चैंपियनशिप में भारत का तीसरा पदक है। इससे पहले आशीष यादव ने भाला फेंक में और बसंत कुमार मेघवाल ने ऊंची कूद में रजत पदक जीता था। शाहनवाज ने फाइनल में 7.84 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। वह विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में लंबी कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बन गए हैं। इससे पहले शाइली सिंह ने 2021 में महिलाओं की लंबी कूद में रजत पदक जीता था। हालांकि, शाहनवाज के लिए यह पदक कुछ मायनों में निराशाजनक भी रहा होगा, क्योंकि उनकी सर्वश्रेष्ठ छलांग उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.30 मीटर से काफी कम रही। दूसरे भारतीय फाइनलिस्ट आर.सी. जितिन अर्जुनन भी अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 8.12 मीटर के करीब नहीं पहुंच सके। उन्होंने 7.59 मीटर की छलांग के साथ आठवां स्थान हासिल किया। इटली के डेनियल लियोनार्डो इंजोली ने 7.97 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीता। ऑस्ट्रेलिया के मेसन मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक हासिल किया।

यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आगाज सोमवार से, डुप्लांटिस और इंगब्रिग्त्सेन पर रहेंगी नजरें

एजेंसी, बर्मिंघम

विश्व रिकॉर्डधारी और ओलंपिक चैंपियन अर्मांड 'मोंडो' डुप्लांटिस समेत दुनिया के 10 मौजूदा चैंपियन सोमवार से शुरू हो रही यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में पदक के लिए उतरेंगे। ब्रिटेन में पहली बार आयोजित हो रही इस चैंपियनशिप में 49 देशों के एथलीट हिस्सा लेंगे और 50 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला होगा। डुप्लांटिस पुरुषों की पोल वॉल्ट स्पर्धा में आकर्षण का केंद्र होंगे। उनके अलावा आइजैक नाडेर (1500 मीटर), जिमी ग्रेसियर (5000 और 10,000 मीटर), मैटिया फुरलानी (लंबी कूद), पेड्रो पिचार्डो (त्रिकूद), डेनियल स्टाहल (चक्का फेंक) और लियो न्यूगेबॉयर (डेकाथलॉन) मौजूदा विश्व चैंपियन हैं। महिलाओं में फेमके बोल (400 मीटर बाधा दौड़), दिताजी कांबुंडी (100 मीटर बाधा दौड़) और मारिया पेरेज प्रमुख विश्व चैंपियन हैं। डुप्लांटिस, जैकब इंगब्रिग्त्सेन, मिल्टियादिस टेंटोग्लू और नॉर्वे के 400 मीटर बाधा धावक कार्स्टेन वारहोम लगातार चौथा यूरोपीय खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगे। वहीं यारोस्लावा माहुचिख और कीली हॉगिन्सन लगातार तीसरा स्वर्ण जीतने की कोशिश करेंगी। डुप्लांटिस लंदन डायमंड लीग में बायीं जांघ की समस्या के कारण हिस्सा नहीं ले पाए थे। उन्होंने वहां 5.95 मीटर की छलांग लगाने के बाद प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया था। हालांकि जांच में कोई चोट नहीं मिली और अब वह बर्मिंघम में वापसी के लिए तैयार हैं। डुप्लांटिस अब तक 15 बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। उन्होंने 2020 में 6.17 मीटर के साथ पहली बार विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जबकि उनका मौजूदा विश्व रिकॉर्ड 6.31 मीटर है, जो उन्होंने मार्च में स्वीडन में बनाया था।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

हरी खाद का महत्व

फसल की कटाई के बाद ज्यादा से ज्यादा भूमि में मिश्रित हरी खाद बोने (या बाहर से लाकर खेत में देने) से मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बढ़ाने का बेहद कारगर तरीका है। इसे जैविक और रसायनिक खेती करने वाले दोनों तरह के किसान अपना सकते हैं। सनई, ढैंचा, उर्द और मूंग आदि से मिट्टी में मुख्य तौर पर नाइट्रोजन की आपूर्ति होती है, जबकि मिश्रित हरी खाद से हर फसल की जड़ों में इर्द–गिर्द अलग–अलग सूक्ष्म जीव पनपते हैं, जो मिट्टी में आवश्यक तत्वों की आपूर्ति करते हैं। इसलिए मिश्रित हरी खाद से पौधे को संतुलित पोषण मिलता है, जिससे फसल प्राकृतिक रूप से स्वस्थ होती है और कीड़ों, रोगों एवं प्रतिकूल मौसम का मुकाबला कर पाती है।

अगली फसल की बुआई से 10–15 दिन पहले या हरी खाद का तना सख्त होने से पहले या 50 प्रतिशत फूल बनने से पहले, जो भी पहले हो, जुताई कर दें। हरी खाद की बुआई के 30 से 45 दिन के बीच जुताई की जा सकती है। इसके साथ ही यह सावधानी रखनी जरूरी है कि हरी खाद की जुताई और अगली फसल की बुआई (रोपाई) के बीच लगभग 10–15 दिन का अंतर अवश्य हो नहीं तो अगली फसल का फुटाव (जर्मिनेशन और इमरजेन्स) प्रभावित होता है।

हरी खाद के लिये मुख्यत: दलहनी फसलों (ढैंचा, सनई, बरसीम, लोबिया, उर्द, मूंग) को ही लेते हैं जिसमें निम्नलिखित विशेषता होनी चाहिए–

- फसल शीघ्र बढ़ने वाली हो।
- ऐसी फसल होनी चाहिये जिसमे तना, शाखाएं और पत्तियां कोमल हो, जो आसानी से मिट्टी मे अपघटित हो कर जीवांश की मात्रा को बढायें।
- मूसला (गहरी) जड़ों वाली फसलों को लें जिससे अधिक गहराई से पोषक तत्वों को ले सके साथ ही लवणीय और क्षारीय भूमि में भी अन्त: जल निकास का कार्य करे।
- फसल सूखा अवरोधी होने के साथ बाढ़ की स्थिति (जलमग्नता) को भी सहन कर सके।
- दलहनी फसलों की जड़ों में उपस्थित सहजीवी जीवाणु जो ग्रंथियों के रूप में रहते हैं वातावरण में मुक्त नाइट्रोजन को भूमि में स्थिरीकरण करके पौधों को उपलब्ध कराती है।
- हरी खाद के साथ–साथ फसलों को अन्य कामों में भी लाया जा सकें।
- रोग और कीट कम लगते हों तथा बीज उत्पादन की क्षमता भी अधिक हो।

हरी खाद से मृदा और फसलों में होने वाले प्रभाव

- दलहनी फसलों की जड़ें मजबूत होने के साथ गहराई तक जाती हैं जिससे यह कम उपजाऊ भूमि में अच्छी प्रकार से उगती है और मिट्टी को एक साथ बांधे रखती है जिससे मृदा– क्षरण कम होता है।
- हरी खाद से मृदा में जैविक पदार्थों की मात्रा भी बढ़ जाती है।
- राइजोबियम जीवाणु की उपस्थिति में दलहनी फसलों के द्वारा 60–150 किग्रा नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर तक की प्राप्ति होती है।
- हरी खाद से मिट्टी के भौतिक एवं रसायनिक गुणों में प्रभावी परिवर्तन होता है जिससे सूक्ष्म जीवों के संख्या, क्रियाशीलता एवं आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्धता मे वृद्धि होती है।
- धान के पौधों की लम्बाई, पत्तियों में हरित–लवक और रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है।
- गुणवत्ता–युक्त उपज की प्राप्ति होती है जिससे बाजार मूल्य अधिक मिलता है।
- हरी खाद के प्रयोग से पहले वर्ष के साथ–साथ दूसरे और तीसरे वर्ष में भी फसलों को पोषक तत्वों की प्राप्ति होती है।
- प्रोटीन की प्रचुर मात्रा के कारण पोषकीय चारा उपलब्ध कराने में हरी खाद पारिस्थितिक संतुलन को बनाये रखती है तथा मृदा उर्वरता को स्थायित्वता प्रदान करती है।
- हरी खाद टिकाऊ खेती के लिये एक अच्छा विकल्प है।
- क्षारीय एवं लवणीय भूमि के सुधार के लिये हरी खाद का प्रयोग करते हैं।

कम वर्षा में बाजरे की अच्छी पैदावार

जलवायु एवं मिट्टी

बाजरे की खेती भारत में मुख्य रूप से अधिक तापमान और शुष्क वातावरण वाले लगभग सभी राज्यों में की जाती है। बाजरे की फसल को बोते समय अधिक तापमान और आर्द्रता की आवश्यकता होती है, जबकि पकते समय शुष्क वातावरण की आवश्यकता होती है। इसकी वृद्धि एवं विकास के लिए 28 से 32 डिग्री सेल्सियस तापमान की आवश्यकता होती हैं। इसकी खेती के लिये बलुआर दोमट मिट्टी जिसमें जल निकास अच्छा हो, सर्वाधिक अनुकूल पायी गयी है। यह अम्लीय मिट्टी के प्रति संवेदनशील है।

खेत की तैयारी

एक गहरी जुताई के बाद दो हल्की जुताई एवं पाटा लगाना आवश्यक है। अच्छे जलधारण क्षमता संर्वधन के लिए खेत तैयारी के 15 दिन पूर्व खेतों में 10 बैलगाड़ी गोबर की सड़ी खाद, प्रति हेक्टेयर के हिसाब से फसल की बोआई से पहले खेत में डालें। खेत में नमी की उपयुक्त मात्रा चाहिए तथा नमी कम हो तो उसे सिंचाई से दूर करें। बाजरे के खेत में जल निकलने का सही इंतजाम हो, क्योंकि यह फसल ज्यादा पानी नहीं बरदाश्त कर सकती है।

बाजरे की किस्में

आईसीएमबी155, डब्लूसीसी 75, आईसीटीबी 8203, एचएचबी 67, पूसा कम्पोजिट 612, 443 और 383, पूसा संकर 415, 605, 322 और 23, आईसीएमएच 441 इत्यादि।

बुआई समय

बाजरा खरीफ की फसल है इसलिए गरमी के मौसम में बोया जाता है। बाजरे की बोआई का सही वक्त मध्य जून से मध्य जुलाई तक है।

बीज दर व बुवाई

चार–पांच किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज बोयें। पौधा से पौधा 12–15 सेंटीमीटर तथा कतार से कतार 45–50 सेंटीमीटर दूर हो। कतारों में बुवाई से फसल को कम पानी की आवश्यकता होती है तथा पोषक तत्व भी सही मात्रा में पौधे को उपलब्ध होते हैं।

रोपण

एक हेक्टेयर क्षेत्र में रोपण के लिए पौधे तैयार करने हेतु लगभग 2 किग्रा बीज 500–600 वर्गमीटर उठी हुई क्यारियों में बोते है। नर्सरी से 2–3 सप्ताह बाद पौधों को सावधानी पूर्वक उखाड़कर जुलाई के तीसरे सप्ताह तक मुख्य खेत में रोपाई कर दें। यदि वर्षा देरी से या लगातार भारी वर्षा हो तो ऐसी स्थिति में बाजरा की सीधी बुवाई न कर पौध तैयार कर मुख्य खेत में रोपित किया जा सकता है।

खरपतवार नियंत्रण

बोआई के 3–5 सप्ताह के बाद पतली खुरपी से खरपतवार की निराई करें। इसमें रसायनिक खरपतवार नियंत्रण भी एक अच्छा विकल्प है, इसके लिए एट्राजीन (50 डब्लयू.पी.) का 500 ग्राम (हल्की मिट्टी) एवं 750 ग्राम (दोमट अथवा भारी मिट्‌टी) को 250–300 लीटर पानी में घोलकर बाजरा बोआई के 2–3 दिनों के अंदर खेतों में छिड़काव करने से चौड़ी व सकरी दोनों तरह की खरपतवार का नियंत्रण हो जाता है।

सिंचाई प्रबंधन

वैसे तो बाजरे की फसल वर्षा ऋतु की फसल है और बारिश पर ही निर्भर होती है। लेकिन यदि बरसात नहीं हो तो अच्छी पैदावार लेने हेतु फुटान अवस्था, सिट्टे लिकलते समय एवं दाना बनते समय पानी की कमी नहीं हो। अत: वर्षा का आभाव हो तो इन कांतिक अवस्थाओं पर पर्याप्त सिंचाई जल की व्यवस्था करनी आवश्यक है।

उर्वरक उपयोग

असिंचित बिजाई के समय प्रति हेक्टेयर 65 किलोग्राम यूरिया व एसएसपी 125 किलोग्राम का उपयोग करें। वर्षा की स्थिति के आधार पर सामान्यत: प्रति हेक्टेयर 30–90 किलोग्राम नत्रजन, 20–30 किलोग्राम फास्फोरस की सिफारिश की जाती है। इसके लिए बिजाई के समय प्रति हेक्टेयर 35–100 किलोग्राम यूरिया, 125–200 किलोग्राम एसएसपी, 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट का उपयोग करें तथा सिट्टे बनते समय 35–100 किलोग्राम यूरिया का उपयोग करें। बाजरा की फसल में थायो यूरिया जो एक पादप वृद्धि नियामक है। इसका एक प्रतिशत पानी का घोल बनाकर बुवाई के 30–37 दिन बाद एवं सिट्टे बनते समय दूसरा छिड़काव करने से उपज में 10–17 प्रतिशत वृद्धि बड़ाई जा सकती है। इससे फसल में सूखा सहन करने की क्षमता में वृद्धि होती है।

कटाई व उपज

बाजरे की कटाई फसल के पूर्ण पकने के बाद करते है जोकि अक्टूबर–नवंबर की जाती है। इसकी दो तरह से कटाई की जाती है, एक तो नीचे से कटाई कर के सट्टे (बाली) बाद में काटते हैं और दूसरा खड़ी फसल के सट्टे (बाली) काट कर फिर कटाई करते हैं। दोनों ही सूरत में बालें धूप में सुखाने के लिए रखा जाता है। साधारणतय: देशी किस्म से 6–8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तथा संकर किस्म से 15–20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की उपज प्राप्त हो जाती है।

सोयाबीन की फसल पर जल भराव का प्रभाव

जल भराव का फसल और पैदावार पर प्रभाव

सोयाबीन फसल को अन्य फसलों की तुलना में विकास एवं अनाज उत्पादन के लिए अधिक नाइट्रोजन की आवश्यकता होती है। क्योंकि सोयाबीन के बीज में प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है जिसको बनाने के लिए पौधे को नाइट्रोजन की अधिक आवश्यकता होती है। सोयाबीन का पौधा सहजीवी राइजोबिया के साथ मिलकर वातावरण से नाइट्रोजन लेकर उसका जड़ों के नोड्यूल्स में स्थिरीकरण कर सकता है। हालांकि नाइट्रोजन स्थिरी करण की प्रक्रिया में पौधे तो अधिक ऊर्जा के साथ-साथ सही मात्रा में ऑक्सीजन की भी आवश्यकता होती है। इसी कारण जल भराव की स्थिति में यह प्रक्रिया बहुत प्रभावित होती है। जल भराव तनाव के तहत नाइट्रोजन स्थिरीकरण में कमी आना ऊपज कम होने का मुख्य कारण माना जाता है। सामान्यतया मिट्टी में छोटे-छोटे छेद होते हैं जिनमें सामान्य स्थिति में 50 प्रतिशत पानी और 50 प्रतिशत वायु होती है। परन्तु जल भराव की स्थिति में वायु छिद्रों में भी पानी भर जाता है, इसी कारण मिट्टी में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है जो कि पौधे की जड़ों की श्वसन क्रिया के लिए हानिकारक होता है। मिट्टी का तापमान भी कम हो जाता है ऐसी परिस्थिति में जड़ें श्वसन क्रिया नहीं कर पाती हैं और इसका विपरीत प्रभाव पौधों की वृद्धि और कार्य कि क्षमता पर पड़ता है।

मिट्टी में ऑक्सीजन तापमान के साथ-साथ जल भराव से मिट्टी के पी.एच. मान में भी परिवर्तन आ जाता है जो कि मिट्टी में पोषक तत्वों की उपलब्धता पर असर डालता है। जल भराव वाली मिट्टी में मुख्य पोषक तत्व जैसे कि नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटेशियम, जिंक आदि की कमी हो जाती है तो वहीं दूसरी ओर आयरन एवं मैंगनीज़ की अधिकता के कारण मिट्टी विषाक्त हो जाती है। जल भराव अगर विकास के महत्वपूर्ण चरणों जैसे की नोड्यूल्स बनने, फूल आने और फली भरने की अवस्था पर आता है तो फसल खराब हो जाती है। अगर जल भराव लंबे समय (यानी, कई हफ्तों के लिए) तक रहता है तो, सोयाबीन की कुछ जल भराव के प्रति सहनशील किस्मों में जल भराव तनाव से बचने के लिए ऊपर की और साहसिक (advetitious) जड़ें बनाती हैं और इंटेरनोड की लम्बाई बढ़ जाती जिसके कारण पौधा पतला और लम्बा नजर आएगा।

स्टेम, जड़ों और नोड्यूल्स में ऊतकों का विकास होता है जिसमे की वायु का संग्रहण होता है जो कि जड़ों में ऑक्सीजन की कमी के तनाव को कम करता है और तना और जड़ प्रणाली के बीच गैस विनिमय में सुधार लाता है। इस कारण नोड्यूल की नाइट्रोजन निर्धारण क्षमता में सुधार होता है। परन्तु, अल्पकालिक जल भराव (यानी, एक सप्ताह से भी कम) की स्थिति में पौधे में साहसिक जड़ें एवं एयरेंन कायमा ऊतकों का विकास नहीं हो पाता। इसी कारण ऑक्सीजन का चलन लगभग बंद हो जाता है जिससे नोड्यूल की नाइट्रोजन निर्धारण क्षमता में कमी आ जाती है। अगर यह स्थिति विकास के महत्वपूर्ण चरण पर आ जाये तो वृद्धि को प्रभावित करती है। अतिरिक्त पानी के हटने के बाद सोयाबीन में नाइट्रोजन के अधिग्रहण करने की क्षमता में पुनः सुधार आना अच्छी वृद्धि एवं पैदावार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वैज्ञानिकों के द्वारा किये गए शोध में पता चला है कि चार दिन से एक सप्ताह तक की जल भराव की स्थिति सोयाबीन की उपज में कमी ला देती है। वैज्ञानिकों के अनुसार अगर चौथी त्रिपत्रक अवस्था और फूल व फली बनने की अवस्था पर 4-10 दिन तक जल भराव की स्थिति रह जाए तो पैदावार में 20-40 प्रतिशत कमी आ सकती है। बहुत लंबे समय तक के जल भराव से जड़ें पूरी तरह गल जाती हैं और फसल को भी भारी नुकसान होता है।

सावधानियां एवं उपाय

बुआई के समय अगर आपके क्षेत्र या किसी खेत में जल भराव हमेशा रहता है तो सबसे पहले आपको बुवाई के समय ही थोड़ी सी ढलान देते हुए खेत को समतल करवाना चाहिए। ढलान पानी के निकास की तरफ होनी चाहिए और बहुत अधिक नहीं होनी चाहिए। अधिक ढलान से पानी के साथ-साथ ऊपरी सतह की उपजाऊ मिट्टी भी चली जाती है। अगर खेत नहरी क्षेत्र में है तो ध्यान दें कि कहीं नहर से पानी का रिसाव तो खेत की तरफ नहीं हो रहा है ऐसे में सरकारी माध्यम से नहर का मरम्मत करवाने की कोशिश करें।

भारतीय सोयाबीन अनुसधान संसथान, इंदौर द्वारा विकसित ब्रॉड बेड और फरो पद्धति से बुवाई करना काफी लाभकारी है। इसमें दो फरो (नाली) के बीच में बेड पर 4 -5 सोयाबीन की पंक्तियां लगायी जाती हैं जो कि जड़ों में पानी के ठहराव को रोकता है और तनाव से बचाता है।

अगर खेत में जल भराव की वजह से फसल पीली पड़ती दिख रही है तो आप 1 प्रतिशत - 2 प्रतिशत डीएपी+ 1 प्रतिशत KCl (MOP) का छिड़काव कर सकते हैं। सोयाबीन की कुछ प्रजातियां जैसे की JS 97 52, पीके 472 कुछ हद तक जल भराव के प्रति सहन शीलता रखती है। परन्तु JS 20 29 और JS 95 60 जल भराव के प्रति अत्यंत संवेदनशील है और जल भराव की स्थिति में कम पैदावार देती है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 10 अगस्त, 2026

संदीपा धर ने शेयर किया लेग-डे वॉर्म-अप रूटीन

नेटफ्लिक्स की चुंबक में नजर आएंगी

मुंबई फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए मशहूर अभिनेत्री संदीपा धर ने हाल ही में अपने फैंस को लेग-डे वर्कआउट की तैयारी की एक झलक दिखाई है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने अपने लेग-डे से पहले अपनाई जाने वाली एक प्रभावी वॉर्म-अप टेक्निक दिखाई है, जो उनके वर्कआउट रूटीन का अहम हिस्सा है।

गौरतलब है कि लेग-डे वर्कआउट में ताकत, लचीलापन और सहनशक्ति की जरूरत होती है। ऐसे में सही वॉर्म-अप मसल्स को एक्टिव करने और शरीर को कठिन एक्सरसाइज के लिए तैयार करने में मदद करता है। संदीपा का यह फिटनेस-फर्स्ट अप्रोच उनकी अनुशासित और नियमित लाइफस्टाइल को दर्शाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो संदीपा धर जल्द ही नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल सीरीज़ 'चुंबक' में नजर आनेवाली हैं। इस एंसेम्बल कॉमेडी सीरीज़ में उनके साथ नीना गुप्ता, अर्जुन बिजलानी, सुमीत व्यास, हेली शाह और कई अन्य कलाकार दिखाई देंगे। मुंबई के बैकग्राउंड पर आधारित यह सीरीज़ 28 अगस्त 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। एक ओर जहां संदीपा अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित हैं, वहीं दूसरी ओर वह अपनी फिटनेस और वेलनेस को भी उतनी ही प्राथमिकता दे रही हैं। उनका यह संतुलन उनके प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ दोनों के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

मिनी माथुर ने अली गोनी को हरा जीती 'अलायंस' की ट्रॉफी

मिनी माथुर 'अलायंस' की विनर बन गई हैं। उन्होंने अली गोनी और रूही दोसानी को मात देकर ट्रॉफी के साथ 50 लाख रुपये की राशि जीती। मिनी ने जीतने के बाद कहा कि उन्होंने 6 हफ्तों में एक पूरी जिंदगी जी ली। वह कुछ चीजें खुद के लिए साबित करना चाहती थीं।

मिनी माथुर ने कुणाल खेमू का रियलिटी शो 'अलायंस' जीत लिया है, और इस तरह इसे छह हफ्तों बाद अपना पहला विनर मिल गया है। मिनी माथुर ने अली गोनी और रूही दोसानी को मात देकर पहले सीजन की ट्रॉफी अपने नाम की। साथ ही 50 लाख रुपये की इनामी राशि भी जीती। अली गोनी पहले ही 'एस ऑफ द वीक' होने के कारण फाइनलिस्ट बन चुके थे, लेकिन रूही दोसानी, मिनी माथुर, नीति टेलर और कुशाल टंडन को फाइनलिस्ट बनने के लिए एक-दूसरे से मुकाबला करना पड़ा। 'अलायंस'के सेमी फाइनल में कुशाल जहां मिनी माथुर से हार गए, वहीं नीति को रूही से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद अली गोनी के साथ मिनी माथुर और रूही दोसानी 'अलायंस' के फाइनलिस्ट बन गए। विनर बनने के लिए इन्हीं तीनों के बीच कड़ी टक्कर हुई।

फिर फिनाले टास्क हुआ, जिसमें मिनी, रूही और अली को शो की प्राइज मनी वाले वॉल्ट का कोड जीतने के लिए एक-दूसरे से लड़ना था। टास्क में तीनों फाइनलिस्ट को एक बॉक्स से बॉल इकट्ठा करनी थीं, एक पुल बनाना था और फिर बॉल को एक प्लेटफार्म तक ले जाना था। वहां उन्हें तीनों बॉल को एक साथ बैलेंस करना था। इसके बाद ही उन्हें वॉल्ट खोलने का कोड मिल सकता था। मिनी तीनों कोड इकट्ठा करने में कामयाब रहीं, जबकि अली गोनी ने दो कोड इकट्ठा किए। आखिरकार, मिनी माथुर 'अलायंस' की विनर बन गईं।

जीतने के बाद बोलीं मिनी माथुर

जीतने के बाद मिनी माथुर ने कहा, 'इन छह हफ्तों में मैंने एक पूरी जिंदगी जी ली है। यह मेरा पहला रियलिटी शो है। इससे पहले मैंने कभी किसी ऐसे रियलिटी शो में हिस्सा लेने के बारे में नहीं सोचा था, जिसमें कंटेस्टेंट्स को एक जगह बंद रहना पड़ता है। मैंने हां इसलिए कहा क्योंकि मुझे स्पोर्ट्स और कॉम्पिटिशन पसंद हैं, और मुझे खुशी है कि मेरे कुछ दोस्तों ने मुझे इसके लिए मनाया। मुझे नहीं लगा था कि मैं यहां एक हफ्ते से ज्यादा टिक पाऊंगी।'

इन छह हफ्तों में मैंने एक पूरी जिंदगी जी ली है।

यह मेरा पहला रियलिटी शो है। इससे पहले मैंने कभी किसी ऐसे रियलिटी शो में हिस्सा लेने के बारे में नहीं सोचा था, जिसमें कंटेस्टेंट्स को एक जगह बंद रहना पड़ता है। मैंने हां इसलिए कहा क्योंकि मुझे स्पोर्ट्स और कॉम्पिटिशन पसंद हैं, और मुझे खुशी है कि मेरे कुछ दोस्तों ने मुझे इसके लिए मनाया। मुझे नहीं लगा था कि मैं यहां एक हफ्ते से ज्यादा टिक पाऊंगी। कुछ बातें थीं जो मैं खुद को साबित करना चाहती थी, और अपनी जिंदगी के बारे में कुछ चीजों पर फिर से सोच रही थी।

'कुछ बातें मैं खुद को साबित करना चाहती थी' मिनी ने आगे कहा, 'कुछ बातें थीं जो मैं खुद को साबित करना चाहती थी, और अपनी जिंदगी के बारे में कुछ चीजों पर फिर से सोच रही थी। पर जब मैं यहां आई, तो मुझे सबसे लगाव हो गया। मुझे हर एक कंटेस्टेंट से प्यार हो गया। इस पूरे सफर में उन्होंने मेरी बहुत मदद की है।'

जैस्मिन भसीन ने अपने जुनून पर की बात

अभिनेत्री जैस्मिन भसीन इन दिनों एक साथ कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं। वह जहां एक तरफ स्टंट-आधारित रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में खतरनाक टास्क करती नजर आ रही हैं, वहीं दूसरी तरफ अपनी आगामी पंजाबी फिल्म 'जुदा' की रिलीज को लेकर भी उत्साहित हैं। अलग-अलग भाषाओं और प्लेटफॉर्म पर काम करने के अपने अनुभव को लेकर जैस्मिन का कहना है कि अभिनय उनके लिए सिर्फ एक पेशा नहीं बल्कि उनका सबसे बड़ा जुनून है। इसलिए वह हर नए मौके को स्वीकार करना चाहती हैं और खुद को अलग-अलग भूमिकाओं में आजमाना चाहती हैं। जैस्मिन भसीन ने अपने करियर और अभिनय के प्रति अपने लगाव को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''मैंने हमेशा कहा है कि अभिनय को लेकर मैं बहुत लालची हूं क्योंकि यह मेरा सबसे बड़ा प्यार और मेरा जुनून है। मेरे सामने चाहे कुछ भी आए, मैं हमेशा उसे एक्सप्लोर करना चाहती हूं और अपना पूरा योगदान देना चाहती हूं। मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि काम किस भाषा या प्लेटफॉर्म पर है, मेरे लिए सबसे जरूरी है कि मुझे कुछ नया करने और सीखने का मौका मिले।'' उन्होंने कहा, ''मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत और आभारी महसूस करती हूं कि मुझे अलग-अलग भाषाओं और प्लेटफॉर्म पर काम करने का मौका मिल रहा है। अलग-अलग तरह के दर्शकों से जुड़ना मेरे लिए बहुत खास अनुभव है।''

अभिनेत्री ने कहा, ''एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करना आसान नहीं होता। यह सफर व्यस्त जरूर है लेकिन मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है। मैं चाहती हूं कि मेरे हर दिन में कोई नई चुनौती हो। एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं और कुछ नया सीखना चाहती हूं।''

अनुपमा परमेश्वरन ने रूमर्ड बॉयफ्रेंड ध्रुव विक्रम के साथ ब्रेकअप की अफवाहों पर लगाया विराम

अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन ने अपने को-स्टार और रूमर्ड बॉयफ्रेंड ध्रुव विक्रम के साथ ब्रेकअप की अफवाहों पर विराम लगाया है। अनुपमा के सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करने बाद फैंस के बीच खबरें फैल रही थीं कि अभिनेत्री और उनके बॉयफ्रेंड के रिश्तों में दरार आ गई है।

अनुपमा परमेश्वरन हाल ही में अपनी फिल्म 'क्रेजी कल्याणम' के टीजर लॉन्च के मौके पर पहुंची थीं। जहां सिनेमा एक्सप्रेस की रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने कहा, 'यह मेरा सोशल मीडिया अकाउंट है। मैं तय करती हूं कि क्या पोस्ट करना है। मैं भड़ास नहीं निकाल रही थी। मैं बस एक महिला के बदलाव के बारे में बात कर रही थी। और मुझे इस बात पर गर्व है कि मैंने ऐसा किया।'

ऑनलाइन पोस्ट के आधार पर सोचना गलत

अनुपमा परमेश्वरन ने आगे कार्यक्रम के दौरान कहा, 'आप मेरे बारे में क्या जानते हैं? मेरे जीवन के बारे में क्या जानते हैं? यह मेरा इंस्टाग्राम है और मैं जो चाहे पोस्ट कर सकती हूं।' इसके साथ ही एक्ट्रेस ने कहा कि लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि वे किसी के ऑनलाइन शेयर किए गए कंटेंट के आधार पर उनके जीवन के बारे में सब कुछ जान सकते हैं।

कई महीनों से सोशल मीडिया ब्रेक पर थीं

अनुपमा परमेश्वरन ने कई महीनों पहले सोशल मीडिया से ब्रेक लिया था। आखिरी बार उन्होंने फरवरी में अपने बर्थ डे पर फैंस को शुक्रिया कहा था। उसके बाद उन्होंने एक नई पोस्ट शेयर की जिसमें वह पीले रंग की ड्रेस में काफी खूबसूरत दिखाई दे रही थीं। मगर इसके साथ उन्होंने कैप्शन में खुद को चुनने और आजादी के बारे में लिखा था। इसे पढ़कर फैंस ने उनके और ध्रुव के रिश्ते पर सवाल खड़े किए। हालांकि इस रिश्ते के बारे में न कभी अनुपमा ने कोई बयान दिया न ही ध्रुव ने ही अधिकारिक रूप से कुछ कहा।

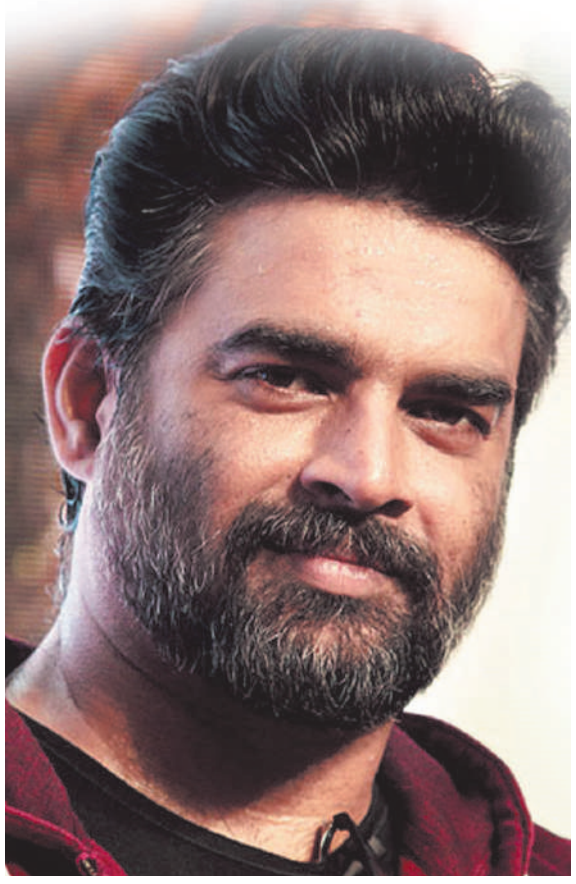

मैं एक एक्टर हूं, मेरा काम वास्तविकता को दिखाना है

एक्टर आर. माधवन ने हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर मिलने वाली राजनीतिक आलोचनाओं पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट पर कई लोग उन्हें 'संघी' कहकर बुलाते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनका किसी राजनीतिक दल से कोई संबंध या उनके प्रति झुकाव है। उनका कहना है कि जो भी सरकार अच्छा काम करती है, वह उसकी सराहना करने में यकीन रखते हैं, चाहे सत्ता में कोई भी पार्टी क्यों न हो। हाल के वर्षों में 'रॉकेट्री: द नम्बी इफेक्ट' और 'धुरंधर' जैसी फिल्मों को लेकर कुछ लोगों ने उन पर सरकार सपोर्टर सोच दिखाने के आरोप लगाए थे। अब अपनी आने वाली बायोपिक के प्रमोशन के दौरान माधवन ने इन सभी बातों पर खुलकर रिएक्ट किया है।

जब कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री चुना जाता है तो सपोर्ट करना कर्तव्य

जब उनसे पूछा गया कि सोशल मीडिया पर उन्हें 'संघी' कहे जाने पर उनका क्या रिएक्शन है तो उन्होंने कहा कि हर इंसान की सोच उसके संस्कारों और परवरिश से बनती है। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी किसी पार्टी या उसके नेताओं के खिलाफ कुछ नहीं कहा है। अगर किसी ने कुछ अच्छा किया है तो मैंने उन्हें सपोर्ट किया है। जब कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री चुना जाता है तो मुझे लगता है कि उनका सपोर्ट करना मेरा कर्तव्य है। मैं कॉमेंट्स पढ़ता हूं, लेकिन इससे मेरे फैसले लेने पर कोई असर नहीं पड़ता। अगर कोई मुझे इस बारे में बुरा महसूस करा रहा है तो मैं उनकी सोच पर सवाल उठाना चाहता हूं।'

बचपन से अपने देश से प्रेम करना सिखाया गया

माधवन ने आगे कहा कि उन्हें बचपन से अपने देश से प्रेम करना और उस पर विश्वास करना सिखाया गया है। इसलिए उनके विचारों को किसी राजनीतिक विचारधारा से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि असली आलोचना और 'पैसे लेकर काम करने वाले बॉट्स' के कॉमेंट्स के बीच अंतर करना मुश्किल नहीं होता।

'धुरंधर' और 'रॉकेट्री' पर उठे सवालों का भी दिया जवाब

माधवन ने अपनी फिल्म 'धुरंधर' पर लगे उन आरोपों पर भी प्रतिक्रिया दी, जिनमें इसे सरकार सपोर्टर या प्रचार वाली फिल्म बताया गया था। इससे पहले भी राष्ट्रीय सुरक्षा और पाकिस्तान के चित्रण को लेकर फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिली थीं, जिन पर एक्टर ने सवाल उठाया था कि कहीं कुछ विरोध किसी खास एजेंडे का हिस्सा तो नहीं है। माधवन ने कहा, 'धुरंधर फिल्म की कहानी पाकिस्तान में घटित होती है। जो कुछ भी होता है, अच्छा या बुरा, वह दिखाता है कि उसका भारत पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह किस तरह का दुष्प्रचार है? मेरी समझ से परे है। जब नम्बी की आलोचना करने की बात आती है तो अगर मैं उनके वास्तविक व्यक्तित्व से डरता हूं, तो मैं कहानी में ईमानदारी कैसे बरत सकता हूं? अगर वह मंदिर जा रहे हैं, तो मैं उसे दिखाऊंगा। अगर जी.डी. नायडू नास्तिक हैं, तो मुझे किरदार के प्रति ईमानदार रहना होगा। मैं उन्हें प्रार्थना करते हुए नहीं दिखाऊंगा। मैं एक एक्टर हूं, मेरा काम वास्तविकता को दिखाना है और मेरी निजी राय यह है कि मैं भारत की सभी अच्छी बातों को उजागर करना चाहता हूं। यह कोई अपराध नहीं हो सकता।

राजनीतिक संदेश देना कभी नहीं रहा उद्देश्य

उन्होंने 'रॉकेट्री: द नम्बी इफेक्ट' से जुड़े विवाद का भी जिक्र किया। फिल्म में पूर्व इसरो वैज्ञानिक नम्बी नारायणन को पूजा करते हुए दिखाने पर कुछ लोगों ने उन्हें जरूरत से ज्यादा राष्ट्रवादी होने तक का आरोप लगाया था। माधवन ने साफ कहा कि उनका उद्देश्य कभी राजनीतिक संदेश देना नहीं रहा। उनका काम सिर्फ असली किरदारों को उनकी वास्तविक पहचान के साथ पर्दे पर पेश करना है। वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार की फिल्म जीडीएन में नजर आएंगे। यह फिल्म प्रसिद्ध भारतीय आविष्कारक जी.डी. नायडू के जीवन पर आधारित है। फिल्म में सत्यराज, प्रियामणि, जयराम, दुशरा विजयन, विनय राय और योगी बाबू भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।